मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	42.8	33.5
जमशेदपुर	31.0	27.8
डालटनगंज	46.0	31.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

लोकसभा चुनाव 2024

www.lagatar.in | रांची, शनिवार 01 जून 2024 ● ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 09 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 53 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

बूथों पर रवाना होते मतदानकर्मी.

राजमहल, गोड्डा और दुमका में मतदान आज

■ 53 लाख वोटर करेंगे 52 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला सभी तैयारियां पूरी ■ सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होगा मतदान

शुभम किशोर। रांची

चुनाव के सातवें चरण में झारखंड की तीन लोस सीटों राजमहल, दुमका और गोड्डा में शनिवार को वोट होना है. तीनों सीटों पर सभी इंतजाम पूरे कर लिये गये हैं. सुरक्षा के लिए अर्द्धसैनिक बलों के साथ पुलिस के जवानों को भी तैनात किया गया है. शुक्रवार की शाम तक सभी मतदान कर्मी बूथों पर पहुंच चुके हैं. मतदान सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक कराया जाएगा.

इन तीनों लोकसभा क्षेत्रों में छह जिले और 18 विस सीटें आती हैं. कुल 52 प्रत्याशी मैदान में हैं. राजमहल से 14, दुमका व गोड्डा से 19-19 लोग चुनाव लड़ रहे हैं. आयोग के मुताबिक तीन सीटों गोड्डा, राजमहल और दुमका में कुल 53,23,886 मतदाता हैं. उनमें 27,00,538 पुरुष, 26,23,315 महिला और 33 ट्रांसजेंडर मतदाता हैं. तीनों लोकसभा में मतदान कराने कि जिम्मेदारी लगभग 28 हजार मतदान कर्मियों पर है. चुनाव आयोग के अनुसार मतदान को लेकर सभी बूथों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतेजाम किए गए है. झारखंड के तीन लोकसभा में 100 से अधिक उम्र वाले 439 मतदाता है. इनमे 175 पुरुष और 264 महिला मतदाता है. जिसमे राजमहल से 249, दुमका से 36 और गोड्डा से 154 मतदाता 100 उम्र से अधिक वाले है.

बनाए गए हैं 6258 बूथ

झारखंड की तीन सीटों पर चुनाव के लिए 6258 बूथ बनाए गए हैं. जिनमें से 489 शहरी तथा 5769 ग्रामीण क्षेत्र में मतदान केंद्र हैं. सभी बूथ को मॉडल बूथ की तरह बनाया गया है.

कुल लोस सीट - 3

कुल मतदाता 53,23,868

पुरुष मतदाता 27,00,538 | महिला मतदाता 26,23,315

फर्स्ट टाइम वोटर - 2,02,593

100+ वोटर	439
पोलिंग स्टेशन	6258
बैलेट यूनिट	12595
कंट्रोल यूनिट	7510
वीवी पैट	8135
मतदान कर्मी	28000

कौन प्रत्याशी हैं आमने-सामने

गोड्डा		राजमहल		दुमका	
निशिकांत दुबे	प्रदीप यादव	विजय हांसदा	ताला मरांडी	सीता सोरेन	नलिन सोरेन

राजमहल लोकसभा से भाजपा के ताला मरांडी और जेएमएम से विजय कुमार हांसदा है. लोबिन हेंब्रम ने इस सीट से निर्दलीय चुनाव में उतर कर मुकाबले को त्रिकोणीय बना दिया है. वहीं दुमका लोकसभा में जेएमएम के नलिन सोरेन और बीजेपी की सीता सोरेन के बीच सीधा मुकाबला है. इस सीट पर कड़े मुकाबले के आसार है. वहीं गोड्डा से कांग्रेस प्रत्याशी प्रदीप यादव और बीजेपी के निशिकांत दुबे साख बचाने के लिए जोर लगा रहे हैं.

सातवां चरण : 57 सीटों पर पीएम मोदी समेत 904 प्रत्याशी मैदान में

▪ मतदान खत्म होते ही जारी होंगे लोकसभा चुनाव के एग्जिट पोल

एजेंसी। नयी दिल्ली

लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण के लिए शनिवार को मतदान होगा और इस चरण में पीएम नरेंद्र मोदी सहित 904 उम्मीदवार मैदान में हैं. सात राज्यों बिहार 8, उत्तर प्रदेश 13, पश्चिम बंगाल 9, हिमाचल प्रदेश 4, झारखंड 3, ओडिशा 6, पंजाब 13 और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ की एक सीट कुल 57 सीटों पर मतदान होगा. ओडिशा की शेष 42 विधानसभा सीट के लिए भी मतदान होगा.

शनिवार को सातवें चरण के पूरा होने के साथ ही 18वीं लोकसभा के लिए 19 अप्रैल से शुरू हुई मतदान प्रक्रिया समाप्त हो जाएगी. अब तक 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 486 सीट के लिए मतदान संपन्न हो चुका है. अंतिम चरण में लगभग 5.24 करोड़ पुरुष, 4.82 करोड़ महिलाएं और 3574 तृतीय लिंग के मतदाता सहित 10.06 करोड़ से अधिक लोग मतदान करने के पात्र हैं. 543 में से 542 सीटों के नतीजे 4 जून को घोषित किए जाएंगे. वहीं गुजरात की सूरत सीट से भाजपा उम्मीदवार मुकेश दलाल पहले ही निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं. नतीजों से पहले 1 जून की शाम को अलग-अलग मीडिया चैनलों और सर्वे एजेंसियों की तरफ से एग्जिट पोल जारी किए जाएंगे. देश में किस पार्टी की सरकार बन सकती है? किस पार्टी को कितनी सीटें मिल सकती हैं? इसका अनुमान इस पोल के जरिए लगेगा.

भाजपा भगवान की शरण में, कांग्रेस हमलावर

चुनावी समर 2024

लोकसभा चुनाव का अंतिम चरण शनिवार को समाप्त हो रहा है. इसके पहले गुरुवार को चुनाव प्रचार का दौर थम गया. शुक्रवार को भाजपा का शीर्ष नेतृत्व भगवान की शरण में रहा. पीएम नरेंद्र मोदी एक दिन पहले से ही कन्याकुमारी में विवेकानंद मंडपम में ध्यान लगा रहे हैं. वहीं गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को तिरुपति बाला जी में भगवान वेंकटेश का दर्शन किया. भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी कुलदेवी का दर्शन कर आशीर्वाद लिया. दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी पूरी तरह हमलावर रही. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी प्रवक्ताओं ने पीएम मोदी जम कर को घेरा. साथ ही दावा किया कि चार जून को इंडिया गठबंधन की सरकार पूर्ण बहुमत के साथ बनने जा रही है. इसमें कोई दो राय नहीं है.

मोदी ने ओढ़ा भगवा चोला, लगाया ध्यान

एजेंसी। नयी दिल्ली

चुनाव के अंतिम चरण का वोट शनिवार को होना है. प्रचार खत्म होते ही पीएम मोदी कन्याकुमारी पहुंच गए, जहां वे वहां स्वामी विवेकानंद रॉक के मंडपम में ध्यान लगा रहे है. कन्याकुमारी पहुंचने के बाद मोदी ने सबसे पहले उस भगवती अम्मन मंदिर मंदिर में पूजा की, जो देवी कन्याकुमारी को समर्पित है. पीएम के अलावा भाजपा के अन्य नेता भी मंदिरों के दर्शन कर रहे हैं.

गृह मंत्री अमित शाह जहां परिवार के साथ तिरुपति बालाजी पहुंचे, तो वहीं भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने परिवार संग हिमाचल के बिलासपुर में कुलदेवी शक्ति पीठ में पूजा की. पीएम मोदी के ध्यान का शुक्रवार को दूसरा दिन था. उन्होंने सुबह सूर्योदय के समय सूर्य को अर्घ्य दिया. मोदी के वीडियो सामने आया है, वीडियो में पीएम भगवा कुर्ता और गमछे में दिख रहे हैं. वे स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा के समक्ष बैठ कर ध्यान कर रहे हैं. उनके हाथ में माला है और ओम की आवाज गूंज रही है. यह वही स्थान है, जहां विवेकानंद ने तीन दिनों तक ध्यान किया था. यहीं उन्होंने विकसित भारत का सपना देखा था. ऐसी मान्यता है कि इस स्थान पर देवी पार्वती ने एक पैर पर खड़े होकर साधना की थी.

शाह ने तिरुपति मंदिर में की पूजा : अमित शाह ने शुक्रवार को अपनी पत्नी सोनल शाह के साथ तिरुपति बालाजी में पहुंच कर वेंकटेश्वर स्वामी की पूजा-अर्चना की. मंदिर के प्रवेश द्वार पर उनका स्वागत तिरुमाला-तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के कार्यकारी अधिकारी एवी धर्म रेड्डी ने किया. दंपती ने वीआईपी ब्रेक अवधि के दौरान पूजा-अर्चना की. मंदिर के आधिकारिक सूत्रों की मानें तो अमित शाह की पत्नी सोनल शाह ने भी दिन में अभिषेकम सेवा में भाग लिया. दर्शन के बाद मंदिर के पुजारियों ने शाह को वैदिक मंत्रों से आशीर्वाद दिया. मंदिर के अधिकारियों ने मंदिर के अंदर रंगनायकुला मंडपम में अमित शाह को भगवान का प्रसाद और एक तस्वीर भेंट की.

कन्याकुमारी में ध्यान मुद्रा में पीएम मोदी.

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पहुंचे कुलदेवी के दर पर

जेपी नड्डा ने परिवार के साथ पहुंच कर बिलासपुर में अपनी कुल देवी शक्तिपीठ श्री नैनादेवी मंदिर के दर्शन किए. यहां उन्होंने विधि विधान के साथ माता रानी की पूजा की. उन्होंने एक्स पर तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, आज देवभूमि में कुलदेवी मंदिर एवं आदिशक्ति मां नैना देवी जी मंदिर में दर्शन-पूजन का सौभाग्य प्राप्त हुआ. समस्त देशवासियों के सुख-सौभाग्य, समृद्धि के लिए प्रार्थना की.

सोशल मीडिया व व्यूज-लाइक के मामले में भाजपा पर कांग्रेस भारी

कांग्रेस की सोशल मीडिया इंचार्ज सुप्रिया श्रीनेत ने शुक्रवार को सोशल मीडिया का एक आंकड़ा जारी किया. आंकड़ा जारी करते हुए उन्होंने कहाः 'पापा ने वॉर तो रुकवा दी, लेकिन सोशल मीडिया के मीम नहीं रुकवा पाए'. हमारे पास एक डाटा है, जो दिखाता है कि लोग क्या और किसकी बात सुनना चाह रहे थे. उन्होंने 16 मार्च से 30 मई तक का यूट्यूब, इंस्टाग्राम, ट्विटर (एक्स) और फेसबुक पर कांग्रेस और भाजपा के पोस्ट को मिले व्यूज और एवरेज लाइक का आंकड़ा जारी किया. आंकड़े के मुताबिक सोशल मीडिया पर व्यूज और लाइक के मामले भाजपा के मुकाबले कांग्रेस बहुत आगे है.

यूट्यूब (व्यूज)	
कांग्रेस	613 मिलियन व्यू
भाजपा	150 मिलियन व्यू
इंस्टाग्राम (एवरेज लाइक)	
कांग्रेस	1,22000
भाजपा	26,945
एक्स (एवरेज लाइक)	
कांग्रेस	2,500-3,000
भाजपा	260-300
फेसबुक (एवरेज लाइक)	
कांग्रेस	1200-1500
भाजपा	150-250

भड़के खरगे, बोले-इस ड्रामे का खर्च कौन उठाएगा?

एजेंसी। नयी दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी कन्याकुमारी में ध्यान में लीन हैं. इस पर, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि राजनीति में धर्म को नहीं लाना चाहिए. राजनीति और धर्म अलग-अलग विषय है. मोदी वहां कन्याकुमारी में क्या ड्रामा कर रहे हैं, वहां 10 हजार लोग हैं. यह देश के पैसे की बर्बादी है. देश में आचार संहिता लागू है. इसका खर्च कौन उठाएगा. अगर इतनी ही आस्था है, तो आप अपने घर पर यह काम करें. अपनी जेब से खर्च उठाएं.

मोदी पर निशाना साधने के अलावा, खरगे ने कहा कि आरक्षण छीनने का कोई सवाल ही नहीं है. आरक्षण एससी-एसटी लोगों को आबादी के अनुसार दिया जाएगा. उन्होंने कहा, मोदी गुजरात से हैं. गुजरात का व्यक्ति यह कहता है कि गांधी को नहीं जानता, तो मैं क्या कहूं. आरएसएस के सदस्य के नाते गोडसे के विचारों और सिद्धांतों का प्रचार किया, लेकिन महात्मा गांधी का नहीं.

इंडिया गठबंधन को मिलेगा स्पष्ट जनादेश : इस बीच, कांग्रेस ने कहा कि उसने इस चुनाव में अपने प्रचार के दौरान सकारात्मक एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए न्याय के आधार पर वोट मांगा, तो पीएम मोदी ने मंदिर, मटन, मंगलसूत्र और मुजरे के नाम पर प्रचार किया और यही कारण है कि गठबंधन को निर्णायक जनादेश मिलने जा रहा है. कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, उनकी तरफ से 72 दिनों में 272 सवाल पीएम से किये गये, लेकिन एक का जवाब नहीं मिला. रमेश ने कहा, कांग्रेस पार्टी का चुनाव प्रचार बहुत ही सकारात्मक था. ये भारत जोड़ो न्याय यात्रा का परिणाम था कि हम जनता के बीच पांच न्याय और 25 गारंटी के साथ गये. कांग्रेस ने इस यात्रा के दौरान 23 जनवरी से 16 मार्च तक देश के सामने 5 न्याय और 25 गारंटी रखी थी. इसके माध्यम से श्रमिक न्याय, युवा न्याय, किसान न्याय, हिस्सेदारी न्याय, नारी न्याय की बात की गयी . इसका नतीजा हमें मिलने जा रहा है.

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे.

जिसने 10 साल ध्यान भटकाया अब वह खुद ध्यान लगा रहा है

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा, जिस आदमी ने 10 साल सबका ध्यान भटकाया, अब वह ध्यान लगा रहा है. जब हम न्याय की बात कर रहे थे, तो मोदी टोंटी और भैंस चोरी और मटन की बात कर रहे थे. कांग्रेस के प्रचार ने मोदी को पटरी से उतार दिया. कांग्रेस की सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि सोशल मीडिया की पहुंच के मामले में उनकी पार्टी भाजपा से बहुत आगे रही.

निर्मला सीतारमण ने दिया 10 साल का हिसाब

किसी उद्योगपति का कर्जा माफ नहीं हुआ : वित्त मंत्री

एजेंसी। नयी दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि लोन डिफाल्टर्स के साथ किसी तरह की रियायत नहीं की जा रही है और ईडी ने अब तक 64,920 करोड़ की संपत्ति अटैच की है. उन्होंने कहा कि इस तरह के 1105 डिफाल्टर अब भी जांच के दायरे में हैं. विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने शुक्रवार को कहा कि मोदी सरकार में देश के किसी भी उद्योगपति का कर्जा माफ नहीं किया गया है. उन्होंने कहा, विपक्ष झूठ बोलने और अफवाह फैलाने का आदी हो गया है. विपक्ष के लोगों को लोन वेवर और राइटऑफ में भी फर्क समझ नहीं आता है.

रघुराम राजन ने भी उठाया था मुद्दा : उन्होंने कहा कि पूर्व गवर्नर रघुराम राजन और उर्जित पटेल ने भी यूपीए सरकार के सामने यह मुद्दा उठाया था. रघुराम राजन ने बताया था कि यूपीए के समय में एनपीए एक बड़ी समस्या बन गई थी. वहीं उर्जित पटेल ने भी कहा था कि यूपीए में सरकारी बैंकों की कार्यप्रणाली नौकरशाही के अवरोधों और राजनीतिक सौदेबाजी में फंस गई थी. 2015 मों मोदी सरकार ने आरबीआई को असेट क्वालिटी रिव्यू के लिए प्रोत्साहित किया. इसके बाद 10 लाख करोड़ से ज्यादा के एनपीए का पता चला. बहुत सारा एनपीए बैंकों की बैलेंसशीट में छिपा हुआ था. इसके बाद सरकार ने चार आर की रणनीति अपनाई। इसमें रिकग्निजिशन, रिजोलूशन, रीकैपिटलाइजेशन और रिफॉर्म शामिल था. बैंकों को 3.10 लाख करोड़ रुपए से रीकैपिटलाइज किया गया.

10 लाख करोड़ की हुई रिकवरी

नहीं छोड़े जा रहे बड़े डिफाल्टर

आरबीआई के निर्देशों के मुताबिक राइटऑफ के बाद बैंक सक्रिय रूप से बैड लोन की रिकवरी में जुट जाते हैं. किसी भी उद्योगपति का कर्ज मोदी सरकार में माफ नहीं किया गया. वहीं बैंकों ने बैड लोन से 10 लाख करोड़ की रिकवरी की है. ईडी ने 1105 मामलों की जांच की है, जिसके बाद 64920 करोड़ की संपत्ति कुर्क की गई है. दिसंबर 2023 के आंकड़ों के मुताबिक 15183 करोड़ सरकारी बैंकों को फिर से वापस किये गए हैं. बैड लोन की रिकवरी में किसी तरह की ढील नहीं दी जा रही है. खास तौर पर बड़े डिफाल्टर्स से लोन की रिकवरी की जा रही है. वित्त मंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार की गलती की वजह से बैंकिंग और कॉर्पोरेट सेक्टर को तनाव का सामना करना पड़ा. हालांकि मोदी सरकार में बैंकों को एनपीए से मुक्त कर दिया गया. उन्होंने कहा कि कांग्रेस की अगुआई वाली यूपीए सरकार ने निहित स्वार्थों के चलते बैंकों को भ्रष्टाचार के दलदल में फंसा दिया था.

ब्रीफ खबरें

बिहार में भीषण गर्मी से 14 लोगों की मौत

पटना। बिहार में जारी भीषण गर्मी के पिछले 24 घंटे में लू लगने से 10 मतदान कर्मियों सहित 14 लोगों की मौत हो गई. अधिकारियों ने यह जानकारी शुक्रवार को दी. सैकड़ों लोग अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराये गये हैं.

देश में जलाशयों का जल स्तर 23% बचा

नयी दिल्ली। देश में भीषण गर्मी के बीच 150 प्रमुख जलाशयों के भंडारण स्तर में लगातार गिरावट जारी है और यह कुल भंडारण क्षमता का 23 प्रतिशत रह गया है. पिछले वर्ष समान अवधि के दौरान के जल स्तर के मुकाबले मौजूदा जल स्तर में 77 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है.

जीडीपी आंकड़ों ने फिर किया सरप्राइज

मार्च तिमाही में 7.8% की रफ्तार से बढ़ी इकोनॉमी

एजेंसी। नयी दिल्ली

सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों ने एक बार फिर से सरप्राइज किया है. वित्त वर्ष 2024 की आखिरी तिमाही में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 7.8 फीसदी की दर से बढ़ा है. एक साल पहले इसी अवधि में यह रफ्तार 6.2 प्रतिशत की रही थी. हालांकि अक्टूबर-दिसंबर, 2023 की तुलना में मार्च तिमाही की वृद्धि रफ्तार में नरमी आई है. दिसंबर तिमाही में देश की इकोनॉमी 8.6 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी. आर्थिक मोर्चे पर भारत के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी चीन की आर्थिक वृद्धि दर जनवरी-मार्च तिमाही में 5.3 प्रतिशत रही है. सरकारी आंकड़ों के मुताबिक देश की जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2023-24 में 8.2 प्रतिशत रही, जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में यह सात प्रतिशत रही थी.

कोर सेक्टर के आंकड़े : पावर और स्टील प्रोडक्शन में ग्रोथ की वजह से भारत के कोर सेक्टर के आंकड़ों में सुधार हुआ है. कोर सेक्टर के आठ प्रमुख क्षेत्रों ने अप्रैल में 6.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की. इस महीने में कोल प्रोडक्शन 7.5 प्रतिशत जबकि पावर प्रोडक्शन 9.4 प्रतिशत रहा. मार्च में कोल प्रोडक्शन 8.7 प्रतिशत और पावर प्रोडक्शन 8.6 प्रतिशत बढ़ा.

बाप रे बाप! महाराष्ट्र के नागपुर में टूटा गर्मी का सालों पुराना रिकॉर्ड, 56 डिग्री पहुंचा तापमान

भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों से झुलस रहा पूरा देश

एजेंसी। नागपुर

महाराष्ट्र के नागपुर में हवा के थपेड़ों ने लोगों को परेशान करके रख दिया है. गर्मी के मामले में नागपुर ने दिल्ली का भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है. 31 मई को नागपुर का पारा 56 डिग्री दर्ज किया गया. यह देश में अब तक का सबसे अधिक तापमान है. इससे पहले गुरुवार को दिल्ली में 52.9 डिग्री तापमान दर्ज किया गया था.

मौसम विभाग की मानें तो नागपुर में आने वाले दिनों में गर्मी से राहत मिल सकती है. शुक्रवार से केरल में मॉनसून के दस्तक देने का अनुमान है. इस दौरान नागपुर सहित विदर्भ के अनेक हिस्सों में बादल छाए रहने की संभावना है, जिसके बाद तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट देखी जा सकती है. गर्मी और लू के थपेड़ों से पूरा देश जल रहा है. उत्तरी भारत में भी तापमान 42 के ऊपर देखा जा रहा है.

नागपुर में दो स्वचालित मौसम स्टेशनों (एडब्ल्यूएस) ने असामान्य रूप से उच्च तापमान की सूचना दी है, जो 50 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया. ये स्टेशन आईएमडी नेटवर्क का हिस्सा हैं. हाल ही में दिल्ली में ऐतिहासिक 52.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किए जाने के बाद अलार्म बजा दिया है. उत्तर-पश्चिम दिल्ली स्थित मुंगेश्वर एडब्लूएस से प्राप्त आंकड़ों की सटीकता की पुष्टि के लिए वर्तमान में समीक्षा की जा रही है.

- 31 मई को दर्ज किया गया 56 डिग्री सेल्सियस तापमान
- 30 मई को दिल्ली दिल्ली ने भी बनाया था 52 डिग्री का रिकार्ड

केरल पहुंचा मॉनसून, जल्द होगी बारिश

भीषण गर्मी के बीच अच्छी खबर भी है. मॉनसून केरल के तटों पर पहुंच चुकी, जिसकी वजह से झमाझम बारिश शुरू हो गई है. मॉनसून नॉर्थवेस्ट बंगाल की खाड़ी, त्रिपुरा, मेघालय, असम, सब हिमालयी बंगाल, सिक्किम में भी पहुंच गया है. मौसम विभाग ने बताया है कि आनेवाले दो से तीन दिनों में मॉनसून लक्षद्वीप क्षेत्र, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु और दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में दस्तक देगा. झारखंड में रांची समेत राज्य के अन्य हिस्सों दो जून को हल्की बारिश और आंधी की संभावना है.

56 और 54 डिग्री तापमान दर्ज किया गया

नागपुर के रामदासपेठ में एक एडब्ल्यूएस ने 56 डिग्री का आश्चर्यजनक तापमान दर्ज किया. सोनेगांव में मौसम केंद्र में स्थित एक अन्य एडब्ल्यूएस ने 54 डिग्री तापमान दर्ज किया. इस बीच, नागपुर में अन्य एडब्ल्यूएस स्थानों पर अपेक्षाकृत कम तापमान दर्ज किया गया. उदाहरण के लिए, खपरी में केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान में एडब्ल्यूएस ने 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया. इसी तरह, रामटेक में भी एडब्ल्यूएस ने 44 डिग्री सेल्सियस तापमान दिखाया. इन तापमान रिकॉर्डिंग को लेकर चिंता बढ़ गई है, जो भारत में दर्ज की गई सबसे अधिक हो सकती है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष बारहवें चंद्रमा राहु हैं. खर्च पर रोक आवश्यक है. बाहर से कोई शुभ समाचार मिलेगा. आपका मन दुखी रहेगा. माता का आप पर स्नेह बना रहेगा एवं माता के आशीर्वाद से आपके कार्य सिद्ध होंगे. हनुमानजी का ध्यान पूजन करें.

वृषभ किया गया कार्य लाभ देगा. लोगों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा एवं समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी. भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा. माता को हृदय संबंधी रोग हो सकता है. संतान के कार्य सिद्ध होंगे. संतान की सफलता से मन प्रसन्न रहेगा.

मिथुन सरकार से लाभ का मौका मिलेगा. पिता से कोई मार्गदर्शन मिल सकता है. धर्म में मन लगेगा. वाणी पर नियंत्रण रखें. अधिक क्रोध में किसी का अपमान न करें, नहीं तो विवाद हो सकता है. माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें.

कर्क समय सामान्य है. भाग्य का साथ मिलेगा. भाइयों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा. माता के आशीर्वाद से कार्य क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी. संतान के लिए शुभ समय है. संतान को पूर्ण सफलता प्राप्त होगी.

सिंह विवाद से बचें. अधिक क्रोध से बचकर रहें, नहीं तो ब्लड प्रेशर अधिक बढ़ने से नुकसान हो सकता है. वाणी पर नियंत्रण रखें, नहीं तो परिवार में विवाद हो सकता है. माता का वर्तमान में क्रोध अधिक रहेगा. सूर्य को जल दें.

कन्या जीवनसाथी से कार्य में सहयोग मिलेगा. लोगों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा. परिवार में मान-सम्मान बढ़ेगा. माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा एवं माता के आशीर्वाद से कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी. अन्न दान करें.

तुला किसी से विवाद हो सकता है. मौसमी बीमारियों से बचने की आवश्यकता है. धार्मिक कार्य हो सकता है. भाइयों से किसी बात को लेकर मतभेद हो सकता है. माता को हड्डी या जोड़ों से संबंधित भी तकलीफ हो सकती है.

वृश्चिक संतान के कार्य में गति आएगी. मन में धार्मिक विचार उत्पन्न होंगे. भगवान की भक्ति करने से मन को शांति मिलेगी. परिवार में आनंदपूर्ण वातावरण बना रहेगा. भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा. अन्न और मिठाई का दान करें.

धनु परिवार में भाइयों से किसी बात को लेकर विवाद हो सकता है. माता के प्रति लगाव बना रहेगा. माता के आशीर्वाद से आपको कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी. आपको शीत प्रकृति से संबंधित रोग हो सकता है.

मकर पराक्रम से कार्य में गति मिलने से मन खुश होगा. समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त होगी. भाइयों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा. संतान के शिक्षा संबंधित कार्य पूर्ण होंगे. शत्रुओं पर विजय प्राप्त कर पाएंगे. मिठाई का दान करें.

कुंभ उदर विकार हो सकता है. धन संचय के लिए दिन उत्तम है. भाइयों से किसी बात को लेकर मतभेद हो सकता है. माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें. संतान पक्ष की तार्किक बुद्धि के कारण विवाद की स्थिति बन सकती है.

मीन समय बहुत ही उत्तम है.कल जो योजना बनाएंगे एवं उनके क्रियान्वयन के लिए प्रयास करेंगे. दिमाग सक्रिय रहेगा. परिवार का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा. समाज में कोई विशेष पद मिल सकता है. गुरु मंत्र का जाप करें.

आज का दिन बहुत शुभ, क्योंकि लंबे समय के बाद पीएम चुप हैं, साधना में कैमरे की क्या जरूरत पड़ती है समझ से परे : झामुमो

मोदी जी पर ईसी आंख, कान बंद किए रहा : सुप्रियो भट्टाचार्य

विशेष संवाददाता। रांची

आज का दिन देश के लिए बहुत शुभ है, क्योंकि लंबे समय के बाद प्रधानमंत्री जी चुप हैं. कल तक जो गीदड़भभकी देने वाले थे कि सात पुश्त का पाप निकाल दूंगा. क्यों जरूरत पड़ गयी अपने अंदर के ताप को शांत करने की. 82 दिन के देश के सबसे लंबे चुनाव दौर, लगभग तीन महीने का चुनाव आज तक नहीं देखा था. लेकिन केवल और केवल इस देश को घृणा में बांटने के लिए, भय और आक्रांत को कायम रखने के लिए, आम जनों के मूल मुद्दों को खत्म करने के लिए चुनाव आयोग ने कुत्सित प्रयास किया. उक्त बातें झामुमो महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने रांची पार्टी कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही. उन्होंने कहा कि छह चरण के बाद कल अंतिम चरण में भारत के प्रबुद्ध मतदाता मंडली अपनी मुहर लगाएगी. कितने दिनों के बाद पड़े मतदान को छुपाना, व्यक्तिगत स्वार्थ रक्षा के लिए. चुनाव आयुक्त ने तो अपनी आंख मूंदे, कान बंद किए, मुंह पर टेप साट लिया. उनका प्रायश्चित का दिन भी चार जून को होगा. उनको फ्री व फेयर इलेक्शन का जो संविधान ने दायित्व सौंपा था, उस दिन अपने दायित्यों को पूरा करके, आज तक के किए गए पापों से वह मुक्ति पा सकते हैं. जिन भाषा का उपयोग भाजपा के स्टार प्रचारक और अभी वर्तमान के प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा किया गया, उससे भारतीय समाज व्यथित है. जो अन्याय उन्होंने किया, जिस भ्रष्टाचार को उन्होंने बढ़ाया, जो राजनीतिक दुश्मनियां साधीं, कमर के नीचे आघात किया, उसका माकूल जवाब अब जनता देगी. जब जनता चुनाव लड़ती है तो वह जानती है कि इस परिपक्व चुनाव में उसका फर्ज क्या है.

- **82 का दिन** का चुनावी अभियान इसे देश ने कभी नहीं देखा, ईसी ने आम जनों के मुद्दे को खत्म करने की कोशिश की
- **चार जून** को ईसी अपने पापों के दायित्व से मुक्ति पा लेगा, क्योंकि संविधान ने फ्री एंड फेयर इलेक्शन का दायित्य सौंपा था

संथाल में समाज और परिवार को बांटने का काम किया

भट्टाचार्य ने कहा कि एक जून को संथाल में चुनाव होना है. मैं अपनी पार्टी की ओर से यह दावा करता हूं कि ज्यादा से जयादा मतदान हो, कोशिश हो कि 100 प्रतिशत मतदान हो. जितनी भी भीषण गर्मी हो, लोगों को एक दिन के लिए अपने साथ पर्याप्त मात्र में पानी लेकर बूथ तक जाएं और अपना मतदान जरूर करें. क्योंकि यह चुनाव झारखंड के आदिवासी–मूलवासी, दलित, अल्पसंख्यक, पिछड़े, किसान, युवा महिलाओं, गरीब मजलूमों के अस्मिता, हक एवं अधिकार के लिए है. जिस प्रकार संथाल में भाजपा का अहंकार बोलता है, अडाणी की लूट मची है, उसके खिलाफ वोट करना है. किस प्रकार से समाज को बांटा जा सकता है, यह संथाल में दिखा. इन्होंने केवल समाज को नहीं बांटा परिवार तक को बांट दिया. इस बार बाबा बैजनाथ जो मनोकामना के नाम से प्रसिद्ध है, जनता के मनोकमाना पूरी करेगी. हमें लगता है कि हमलोगों को जिस दिन का इंतजार है, वह चार जून होगा. मैं पूरे दावे के साथ कह सकता हूं कि 2004 के पुनरावृति 2024 में इंडिया गठबंधन करने जा रही है. इस बार झारखंड सहित देश ने इंडिया के लिए, इंडिया के लोगों के लिए, इंडिया के पक्ष में मतदान किया है.

एकांतवास में कोई 12-12 कैमरे लगाता है क्या

भट्टाचार्य ने कहा कि एकांतवास में कोई 12 कैमरे लगाता है क्या. तपस्या में कैमरे की जरूरत पड़ती है क्या. हमने तो अपने दादा, दादी, नाना, नानी सबको देखा है कि जब पूजा–पाठ होता था तो बच्चों को बुलाकर सामने बैठा देते थे. और बच्चे हाथ जोड़कर बैठ जाते थे. अभी कोई बच्चे नहीं आ रहे है कि संस्कार सीखे, कैमरे आ रहे हैं ताकि दुनिया देखे.

झारखंड में आज लोकसभा चुनाव का चौथा चरण

गोड्डा, दुमका और राजमहल में 52 प्रत्याशी हैं मैदान में

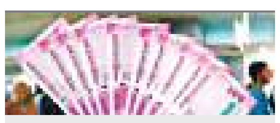

52 उम्मीदवारों में नौ करोड़पति,10 पर आपराधिक मामले दर्ज हैं

निर्दलीय उम्मीदवार अभिषेक आनंद झा के पास 82 करोड़ से अधिक की संपत्ति

रांची। झारखंड में लोकसभा चुनाव के चौथे व अंतिम चरण में कुल 52 उम्मीदवार चुनाव मैदान में खड़े हैं, जिनमें से नौ करोड़पति हैं. 10 के खिलाफ आपराधिक मामले भी दर्ज हैं. गोड्डा लोकसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में किस्मत आजमा रहे अभिषेक आनंद झा के पास सबसे अधिक 82,35,10,522 रुपये की संपत्ति है, वहीं दूसरे नंबर पर इसी सीट से भाजपा के टिकट पर किस्मत आजमा रहे निशिकांत दुबे के पास 74,69,74,208 रुपये की संपत्ति है.

राजमहल सीट से ये हैं करोड़पति उम्मीदवार

विजय हांसदा(झामुमो)	: 6,20,11,168
लोबिन हेंब्रम(निर्दलीय)	: 2,35,40,671
सेबेस्टियन हेंब्रम(निर्दलीय)	:1,64,53,613

गोड्डा से ये हैं करोड़पति उम्मीदवार

अभिषेक आनंद झा(निर्दलीय)	: 82,35,10,522
ज्ञानेश्वर झा(जागरुक जनमता पार्टी)	: 2,10,41,149
निशिकांत दुबे (भाजपा)	: 74,69,74,208
प्रदीप यादव(कांग्रेस)	: 1,59,41,889

दुमका से ये हैं करोड़पति उम्मीदवार

नलिन सोरेन(झामुमो)	: 3,67,01,249
सीता सोरेन(भाजपा)	: 8,87,74,388

राजमहल सीट से उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता

नाम	शैक्षणिक योग्यता
ताला मरांडी (भाजपा)	: ग्रेजुएट
विजय हांसदा (झामुमो)	: 10वीं पास
लोबिन हेंब्रम (निर्दलीय)	: 10वीं पास
अजीत मरांडी (राष्ट्रीय जनसंभावना पार्टी)	: ग्रेजुएट
दीपा टुटू(निर्दलीय)	: ग्रेजुएट
गोपिन सोरेन(सीपीआइ(एम)	: ग्रेजुएट
खलीफा किस्कू(पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया)	:10वीं पास
लिली हांसदा(समता पार्टी)	:पोस्ट ग्रेजुएट
महेश पहाड़िया(निर्दलीय)	:8वीं पास
मरियम मरांडी(बीएसपी)	:10वीं पास
मुंशी किस्कू(नवयुग प्रगतिशील मोरचा)	:साक्षर
पॉल सोरेन(एआइएमआइएम)	: ग्रेजुएट
अरूण माणिक(निर्दलीय)	: 10वीं पास
बजरंगी महथा(बीएसपी)	: ग्रेजुएट
ब्रजकिशोर महथा(मानवाधिकार विचार मंच)	: पोस्ट ग्रेजुएट
डॉ के रंगलाल(निर्दलीय)	: पोस्ट ग्रेजुएट
ज्ञानेश्वर झा (जागरूक जनता पार्टी)	: पोस्ट ग्रेजुएट
कालीपद मुर्मू (एसयूसीआइ)	:12वीं पास
केतन कुमार (राइट टू रिकॉल पार्टी)	: ग्रेजुएट
कुमारी दिलेश्वरी (अंबेदकर पार्टी ऑफ इंडिया)	: 12वीं पास
मुकेश कुमार झा(निर्दलीय)	:10वीं : पास
निलेश कुमार गुप्ता(निर्दलीय)	: 12वीं पास
रामेश्वर मंडल(पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया)	: ग्रेजुएट
सूरज कुमार(भागीदारी पार्टी)	: ग्रेजुएट
तिपाल सिंह(लोकहित अधिकार पार्टी)	:12वीं पास
उदय शंकर(निर्दलीय)	: पोस्ट ग्रेजुएट

गोड्डा सीट से उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता

नाम	शैक्षणिक योग्यता
निशिकांत दुबे(भाजपा)	: डॉक्टरेट
प्रदीप यादव (कांग्रेस)	: ग्रेजुएट
अभिषेक आनंद झा(निर्दलीय)	: 12वीं पास
अनूप कुमार(प्रोटिस्ट ब्लॉक)	: पोस्ट ग्रेजुएट
अरूण कुमार(नवधर्मसभा)	:ग्रेजुएट

दुमका सीट से उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता

नाम	शैक्षणिक योग्यता
नलिन सोरेन(झामुमो)	:12वीं पास
सीता सोरेन(भाजपा)	: 12वीं पास
निर्मल सोरेन(निर्दलीय)	:12वीं पास
परेश मरांडी(बीएसपी)	:10वीं पास
राजेश किस्कू(सीपीआई)	:ग्रेजुएट
राज मुर्मू(अंबेदरकर पार्टी ऑफ इंडिया)	:12वीं पास
संजय टुडू(निर्दलीय)	:12वीं पास
सुशांति हेंब्रम(निर्दलीय)	: साक्षर
अलेश हांसदा(इंडियन नेशनल सोशिलिस्ट)	: 10वीं पास
अनिल टुडू(लोकहित अधिकार पार्टी)	: 12वीं पास
बेबीलता टुडू(निर्दलीय)	: 12 वीं पास
भागहरि सोरेन(निर्दलीय)	: ग्रेजुएट
वीरेन मोहली(निर्दलीय)	: 10वीं पास
जोनाथन मार्डी(पिपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया)	: ग्रेजुएट
कमिश्नार मुर्मू(निर्दलीय)	: 10वीं पास
महासोन मुर्मू(निर्दलीय)	: पोस्ट ग्रेजुएट
मनोज हेंब्रम(निर्दलीय)	:12वीं पास
मुन्नी हांसदा(समता पार्टी)	:12वीं पास

यह चुनाव संविधान व आरक्षण हटाने और बचानेवालों के बीच है : कांग्रेस

विशेष संवाददाता। रांची

यह चुनाव संविधान और आरक्षण हटाने की मंशा रखने वाले वाले लोगों तथा संविधान और आरक्षण को बचाने की लड़ाई लड़ने वाले इंडिया गठबंधन के बीच है. एक जून को लोकसभा के लिए झारखंड की तीन सीटों पर होने वाले चुनाव में जनता पूरी तरह से संविधान और आरक्षण बढ़ाने की लड़ाई में इंडिया गठबंधन के साथ है. शांति और अहिंसा के मार्गदर्शक बापू के अस्तित्व को नकारने वाले प्रधानमंत्री का घमंड जनता अंतिम चरण के चुनाव में तोड़ेगी. राजमहल, दुमका, गोड्डा की सीटों पर जनता बहुमत से इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों को चुनकर लोकसभा में भेजेगी और संथाल परगना इलाके से भाजपा का सूपड़ा साफ करेगी. उक्त बातें प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने कही.

हेमंत और आलमगीर को जेल भेजने का आक्रोश है संथाल में : उन्होंने कहा कि भाजपा ने जिस तरह साजिश के तहत इंडिया गठबंधन के दो कद्दावर नेताओं हेमंत सोरेन और आलमगीर आलम को जेल भेजा है. उससे संथाल के लोगों में भारी आक्रोश है और यह आक्रोश संथाल के क्षेत्र में मतदान के रूप में देखने को मिलेगा. उन्होंने कहा कि झारखंड की 11 सीटों पर जनता ने अपना फैसला सुना दिया है और बाकी तीन सीटों को इंडिया गठबंधन की झोली में डालकर झारखंड की जनता चुनाव में इतिहास रचेगी. चुनाव के हर चरण में प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के बदले रूप को देखकर लोग हैरान हैं,चुनाव के प्रत्येक चरण को सांप्रदायिक बनाने की लगातार कोशिश भी उनकी नाकाम हो गई. अंतिम चरण के पूर्व वन नेशन वन चुनाव को लागू किए जाने का खुलासा करते हुए प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने संविधान में बदलाव की मंशा को जाहिर कर दिया है.

मोदी देश में यूसीसी लागू करना चाहते हैं, इसका प्रभाव आदिवासी समुदायों पर पड़ेगा

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी देश मे यूसीसी लागू करना चाहते हैं इसका व्यापक प्रभाव आदिवासी समुदाय सहित विभिन्न समुदायों एवं वर्गों पर पड़ेगा भाजपा के संविधान में बदलाव और आरक्षण समाप्ति की नीति का कांग्रेस हर स्तर पर विरोध करती रहेगी. झारखंड में पूर्व के सरकारों में हुए घोटाले की जद में वर्तमान राज्य सरकार को लाकर कटकरे में खड़ा किया गया है, जबकि झारखंड की महागठबंधन सरकार ने विकास के नए आयाम इन 5 वर्ष में स्थापित किए हैं और जनहित के अनेकों योजना धरातल पर जारी है.

झारखंड रक्षा विश्वविद्यालय का हाल-बेहाल

शिक्षकों को तीन महीने से वेतन नहीं

रांची। झारखंड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय का हाल बेहाल है. सरकारी नियमों को ताक पर रख कर यह विश्वविद्यालय चलाया जा रहा है. यूनिवर्सिटी यूजीसी की गाइडलाइंस को नहीं मानता है. इस विश्वविद्यालय में कार्यरत आवश्यकता आधारित शिक्षकों को पिछले तीन माह से वेतन का भुगतान नहीं किया गया है. वेतन नहीं मिलने का कारण भी शिक्षकों को नहीं बताया गया है. किसी को नहीं पता कि उन्हें वेतन क्यों नहीं मिल रहा है. इस विश्वविद्यालय में 12 आवश्यकता आधारित शिक्षक हैं. इनकी नियुक्ति पिछले वर्ष नवंबर में 11 माह के अनुबंध पर हुई थी. इन सभी की नियुक्ति जेआरएसयू अधिनियम धारा (9) के पत्र के अनुसार की गई थी. इसके तहत इन्हें महीने में 64 घंटे कक्षा लेनी है. इसके लिए प्रति कक्षा 900 रुपए और 57,700 रुपए वेतन निर्धारित है. शिक्षकों का कहना है कि वेतन के भुगतान में शुरू से ही समस्या आ रही है. इन सभी शिक्षकों को हर घंटे 900 रुपए की मामूली राशि का भुगतान किया जा रहा है, जो यूजीसी के गाइडलाइंस के अनुसार 1500 रुपए प्रति कक्षा से बहुत कम है. यूजीसी के नियमों की अवहेलना खुलेआम हो रहा है.

- नहीं मानता यूजीसी का निर्देश

नियुक्ति के बाद उन्हें वेतन फरवरी में मिला, जिसमें एक-दो शिक्षकों को छोड़ शेष का वेतन कट कर आया, जिसकी कोई स्पष्ट वजह विश्वविद्यालय प्रशासन ने नहीं बताई. कई शिक्षकों का 16000 से अधिक वेतन कट गया. वहीं, हीं मार्च से लेकर मई तक के वेतन का भुगतान इन शिक्षकों को नहीं किया गया है. इनमें कई शिक्षक अन्य राज्यों से हैं, उनके लिए आर्थिक संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है. मार्च में इन अनुबंधन शिक्षकों के साथ विश्वविद्यालय पदाधिकारियों की बैठक हुई थी, जिसमें टीचिंग प्रोग्रेस रिपोर्ट (टीपीआर) को नए फॉर्मेट के अनुसार भरने पर सहमति बनी थी. नया फॉर्मेट अप्रैल में शिक्षकों को दिया गया, लेकिन इसे भी लागू नहीं किया जा रहा है.

इंडिया ने हार स्वीकार ली है, एक जून की बैठक नेता प्रतिपक्ष चुनने के लिए: बाजपेयी

विशेष संवाददाता। रांची

प्रदेश भाजपा प्रभारी लक्ष्मीकांत बाजपेयी ने कहा है कि दिशाहीन विपक्ष पीएम नरेंद्र मोदी के ध्यान का विरोध करता है. दो महीने के चुनाव प्रचार के बाद विपक्ष भी अपने आराध्य के सामने ध्यान लगाता तो अच्छा होता. उन्होंने कहा कि विपक्ष ने अपनी हार स्वीकार कर ली है. विपक्ष एक जून को नेता प्रतिपक्ष चुनने के लिए बैठक कर रहा है. लक्ष्मीकांत बाजपेयी ने प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही.

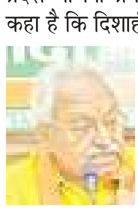

झारखंड में सभी 14 और देश में 400 सीट पर होगी जीत : लक्ष्मीकांत बाजपेयी ने दावा किया कि एनडीए झारखंड की सभी लोकसभा सीटों और पूरे देश में 400 सीटों पर जीत हासिल करेगी. यह चुनाव जनता ने लड़ा है. लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा है. लोगों ने भाजपा के 10 साल के कामों को देख कर वोट दिया है. उन्होंने कहा कि हम विकास के मुद्दे को जनता के बीच लेकर गए हैं. आरक्षण को लेकर सही जानकारी जनता तक पहुंचाई गई है. विपक्ष अपने ही जाल में फंस गया है. झारखंड में भाजपा गठबंधन ही सभी 14 सीटों पर जीत हासिल कर सकता है.

10 साल में मोदी के विकास का आयाम गढ़ा है : बाजपेयी ने कहा कि पीएम मोदी के 10 साल के कार्यकाल में विकास का बड़ा आयाम गढ़ा गया.

झारखंड स्टेट बार काउंसिल ने लिखा पत्र

वकीलों पर हुए हमले व धमकी की लिस्ट मांगी

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

अधिवक्ताओं को धमकी मिलने और उनकी हत्या तक कर देने की घटनाओं को झारखंड स्टेट बार काउंसिल ने गंभीरता से लिया है. काउंसिल वैसे अधिवक्ताओं की जानकारी जुटा रहा है, जिन पर आपराधिक हमले हुए हैं या जिन्हें अपराधकर्मियों ने धमकी दी है. इसे लेकर झारखंड स्टेट बार काउंसिल ने राज्य के सभी जिला बार एसोसिएशन और स्टेट बार काउंसिल के सभी सदस्यों को पत्र लिखा है. स्टेट बार काउंसिल, बार एसोसिएशन की मदद से शारीरिक रूप से दिव्यांग वकीलों की जानकारी भी इकट्ठा कर रहा है.

उल्लेखनीय है कि हाल के वर्षों में झारखंड में कई अधिवक्ताओं के साथ हुई हिंसक घटनाएं हुई हैं. पिछले तीन-चार सालों में 100 से ज्यादा वकीलों के साथ हिंसक घटनाएं हुई हैं. जिन अधिवक्ताओं के साथ हिंसा की घटना हुई हुई हैं, उसमें अलग-अलग जिलों के सिविल कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले से लेकर झारखंड हाईकोर्ट के वकील शामिल हैं. कुछ मामलों में तो अधिवक्ताओं की हत्या भी हो चुकी है.

जिन अधिवक्ताओं की हत्या हुई

रांची में अधिवक्ता रामप्रवेश सिंह की घर में घुसकर हत्या. घटना के पीछे की वजह जमीन विवाद बताया गया था.

जमशेदपुर में अधिवक्ता प्रकाश यादव की हत्या.

तमाड़ में रांची के वकील मनोज झा की हत्या, घटना के वक्त वह जमीन पर बाउंड्री का काम देखने गए थे.

चतरा के अधिवक्ता जगन्नाथ पंडित की हत्या.

जिन अधिवक्ताओं की धमकी मिली

हाल के दिनों में रांची सिविल कोर्ट की अधिवक्ता पूनम कुमारी, चिरंजीवी मंडल, पवन खत्री, सरफराज अहमद, उदय कुमार, विजय प्रकाश और मनमोहन कुमार को धमकी मिली. इनके अलावा स्टेट बार काउंसिल के सदस्य हेमंत शिकरवार पर भी हजारीबाग में हमला हुआ था. साहिबगंज के अधिवक्ता इकबाल हुसैन और देवद्रत कुमार ने तो धमकी की प्राथमिकी भी दर्ज करायी है.

कार्यक्रम

दिनचर्या में चार बदलाव से तंबाकू से होने वाले कैंसर को 60% तक रोका जा सकता है

मुंह के कैंसर का मुख्य कारण है तंबाकू : डॉ विद्यापति

संवाददाता। रांची

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर रिम्स में कार्यक्रम का आयोजन किया गया. रांची कैंसर केयर फाउंडेशन और एम्स, देवघर के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रिम्स निदशक प्रो (डॉ) राजकुमार ने कहा कि तंबाकू से होने वाले 60% कैंसर को रोका जा सकता है. इसके लिए अपनी दिनचर्या में चार महत्वपूर्ण बदलाव लाने की जरूरत है. पहला नियमित व्यायाम, दूसरा अच्छा खानपान, तीसरा वजन प्रबंधन और चौथा तंबाकू के सेवन से बचना. उन्होंने कहा कि इन बदलावों से कैंसर से बचा जा सकता है. स्वास्थ्य सेवा के निदेशक प्रमुख डॉ सीके शाही ने कहा कि बच्चे क्षणिक आनंद वाली चीजों में उलझ जाते हैं और कॉर्डियोवैस्कुलर और कैंसर जैसी बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं. उन्होंने कहा कि समाज को तंबाकू के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने की जरूरत है और इसकी भयावहता को समझाने की जरूरत है

राजधानी रांची स्थित रिम्स में कार्यक्रम के दौरान चिकित्सक व प्रतिनिधिगण.

रिम्स के डीन प्रो (डॉ) विद्यापति ने कहा कि तंबाकू मुंह के कैंसर का मुख्य कारण है. बिहार, झारखंड में लोग खैनी का सेवन बेरोक-टोक करते हैं, क्योंकि उसमें सिगरेट के पैकेट की तरह कोई चेतावनी भी नहीं होती है और जब मुंह का कैंसर हो जाता है, तब उन्हें खैनी के दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी मिलती है। इसलिए जरूरी है कि न सिर्फ शहरी क्षेत्रों में बल्कि गांव- देहातों में लोगों को तंबाकू के सेवन से होने वाली बीमारियों के विषय में जागरूक करें.

नई पीढ़ी तंबाकू कंपनियों के लिए आसान टारगेट

रांची के सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने कहा कि नई पीढ़ी तंबाकू कंपनियों के लिए आसान टारगेट है, इसलिए तंबाकू के सेवन से होने वाले दुष्प्रभाओं के विषय में जानकारी देना और नियमों का सही से कार्यान्वयन महत्वपूर्ण है. ओरल पैथोलॉजी के प्रो (डॉ) नरेंद्र नाथ सिंह ने कहा कि सरोगेट विज्ञापन पर रोक लगनी चाहिए. कार्यक्रम में मेडिकल और डेंटल के छात्रों द्वारा नुक्कड़ नाटक का मंचन भी किया गया. नाटक के माध्यम से तंबाकू का सेवन न करने की जानकारी दी. कार्यक्रम में रिम्स डेंटल इंस्टीट्यूट के प्राचार्य प्रो (डॉ) जयप्रकाश एमबी, पीएसएम विभागाध्यक्ष प्रो (डॉ) से विद्यासागर, नोडल पदाधिकारी डॉ लाल मांझी सहित अन्य ने हिस्सा लिया.

सीएम चंपाई सोरेन ने होटवार जेल में हेमंत सोरेन से की मुलाकात

रांची। सीएम चंपाई सोरेन शुक्रवार की सुबह होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार पहुंचे. सीएम चंपाई ने यहां पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की. चंपाई सोरेन और हेमंत सोरेन के बीच काफी देर तक बात हुई. हालांकि वर्तमान मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री के बीच क्या चर्चा हुई, इसका खुलासा नहीं हो पाया है. बताया जा रहा है कि चंपाई सोरेन ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम से भी मिले. वैसे उनकी मंत्री से मुलाकात की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है.

क्लासिफाइड

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शनिवार 01 जून 2024 ● ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 09 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 53 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

निर्माण के महज कुछ माह बाद ही टूटने-धंसने लगी हैं सड़कें, अनियमितता का लग रहा आरोप, जिम्मेदार कौन ?

लाखों-करोड़ों रुपयों की लागत से बनी सड़कों में भ्रष्टाचार की दरारें

झारखंड में एक ओर करोड़ों खर्च कर विकास योजनाओं को धरातल पर उतारा जाता है, तो दूसरी ओर इंजीनियर व ठेकेदारों की मिलीभगत से इन योजनाओं में पलीता लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाती है. ऐसे कई मामले हैं, जहां कागज दिखाए गए कार्य की धरातल पर हकीकत बिल्कुल जुदा होती है. कुछ ऐसा ही हाल सड़कों के निर्माण में उसकी गुणवत्ता का भी है. लाखों-करोड़ों की लागत से बन कर तैयार हुई सड़कें महज कुछ माह में ही टूटने लगती हैं. दरारें आना, जगह-जगह से धंस जाना, यह सब निर्माण कार्य में बरती गयी अनियमितता और भ्रष्टाचार का ठोस उदाहरण है. राज्य के अलग-अलग जिलों में हमने हाल के दिनों में बनायी गयीं सड़कों की स्थिति का जायजा लिया है. सड़कों की स्थिति पर पढ़िए आज की रिपोर्ट...

हजारीबाग: आठ महीने में ही दरकी चार करोड़ की सड़क

कटकमसांडी प्रखंड के पबरा रोड में उखड़ रही पीसीसी सड़क.

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

जिले के कटकमसांडी प्रखंड के पबरा रोड में पांच महीने पहले आठ किलोमीटर लंबी सड़क बनाई गई थी. यह सड़क कई जगहों पर टूटने लगी है और दरारें भी आ गयी हैं. इस कारण सड़क निर्माण में अनियमितता का आरोप लगने लगा है. जानकारी के मुताबिक, आठ किमी सड़क का निर्माण ग्रामीण विकास विभाग ने कराया था. इसकी प्राक्कलित राशि करीब चार करोड़ रुपये थी, यानी प्रति किलोमीटर 50 लाख रुपये खर्च करके इस सड़क को बनाया गया था. पहले सीमेंट की ढलाई हुई, फिर कालीकरण किया गया. लेकिन आठ माह के भीतर ही सड़क धीरे-धीरे टूटने-फटने लगी है. इस खबर को लेकर हमने ग्रामीण विकास विभाग के कार्यपालक अभियंता से बात करने की कोशिश की, लेकिन संपर्क नहीं हो सका. इसलिए विभाग का पक्ष नहीं लिया जा सका है.

कोडरमा: 10 माह में ही टूटने लगी दो करोड़ से बनी सड़क

जगह-जगह पर धंसी हुई पिपचो-चोपनाडीह सड़क.

राम कुमार सिंह। कोडरमा

जयनगर ग्रामीण कार्य विभाग की ओर से प्रखंड के पिपचो पंडियाडीह मोड़ से मरकच्चो प्रखंड के चोपनाडीह तक करीब दो करोड़ रुपए की लागत से सड़क का निर्माण कराया गया.

सड़क की लंबाई करीब 7.5 किलोमीटर है. यह सड़क जयनगर के पंडियाडीह से चौपनाडीह तक जाती है. महज 10 माह बाद ही यह सड़क कई जगहों पर टूटने लगी है. अब ग्रामीणों ने इस सड़क के निर्माण कार्य की जांच की मांग की है. ग्रामीणों ने बताया कि नवनिर्मित सड़क जहां-तहां उखड़ कर धंसने लगी है. इससे पता चलता है कि न तो ठेकेदार ने सड़क का ठीक से निर्माण कराया है और न ही विभाग के इंजीनियरों ने निर्माण के दौरान जांच-पड़ताल की.

ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि सड़क निर्माण के वक्त ही जब उन लोगों ने विरोध किया, तो विभाग के कनीय अभियंता ने धमकी दी थी. कहा था कि सरकारी कार्य में बाधा डालने का केस करके जेल भेज दिया जाएगा.

लातेहार : दो बार बनायी गयी, फिर भी सड़क में दरारें

आशीष टैगोर। लातेहार

शहर के केश्वर बांध में पीसीसी सड़क का निर्माण कराया गया है. सड़क निर्माण के तीन माह बाद ही सड़क में दरारें आ गयीं. सड़क निर्माण की प्राक्कलित राशि आठ लाख रुपये है. सड़क पर दरारें पड़ने की खबर 'शुभम संदेश' ने अपने 28 नवंबर 2023 के अंक में प्रमुखता से प्रकाशित की थी. इसके बाद नगर प्रशासक राजीव रंजन के निर्देश पर संवेदक ने सड़क में आई दरारों को भरा, लेकिन यह भी टिक नहीं सका.

हमने इस खबर को भी 19 मार्च 2024 के अंक में प्रकाशित किया. इसके बाद नगर प्रशासक ने संवेदक को फिर से पीसीसी ढलाई करने का निर्देश दिया. विभागीय निर्देश मिलने के बाद संवेदक ने फिर से सड़क में पीसीसी ढलाई कर रिपेयरिंग की. अब इस सड़क के दूसरे किनारे पर दरारें पड़ने लगी हैं. बता दें कि यह पीसीसी पथ बाइपास चौक से बस स्टैंड, सदर अस्पताल, कोर्ट-कचहरी, डीसी ऑफिस और सब्जी मार्केट जाने का शॉर्ट-कट रास्ता है. इस पथ से हर दिन सैकड़ों छोटे वाहनों की आवाजाही होती है. सड़क जर्जर होने के कारण वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था. पब्लिक डिमांड पर इस सड़क को बनाया गया था.

बताया जाता है कि यह पीसीसी सड़क केश्वर बांध के मेढ़ पर बनायी गयी है. इस कारण इसकी तलहटी हमेशा भींगी रहती है. नतीजतन, मिट्टी धीरे-धीरे धंसती है. दूसरा जब पहली बार यहां सड़क बन रही थी तो उसमें ईंट सोलिग नहीं किया गया. तीसरा कारण यह है कि सड़क के दोनों ओर गार्डवाल नहीं रहने के कारण दोनों किनारों से मिट्टी का कटाव होते रहता है और सड़क धंसती है. इस कारण सड़क के बीचोबीच दरारें आ जाती हैं.

झारखंड में लू से चार लोगों की हुई मौत

रांची। झारखंड में शुक्रवार को भीषण गर्मी एवं लू के कारण चार लोगों की मौत हो गई, वहीं 1,326 लोगों को बीमार पड़ने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया है. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि सभी जिला अस्पतालों और अन्य चिकित्सा प्रतिष्ठानों को लू से पीड़ितों के लिए वातानुकूलित कमरों एवं बिस्तरों का इंतजाम रखने के लिए कहा गया है. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखंड के मिशन निदेशक डॉ. आलोक त्रिवेदी ने बताया, झारखंड में चार लोगों की लू से मौत हो गयी. मरने वालों में तीन पलामू से जबकि एक जमशेदपुर से था. इन लोगों की मौत अस्पतालों में नहीं हुई. गर्मी से जुड़ी परेशानियों के कारण राज्य के विभिन्न जिलों में 1,326 लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है. इनमें से 63 मामले लू की चपेट में आने से जुडे.हैं. झारखंड के 24 जिलों में से अधिकतर में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा वहीं डाल्टनगंज और गढ़वा जैसे स्थानों में तापमान 47 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा. भीषण गर्मी से पशुओं, खासकर चमगादड़ों की भी मौत की सूचना है. अधिकारियों ने बताया कि हजारीबाग, रांची, गढ़वा और पलामू समेत राज्य के अन्य हिस्सों से चमगादड़ों के मरने की सूचना है. डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि अक्सर देखा गया है कि तापमान अधिक होने पर चमगादड़ मर जाते हैं. उन्होंने बताया कि गढ़वा में स्थानीय लोगों द्वारा मृत चमगादड़ों को खाने की खबरें भी मिली हैं. उन्होंने बताया कि चमगादड़ खाने वाले लोगों को पृथक-वास में रखा गया है और उनकी निगरानी की जा रही है. उनके नमूने आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) भेजे जाएंगे. डॉ. त्रिवेदी ने कहा, हम मृत चमगादड़ों का उचित तरीके से दफनाया जाना भी सुनिश्चित कर रहे हैं.

सेंट्रल जेल में कैदी की मौत

शव भी बरामद, बारा गांव का निवासी था सुरेंद्र राम

संवाददाता। मेदिनीनगर

पलामू जिले के छतरपुर नगर पंचायत के बारा गांव के सुरेंद्र राम की मौत हो गयी. शव तीन दिन बाद बरामद हुआ है. बताया जा रहा कि बीते मंगलवार को मृतक किसी काम से अपने गांव बारा से झरगड़ा साइकिल से निकला था. हीटवेब को देखते हुए घरवाले उन्हें जाने से मना कर रहे थे.

रास्ते में ही खेंद्रा मोड़ के समीप साइकिल समेत पुल से नीचे गड्ढे में गिर गया और उसकी मौत हो गई. शुक्रवार को ग्रामीणों की नजर उसके शव पर पड़ी. फिर घरवालों को और पुलिस को ग्रामीणों ने सूचित किया गया. जिसके बाद पुलिस ने शव को थाने लाकर पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच भेज दिया गया. थाना प्रभारी राजेश रंजन ने बताया कि

मृतक मानसिक रूप से कमजोर था. मौत के कारणों की जांच पुलिस कर रही है.

पलामू सेंट्रल जेल में विचाराधीन कैदी की मौत : वहीं पलामू के हैदरनगर निवासी विचाराधीन कैदी संजय शर्मा की मौत इलाज के दौरान हो गयी. वो 12 दिसंबर 2017 से पलामू सेंट्रल जेल में बंद था. गुरुवार की रात उसकी तबीयत जेल में खराब हुई तो इलाज के लिए उसे एमएमसीएच में भर्ती कराया गया. जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई.

साला-बहनोई मिलकर करते साइबर ठगी

संवाददाता। धनबाद

साइबर अपराध के खिलाफ धनबाद पुलिस की जारी मुहिम में एक और सफलता मिली है. गुरुवार की रात पूर्वी टुंडी की पुलिस टीम ने साइबर अपराध से जुड़े दो शातिर अपराधियों को तकनीक की मदद से रंगेहाथ धर दबोचा. एसएसपी एचपी जनार्दनन को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पूर्वी टुंडी थाना प्रभारी मदन चौधरी के साथ पुलिस टीम ने लटानी ग्राम के दास टोला में छापेमारी की. यहां दो साइबर अपराधियों को रंगेहाथ दबोच लिया गया.

ये लोग ऑनलाइन ठगी की वारदात को अंजाम देने में जुटे थे. इसी बात की गुप्त सूचना मिली थी कि लटानी ग्राम के दास टोला निवासी प्रेम प्रकाश दास साइबर अपराध की वारदात को अंजाम दे रहा है. छापेमारी के दौरान मौके से आरोपी प्रेम प्रकाश दास व उसके साला गोविंदपुर अपर बाजार निवासी संजय रविदास उर्फ़ बंटी को पुलिस ने पकड़ा. दोनों ने मिलकर कई वारदातों को अंजाम दे चुके हैं. छापेमारी के दौरान पुलिस ने कमरे की तलाशी ली गई तो मौके से कुल 9 मोबाइल फोन, सिम कार्ड समेत एक बैकअप चार्जर बरामद किया गया. तलाशी के क्रम में ही पुलिस को कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज भी बरामद हुए, जिसमें सैकड़ों बैंक खातों, मोबाइल नंबर से जुड़ी जानकारी दर्ज है. दोनों आरोपी इन्हीं बैंक खातों से जुड़ी जानकारी के आधार पर ऑनलाइन ठगी की वारदात को अंजाम देते थे. दोनों अपराधकर्मी पिछले कुछ समय से ऑनलाइन ठगी की वारदात को अंजाम दे रहे थे, कई लोगों को अपना शिकार बनाया है. दोनों के खिलाफ पूर्वी टुंडी प्रभारी ने प्राथमिकी दर्ज की है. इन्हें जेल भेज दिया गया है.

- पुलिस के हत्थे चढ़े दो साइबर अपराधी, वारदात को अंजाम देने के फिराक में थे.
- **9 मोबाइल फोन, सैकड़ों मोबाइल नंबर व बैंक पासबुक की डिटेल थी इनके पास**

नाम बड़े और दर्शन छोटे | राजधानी रांची के सेंटेविटा हॉस्पिटल में लिफ्ट खराब, एसी बंद

वसूलते हैं मोटी फीस, फिर भी मरीज और परिजन हलकान

संवाददाता। रांची

राजधानी रांची में अलबर्ट एक्का चौक के पास एक अस्पताल है. नाम है सेंटेविटा हॉस्पिटल. आम तौर पर यहां डिलीवरी के लिए महिलाएं भर्ती होती हैं. कहा जाता है कि किसी भी महिला की डिलीवरी कराने के लिए यह अस्पताल डेढ़ से दो लाख की फीस वसूलता है.

पैसे वाले, इंश्योरेंस वाले या जो महिला सक्षम परिवार से आती हैं, उनके लिए यह अस्पताल पहली पसंद है. पर, क्या अस्पताल प्रबंधन जितने पैसे लेता है, उतनी व्यवस्था भी देता है. क्या अस्पताल के कर्मी और सिक्योरिटी गार्ड व्यवहार कुशल हैं. या फिर "नाम बड़े और दर्शन छोटे" वाली स्थिति है इस अस्पताल में.

दो में से केवल एक लिफ्ट चालू, मरीजों व परिजनों ने सुनाई आपबीती : लगातार न्यूज नेटवर्क के संवाददाता 30 मई की रात करीब 8.20 बजे अस्पताल गये, तो देखा कि मरीजों व उनके परिजनों के लिए दो लिफ्ट हैं. इनमें से एक लिफ्ट तो चालू थी. लेकिन दूसरे का दरवाजा खुला मुंह चिढ़ा रहा था. जो लिफ्ट चालू थी, उसके बाहर एक सिक्योरिटी गार्ड और एक अस्पताल कर्मी मौजूद था. इस लिफ्ट में बिना पास के कोई भी अंदर नहीं जा सकता था. लिफ्ट की स्थिति यह थी कि किसी को ऊपर जाना या नीचे आना हो, तो पांच-सात मिनट खड़ा रहना पड़ेगा. लिफ्ट में एक महिला मिली जो बता रही थी कि कल रात ठीक से सो नहीं पायी. इतनी गर्मी में भी एसी नहीं चल रहा था. अस्पताल प्रबंधन, या तो एसी बंद कर देता या या मेंटेनेंस के अभाव में एसी खराब हो जाता है. हमने एक और मरीज के परिजन से बात की, उनकी भी यही शिकायत थी कि एसी रुक-रुक कर चलता है. इससे असुविधा होती है.

गार्ड ने मरीज के परिजन के साथ किया दुर्व्यवहार

अस्पताल में एडमिट होने वाले मरीज के अटेंडेंट को एक पास जारी किया जाता है. मतलब मरीज के परिवार का कोई एक व्यक्ति वार्ड में ऊपर जायेगा, तो उससे पहले जो अटेंडेंट हैं, उन्हें नीचे अस्पताल से बाहर आना होगा. गौर करने वाली बात यह है कि वहां महिलाओं की डिलीवरी होती है. घर में नये मेहमान आने की खुशी होती है. ऐसे में परिवार के कई लोग नये मेहमान को देखने आते हैं. उन्हें किस तरह की जिल्लतों का सामना करना पड़ता है, यह भी 30 मई की रात देखने को मिला. हमने देखा एक मरीज के दो परिजन ऊपर जाना चाह रहे थे और गार्ड बेहद खराब लहजे में उनसे बात कर रहे थे.

नई एंबुलेंस मिलते ही पुरानी हो गईं कबाड़

संवाददाता। हजारीबाग

सरकार आम लोगों की सुविधा के लिए 108 एंबुलेंस अस्पताल में निःशुल्क चलाई थी. लोगों को बड़ी राहत मिली थी, लेकिन जैसे ही सरकार की ओर से अस्पताल में नई एंबुलेंस दी गई, पुरानी एंबुलेंस कबाड़ हो गई. मामला शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल का है, जहां पहले से 18 एंबुलेंस चल रही थीं. इसके बाद सरकार ने 2023 में फिर सभी अस्पतालों के लिए एंबुलेंस की खरीदारी की थी, जिसमें हजारीबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल के हिस्से में सात एंबुलेंस आई थीं.

नई-पुरानी को मिला कर यहां एंबुलेंस की संख्या 25 हो गई, लेकिन रखरखाव नहीं होने से पुरानी एंबुलेंस कबाड़ हो गईं, जो अब सदर अस्पताल में खड़ी होकर धूल फांक रही हैं. इनमें कोई बड़ी खराबी नहीं है, बल्कि किसी का टायर ठीक नहीं ,तो किसी में हल्की फुल्की खराबी बताई जा रही है. अगर सभी 25 एंबुलेंस चालू हालत में होती तो लोगों को प्राइवेट एंबुलेंस करने की जरूरत ही नहीं पड़ती. लेकिन लगता है कि आम लोगों तक सुविधाएं पहुंचाने के प्रयासों को अस्पताल प्रबंधन ही विफल करने में जुटा हैं. जिस मंशा से सरकार ने अस्पताल में एंबुलेंस की संख्या बढ़ाई थी, वह पूरी होती नहीं दिख रही है.

आम जनता के टैक्स से सरकार ने उपलब्ध कराई हैं एंबुलेंस : इस संबंध में शहर के सुरेंद्र कुमार, मनोज गुप्ता, गणेश कुमार सीटू ने बताया कि सरकार ने जिले को 18 की जगह नई-पुरानी मिला कर 25 एंबुलेंस दी थी. लेकिन अस्पताल प्रबंधन और एंबुलेंस कंपनी की मिलीभगत से लोगों को 25 एंबुलेंस की सुविधा नहीं मिल रही है. पुरानी एंबुलेंस को कबाड़ में फेंक दिया गया. लोगों ने यह भी कहा कि कोई भी गाड़ी 20 से 25 साल तक सुरक्षित रहती है, लेकिन यहां सरकारी वाहनों को धूल फांकने के लिए फेंक दिया है. अस्पताल प्रबंधन को समझना चाहिए कि एंबुलेंस सरकार के पैसे से नहीं बल्कि जनता की मेहनत की कमाई के पैसे उपलब्ध कराई गई है.

- **आम लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के सरकार के प्रयासों को अस्पताल प्रबंधक ही विफल करने में जुटे**
- अगर सभी 25 एंबुलेंस चालू हालत में होती तो जिले के लोगों को निजी एंबुलेंस करने की आवश्यकता नहीं पड़ती

एक दर्जन एंबुलेंस कराई हैं ठीक, पांच हैं खराब : सिविल सर्जन

इस संबंध में सिविल सर्जन सरजू प्रसाद ने बताया कि हजारीबाग में पहले 18 एंबुलेंस चलती थीं. 2023 में सात एंबुलेंस सरकार ने और उपलब्ध कराईं, कुल 25 एंबुलेंस अस्पताल में चल रही थीं. इनमें एक दर्जन एंबुलेंस खराब हो गई थी, जिनको बना लिया गया है. अभी पांच एंबुलेंस खराब हैं, जिनको जल्द बनाया जाएगा.

ब्रीफ खबरें

वाहन चेकिंग के दौरान 18 दोपहिया वाहन जब्त

मेदिनीनगर । पलामू यातायात पुलिस ने शुक्रवार को स्थानीय छहमुहान चौक पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया. इस दौरान दो पहिया और चार पहिया वाहनों की जांच की गई. जांच के दौरान दो पहिया चालक बिना हेलमेट के वाहन परिचालन करते पकड़े गए. वहीं कई लोग ट्रिपल लोड पकड़े गए. यातायात प्रभारी ने बताया कि चेकिंग अभियान के दौरान जब्त किए गए 18 दो पहिया वाहन को सुरक्षित शहर थाना परिसर में रखा गया है. वहीं जुर्माना के लिए में 17 वाहनों को जिला परिवहन विभाग जबकि एक वाहन चालक को चालान के लिए कागजात मुख्य न्यायाधीश दंडाधिकारी के कार्यालय में भेजा गया है.

ललित के निधन से मर्माहत हूं: अविनाश

मेदिनीनगर । पूरा झारखंड लू की चपेट में है. इसे लेकर मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया है. इसी बीच डंडारकला निवासी तुलसी गुरुजी के 45 वर्षीय पुत्र ललित प्रजापति जो अपने काम के सिलसिले में घर से निकले थे वे लू की चपेट में आ गए. सूचना के बाद माटी कला बोर्ड के पूर्व सदस्य सह संत मरियम स्कूल के अध्यक्ष अविनाश देव ने मौके पर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी तथा उनकी शव यात्रा में शामिल हुए. उन्होंने कहा कि ललित प्रजापति अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ दुनिया से असामयिक विदा लिए.

खेंद्रा पुल के समीप मिला अधेड़ का शव

छतरपुर/पलामू । छतरपुर थाना क्षेत्र के खेंद्रा पुल के समीप से बारा गांव निवासी सुरेश राम (55) का शव बरामद किया गया. ग्रामीणों द्वारा शव मिलने की सूचना मिलते ही छतरपुर थाना प्रभारी राजेश रंजन ने घटनास्थल पहुचकर शव को कब्जा में लेते हुए अंत्यपरीक्षण के लिए मेदिनीनगर भेज दिया. उन्होंने बताया कि मृतक मानसिक रूप से विक्षिप्त था. परिजनों के अनुसार सुरेश राम बिना किसी को बताए साइकिल से बीते मंगलवार को जपला के झलगड़ा चला गया था. वहां से लौटने के क्रम में असन्तुलित होकर वह गड्ढे में गिर गया.

सामूहिक प्रयास से ही मतदान संपन्न: डीसी

लातेहार । जिले में शांतिपूर्ण माहौल में लोकसभा चुनाव संपन्न होने पर शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त गरिमा सिंह ने कहा गया कि लोकसभा आम चुनाव सामूहिक प्रयास से ही शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो सका है. सभी मतदाता, अधिकारी, सभी कोषांगों के कर्मी, सुरक्षा बलों और बल अर्द्ध सैनिक बल के जवान बधाई के पात्र हैं. आगे उन्होंने कहा कि चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न करवाने में आप सभी का सहयोग सराहनीय रहा.

जंगल से भटक कर आये हिरण की मौत

भवनाथपुर । उत्तरी वनक्षेत्र के लरहरा सुरक्षित वन क्षेत्र से पानी की तलाश में भटक कर टाउनशिप सेल आवासीय परिसर में आया हिरण गंभीर रूप से घायल हो गया. इलाज के लिए ले जाए जाने के दौरान कर्पूरी चौक पर उसकी मौत हो गई. वन क्षेत्र कार्यालय में पोस्टमार्टम के बाद परिसर में हिरण को दफना दिया गया. जानकारी के अनुसार भवनाथपुर उत्तरी वनक्षेत्र के लरहरा सुरक्षित वन क्षेत्र से भटक कर हिरण सेल के टाउनशिप आवासीय परिसर में आ गया था. पानी की तलाश में हिरण पार्क चहारदीवारी फांद कर सेल आवास में घुस गए.

लायंस क्लब ऑफ मेदिनीनगर ने पेट्रोलिंग ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मियों के बीच लस्सी व पानी का बोतल वितरित किया

लायंस क्लब ने की पक्षियों के लिए प्याऊ की व्यवस्था

संवाददाता। मेदिनीनगर

जिले में पड़ रही भीषण गर्मी के मद्देनजर लायंस क्लब ऑफ मेदिनीनगर ने शुक्रवार को चिलचिलाती धूप में चौक चौराहे व पेट्रोलिंग की ड्यूटी निभा रहे पुलिसकर्मियों के बीच जलजीरा लस्सी एवं पानी का बोतल वितरित किया. वहीं पशु पक्षियों व बेजुबान जानवरों के लिए हैंगिंग व सीमेंटेड गमला कई जगह स्थापित किया. साथ ही प्यास से भटकने वाले पक्षियों एवं पशुओं के लिए उन गमलों में पानी भरकर प्याऊ की व्यवस्था की गई.

कार्यक्रम की शुरुआत लायनेस लिली मिश्रा के नेतृत्व में सदस्यों ने

पुलिस टीम को प्याऊ देते लायंस क्लब के सदस्य.

किया. लिली ने पलामू एसपी रीष्मा रमेशन को कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए उनसे कार्यक्रम की शुरू कराया. गुरवीर सिंह ने बताया कि लोग अपनी प्यास बुझाने की व्यवस्था थोड़ा प्रयास कर अलग-अलग विकल्प से कर लेते हैं लेकिन पशु पक्षी ना बोल पाते हैं और ना कुछ कर पाते हैं. भटकने के अलावा उनके पास कोई उपाय नहीं होता है. ऐसे में हम अपनी पूरी टीम के साथ सभी चौक चौराहा, थाना व पुलिस लाइन में मिट्टी का हैंगिंग गमला एवं पशुओं के लिए सीमेंटेड बड़ा गमला स्थापित किये हैं. प्रियंका आनंद साहू ने बताया कि आजकल बड़ी बिल्डिंग तो बन रही है. लेकिन पशु पक्षी के लिए कोई आसरा हो ऐसा विकल्प नहीं दिया जा रहा है. हम सब इन पक्षियों पर भी विशेष ध्यान देने का प्रयास करेंगे. परिमल प्रसून इस सेवा की पूरी तैयारी को संभालते हुए गौरैया के लिए घोसला बनवाने की बात कही. मुकेश कुमार अग्रवाल ने बताया कि सेवा को और विस्तार करते हुए संध्याकालीन में बेलवाटीका निवासी थैलेसीमिया पेशेंट को आवश्यकता पड़ने पर क्लब के सदस्य राघव खुराना एवं दिवाकर ने रक्तदान कर जीवन बचाने में मदद की. मौके पर ऋषिकेश दुबे, डॉक्टर निशांत, निलेश चंद्र, राघवेंद्र सिंह, नवीन पांडे आनंद वर्धन, सचिव अमुक प्रियदर्शी व रणजीत मिश्रा मौजूद थे.

मिलेगी राहत

- हम सब पक्षियों पर भी विशेष ध्यान देने का प्रयास करेंगे
- पशुओं के लिए सीमेंटेड बड़ा गमला स्थापित किया गया

न्यूज अपडेट

उपायुक्त ने जनता दरबार में सुनीं शिकायतें

जनता दरबार में शिकायत सुनती डीसी.

लातेहार । समाहरणालय में आयोजित शुक्रवारिय जनता दरबार में उपायुक्त गरिमा सिंह ने जिला के सुदूरवर्ती इलाकों से आए ग्रामीणों की समस्याएं सुनी. उन्होंने समस्याओं को संबंधित अधिकारियों को अग्रसारित किया और त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया. कहा कि जनता दरबार में आई शिकायत और समस्याओं पर संवेदनशील होकर काम करें. आगे कहा कि आम जनता बहुत ही विश्वास के साथ जनता दरबार में आती है. उपायुक्त ने आश्वासन दिया कि उनकी सभी शिकायतों पर जांच कराकर समाधान किया जाएगा.

सेकलेतेरी में जंगली हाथी ने घर किया ध्वस्त

जंगली हाथियों द्वारा ध्वस्त मकान.

चंदवा (लातेहार)। थाना क्षेत्र के माल्हन पंचायत के सेकलेतेरी गांव में शुक्रवार की सुबह एक जंगली हाथी ने जमकर उत्पात मचाया. हाथी ने महेंद्र भगत के घर को ध्वस्त कर दिया और घर में रखा सारा अनाज चट कर गया. भुक्तभोगी ने बताया कि वे लोग अपने घर में सोये हुए थे. सुबह अचानक एक हाथी आ धमका और उसके घर को तोड़ दिया. वे सपरिवार किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाये. घटना की जानकारी मिलते ही मुखिया जतरू कुमार मुंडा पीड़ित परिवार के घर पहुंचे.

50 रुपये में पानी का जार खरीद रहे हैं लोग

पांकी । पलामू में हीट वेव की मार झेल रहे लोग अनियमित बिजली आपूर्ति से भी कम परेशान नहीं हैं. लोगों में विभाग के प्रति काफी गुस्सा है. अहले सुबह से ही लोग भीषण गर्मी में घरों से निकल रहे हैं. फिर भी गर्मी से परेशानी ही है. बैंक, ब्लाक, पोस्ट ऑफिस सहित बाजारों में भी सन्नाटा पसरा हुआ है. वहीं पांकी प्रखंड के दो लाख आबादी वाला गांव पानी के लिए तरस रहा है. लोगों के सामने पीने के पानी की भी दिक्कत है, क्योंकि कई घरों के बोरिंग के पानी का लेयर नीचे चला गया है. कुएं भी सूख गये हैं. लोग होम डिलीवरी करवा कर पानी का प्रति जार 30 से 50 रुपये में ले रहे हैं. सक्षम परिवार के लोग पानी खरीद कर किसी तरह अपना काम चला रहे हैं.

जायन्ट्स ग्रुप ऑफ गढ़वा ने किया साड़ी का वितरण

गढ़वा । जायन्ट्स ग्रुप ऑफ गढ़वा के तत्वावधान में शुक्रवार को ग्रुप के उपाध्यक्ष राकेश बाबू सर्राफ ने अपनी माता स्व. रामपति देवी की पुण्यतिथि पर दिहाड़ी महिला मजदूरों के बीच साड़ी का वितरण किया. इस अवसर पर राकेश ने कहा कि मैं प्रत्येक वर्ष अपनी माता के पुण्यतिथि पर इसी प्रकार जरुरतमंदों के बीच वस्त्र का वितरण करता रहूंगा. जायन्ट्स पदाधिकारियों ने कहा कि पुण्यतिथि के अवसर पर जरूरतमंदों के बीच साड़ी का वितरण करना पुण्य का काम है. जायन्ट्स परिवार हर मौके पर जरूरतमंदों की सेवा में आगे रहता है. मौके पर जायन्ट्स ग्रुप ऑफ गढ़वा के अध्यक्ष कमलेश कुमार गुप्ता और जायन्ट्स वेलफेयर फाउंडेशन फेडरेशन आठ के फ़ेडरेशन पादाधिकारी नन्द कुमार गुप्ता मौजूद थे.

डीडीसी ने पदाधिकारियों के साथ की बैठक

लोहरदगा । डीडीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में शुक्रवार को बैठक की गई. यह बैठक मादक पदार्थों के दुरुपयोग को समाप्त करने के लिए जागरुकता अभियान चलाये जाने को लेकर संबंधित विभाग के पदाधिकारियों के साथ हुई. बैठक में 19 जून से 26 जून तक लोहरदगा जिला में विभिन्न विभागों के साथ समन्वय से कार्ययोजना बनाकर अभियान चलाये जाने का निर्णय लिया गया. इसमें समाज कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, डालसा, उत्पाद विभाग, पंचायती राज विभाग, खेल विभाग, जेएसएलपीएस, भारत स्काउट एवं गाईड, नेहरू युवा केंद्र, एलजीएसएस समेत अन्य विभागों एवं संस्थानों के सहयोग से एक वृहद अभियान चलाया जाएगा. बैठक में सभी विभागों को उनके दायित्वों से अवगत कराया गया और अभियान को सफल बनाये जाने का निर्देश दिया गया. बैठक में कार्ययोजना पर चर्चा की गई.

नेताजी विद्यालय में नामांकन के लिए भेजें नाम

लोहरदगा । सदर प्रखंड में संचालित नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय, हिरही में शैक्षणिक वर्ष 2024-25 अंतर्गत कक्षा नौ एवं कक्षा 11 में नामांकन लिया जाना है. विद्यालय में वैसे ही बालकों का नामांकन लिया जाएगा जो अनाथ या एकल अभिभावक वाले बच्चे होंगे. या बिना अभिभावक सुरक्षा वाले बच्चे या ऐसे बच्चे जिनका कोई घर नहीं है. इसके अलावा ऐसे बच्चे जिनके गांव/टोला में कोई सरकारी विद्यालय पहले में मौजूद नहीं है. या फिर नक्सली गतिविधियों में मारे गए माता-पिता के बच्चे होंगे. या मानव तस्करी गतिविधियों घर से भागे हुए बच्चे/काम करने वाले मजदूरों के बच्चे/अन्य बाल मजदूर होटल, गैरेजों में काम करने वाले बाल मजदूर/ शहरी अभिवंचित बच्चे या आदिम जनजाति परिवार के बच्चे या कोरोना काल में बच्चे के माता-पिता के मृत्यु होने वाले बच्चे हों.

उंटारी में नल जल योजना का कार्य है अधूरा

पलामू । जिले के उंटारी रोड प्रखंड क्षेत्र के छह पंचायतों में नल जल योजना विफल साबित हो रही है. योजना का क्रियान्वयन बेहतर ढंग से नहीं होने से ग्रामीणों को पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है. संवेदक की मनमानी के चलते लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं. स्थिति यह है कि सभी ग्राम पंचायतों में योजना का कार्य आधा अधूरा किया गया है. कहीं आधा अधूरा पाइप बिछाकर छोड़ दिया गया है तो कहीं टंकी के निर्माण में भी भारी अनियमितता बरती गई है. जिससे इलाके के लोगों में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है. भीषण गर्मी की वजह से कुआं व चापानल का जलस्तर नीचे चल गया है. लोगों का कहना है कि संवेदक द्वारा बेहतर व गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं किया जा रहा है. केवल घटिया सामग्री लगाकर खानापूर्ति की जा रही है. कई जगहों पर बोर में पानी नहीं होने के बावजूद वहां टंकी लगा दिया गया है.

लातेहार के महिला डिग्री कॉलेज में नामांकन शुरू

लातेहार । जिला मुख्यालय के धर्मपुर स्थित महिला डिग्री कॉलेज में सत्र 2024- 28 के लिए यूजी सेमेस्टर-वन को लेकर नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुका है. इस संबंध में कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य डॉ विमल कुमार सिंह ने बताया कि महिला डिग्री कॉलेज में नामांकन प्रक्रिया शुरू है. उन्होंने बताया कि इच्छुक छात्राएं चांसलर पोर्टल के माध्यम से हिंदी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति विज्ञान, भूगोल तथा वाणिज्य विषयों में नामांकन के लिए आवेदन कर सकते हैं. कॉलेज में नामांकन के लिए आवेदन करने के लिए अंतिम तिथि 16 जून निर्धारित की गई है. बता दें कि पिछले वर्ष 14 फरवरी 2022 को राज्य के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने धर्मपुर स्थित महिला डिग्री कॉलेज का उद्घाटन किया था.

लातेहार डीसी ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर दिलाई शपथ

किसी प्रकार के नशीले पदार्थ का सेवन नहीं करना चाहिए : डीसी

संवाददाता। लातेहार

31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है. इसे लेकर समाहरणालय सभागार में शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया. उपायुक्त गरिमा सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस के रूप में मनाया जाता है. इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य तंबाकू के दुष्परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक किया जाना है. विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर 'शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है.

किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थ का सेवन हमें नहीं करना है. इससे हमारे परिवार, समाज एवं अंततः देश का बहुत अधिक नुकसान होता है. तंबाकू के दुष्परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक होने को कहा गया. इस दौरान उपायुक्त के द्वारा मौके पर उपस्थित सभी पदाधिकारियों और कर्मियों को तंबाकू का सेवन नहीं करने को लेकर शपथ दिलाई गई. सभी ने भविष्य में तंबाकू का सेवन नहीं करने तथा और लोगों को भी इसके दुष्परिणामों के बारे में बताते हुए उन्हें जागरूक करने के संकल्प को दोहराया.

इस दौरान पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन, आईटीडीए निदेशक प्रवीण कुमार गगराई, उपविकास आयुक्त सुरजीत कुमार सिंह, अपर समाहर्ता रामा रविदास, अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार कौशल कुमार, सिविल सर्जन डॉ अवधेश सिंह, जिला भू अर्जन पदाधिकारी राजेश कुमार, डीएसओ रश्मि लकड़ा, उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, गोपनीय शाखा श्रेयांश समेत जिला और प्रखंड स्तरीय कई पदाधिकारी और कर्मी उपस्थित थे.

पदाधिकारियों को शपथ दिलाते उपायुक्त.

समाज में नशे के लिए कोई जगह नहीं है: प्रतिमा

भंडरा । लोहरदगा जिले के भंडरा प्रखंड मुख्यालय में अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस पर बीडीओ प्रतिमा कुमारी और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जागरुकता कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें सेमिनार के माध्यम से बीडीओ ने सभी को नशा न करने और नशा के विरुद्ध लोगों को जागरूक करने की शपथ दिलाई. वहीं, विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम और नुक्कड़ नाटक आयोजित कर नशे के विरुद्ध लोगों को जागरूक किया गया. उन्होंने बताया कि नशे पर लगाम लगाने के लिए भंडरा पुलिस लगातार अभियान चला रही है. स्कूलों और कॉलेजों पर ध्यान केंद्रित करते हुए ड्रग्स के दुष्प्रभावों के बारे में नागरिकों विशेषकर युवाओं को जागरूक किया जा रहा है. सभी समाज में नशे के लिए कोई जगह नहीं है. पुलिस द्वारा नागरिकों, विशेषकर युवाओं को मादक पदार्थों के खतरे से बचाने के लिए गांजा, ड्रग्स, शराब तस्करों सहित इसमें संलिप्त अन्य के खिलाफ इसी प्रकार अभियान जारी रहेगा. जागरुकता कार्यक्रम के तहत भंडरा प्रखंड स्थित लोगों को नुक्कड़ नाटक के जरिये भी जागरूक किया गया. वहीं स्वास्थ्य विभाग की तरफ से नशे के दुष्परिणाम और बचने के उपाय व पुलिस प्रशासन की भूमिका के बारे में बताया.

तंबाकू स्वास्थ्य के लिए है जानलेवा: मोर्चा

मेदिनीनगर । विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर बेरोजगार संघर्ष मोर्चा के जिला कार्यालय में विचार गोष्ठी आयोजित की गई. कार्यक्रम की अध्यक्षता मोर्चा अध्यक्ष उदय राम व संचालन संजय कुमार ने किया. गोष्ठी में मोर्चा अध्यक्ष राम ने कहा कि तंबाकू स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है. भारत में भारत में तंबाकू सेवन से प्रतिवर्ष 20 लाख लोगों की मौत होती है. इसके बावजूद भी तंबाकू सेवन करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है. यह देश हित में चिंता का विषय है. उन्होंने कहा कि देश में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से काफी संख्या में लोग तंबाकू सेवन करते हैं. हालांकि देश में सार्वजनिक रूप से धूम्रपान पर प्रतिबंध है. उसके बावजूद बड़ी संख्या में घर बाहर एवं कार्य स्थलों पर लोग धूम्रपान के शिकार बन रहे हैं. राम ने युवा वर्ग से अपील की कि जिंदगी को चुनें तंबाकू को नहीं. शिवनारायण साह ने युवाओं से अपील किया कि तंबाकू सेवन एवं धूम्रपान से बचे स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके. मौके पर जयपाल मोची, किशना राम व रामराज राम मौजूद थे.

शुभम संदेश के आशीष टैगोर हुए सम्मानित

सम्मान प्राप्त करते आशीष टौगोर.

लातेहार । लोकसभा चुनाव 2024 में बतौर डिस्ट्रिक्ट आइकॉन (पीडब्ल्यूडी) कार्य कर रहे शुभम संदेश के वरीय संवाददाता आशीष टैगोर को शुक्रवार को समाहरणालय में आयोजित एक सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया. उपायुक्त गरिमा सिंह व पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने उन्हें स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया. मंच का संचालन करते हुए डीआरडीए निदेशक प्रभात कुमार चौधरी ने कहा कि आशीष टैगोर का कार्य बहुत ही सराहनीय रहा. इन्होंने मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए चलाये जा रहे स्वीप कार्यक्रम में सराहनीय योगदान दिया. मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया. सम्मान प्राप्त करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए टैगोर ने जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया.

152 टेबल पर होगी मतगणना : उपायुक्त

मेदिनीनगर । जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त शशि रंजन ने पलामू संसदीय क्षेत्र की मतगणना को लेकर शुक्रवार को बैठक की. बैठक में निर्दलीय प्रत्याशी गणेश रवि व विभिन्न राजनीतिक दलों के निर्वाचन अभिकर्ता शामिल थे. डीसी ने सभी को निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मतगणना की गाइडलाइन के विस्तार पूर्वक जानकारी दी. उन्होंने कहा कि मतों की गिनती विधानसभावार होगी. पलामू संसदीय क्षेत्र अंतर्गत कुल छह विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना के लिए कुल 124 टेबल बनाये गये हैं.

हुसैनाबाद में बालू भंडारण के खिलाफ चला अभियान

संवाददाता। हुसैनाबाद (पलामू)

हुसैनाबाद प्रखंड क्षेत्र में बालू माफियाओं के विरुद्ध प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की. जिससे बालू माफिया सदमे में हैं. बता दें कि हुसैनाबाद अनुमंडल पदाधिकारी पीयूष सिन्हा के निर्देश पर हुसैनाबाद अंचल अधिकारी पंकज कुमार ने बालू माफियाओं के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की है. हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के बड़ेपुर गांव के समीप सोन नदी के किनारे बालू माफियाओं ने करीब तीन सौ ट्रैक्टर बालू का अवैध भंडारण किया गया था.

सीओ ने अपनी टीम के साथ जाकर बालू के अवैध भंडारण को जेसीबी मशीन से सोन नदी में डलवा दिया. बालू माफिया सोन नदी के तट पर बालू भंडारण कर बरसात के मौसम में उसे ऊंची कीमत पर बेचकर मोटी रकम कमाने की फिराक में थे. जिस पर सीओ ने पानी फेर दिया. सीओ ने सोन नदी के पास

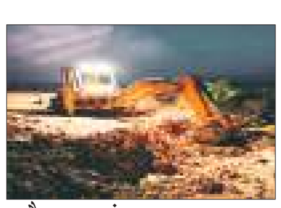

अवैध बालू भंडारण

ट्रैक्टर के आने-जाने के रास्ते पर जेसीबी मशीन से छह से आठ फीट गहरा गड्ढा खुदवा दिया है. जिससे बालू लेने आये ट्रैक्टर नदी के पास नहीं आ सकें. सीओ ने बताया कि एसडीओ के निर्देश पर लगातार कार्रवाई की जा रही है. बीते मंगलवार को हुसैनाबाद देवरी खुर्द सोनपुरवा सोन नदी घाट पर छापेमारी किया गया था, मगर वहां एक भी ट्रैक्टर नहीं मिला और ना ही भंडारण ही मिला. वहीं दूसरी जगह हुसैनाबाद के बड़ेपुर में भंडारण की सूचना मिली और वहां बालू का अवैध भंडारण मिला. जिसे जेसीबी से सोन नदी में डाल कर जमीन में मिला दिया गया.

ग्रामीण इलाकों में लोड शेडिंग से लोग परेशान

मेदिनीनगर । पलामू जिला में बिजली की किल्लत से लोग परेशान हैं. शहर में फुल लोड बिजली मिल रही है, लेकिन ग्रामीण इलाकों में छह-छह घंटे की लोड शेडिंग हो रही है. इस कारण लोगों का जीना मुहाल हो गया है. भीषण गर्मी में पंखे की हवा भी नहीं मिल रही है. जानकारी के मुताबिक पलामू जिले में दो विद्युत डिविजन मेदिनीनगर और छतरपुर है. मेदिनीनगर डिविजन को फुल लोड विद्युत आपूर्ति हो रही है. इस डिविजन के कार्यपालक अभियंता शंभुनाथ चौधरी ने बताया कि उनके डिविजन को निर्बाध आपूर्ति के लिए 65-70 मेगावाट बिजली चाहिए जो मिल रही है. लेकिन अधिक गर्मी और अत्यधिक लोड के कारण लगातार फॉल्ट हो रहे हैं. जिसके कारण बीच-बीच में उपभोक्ताओं को पावर कट का सामना करना पड़ रहा है, वहीं, छतरपुर डिविजन के कार्यपालक अभियंता शुभम सिंह ने बताया कि निर्बाध आपूर्ति के लिए छतरपुर डिविजन को 14 मेगावाट बिजली चाहिए.

सभी विद्यालयों में पेयजल सुनिश्चित कराएं: उपायुक्त

पदाधिकारियों के साथ बैठक करते डीसी.

संवाददाता। गढ़वा

डीसी शेखर जमुआर ने शुक्रवार को समाहरणालय स्थित सभागार में आकांक्षी जिला एवं आकांक्षी प्रखंड को लेकर नीति आयोग के विभिन्न इंडिकेटरों पर समीक्षा बैठक की. बैठक में डीसी ने नीति आयोग के 49 प्रमुख इंडिकेटर पर समीक्षा किया. इनमें स्वास्थ्य, शिक्षा एवं कृषि के क्षेत्र में विशेष कार्य करने को लेकर बिंदुवार समीक्षा करते हुए उक्त क्षेत्र में विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया. स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए डीसी ने गर्भवती महिलाओं का एएनसी रजिस्ट्रेशन, इंस्टीट्यूशनल डिलीवरी, सेक्स रेश्यो, मालन्यूट्रिशन, एमटीसी सेंटर का संचालन समेत अन्य क्षेत्र में प्राथमिकता के आधार पर विशेष फोकस कर कार्य करने का निर्देश दिया. उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में शत प्रतिशत विद्यालयों में पेयजल, विद्युतीकरण, शौचालय, सुचारू रूप से पठन-पाठन, बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने समेत अन्य जरूरी इंडिकेटर पर जोर देने का निर्देश दिया. कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए माइक्रो इरिगेशन, डीप इरीगेशन, फसल बीमा समेत अन्य क्षेत्रों में विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया.

लापरवाही | भंडरा के भैंसमुंदो आंगनबाड़ी केंद्र के सामने कूड़े- कचरा का अंबार लगा है

आंगनबाड़ी के पास गंदगी के बीच रहते हैं नौनिहाल

शकील अहमद । भंडरा (लोहरदगा)

जिले के भंडरा प्रखंड क्षेत्र के भैंसमुंदो आंगनबाड़ी केंद्र के सामने कूड़ा कचरा का ढेर लगा हुआ है, जो नौनिहाल को बीमार कर सकता है. इसके बाद भी जिम्मेदार परिसर में फैली गंदगी को साफ कराने ध्यान नहीं दे रहे हैं. ग्राम भैंसमुंदो के अखाड़ा के सामने आंगनबाड़ी केंद्र एक ही परिसर में स्थित है, जिसके आसपास गंदगी का ढेर पड़ा है. आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की दर्ज संख्या कमोबेश 22 है.

गांव के तीन से लेकर पांच वर्ष तक के बच्चे आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचते हैं. सरकार आंगनबाड़ी के बच्चों को

भंडरा प्रखंड क्षेत्र का भैंसमुंदो आंगनबाड़ी केंद्र.

पौष्टिक आहार के अलावा खेलकूद का माहौल प्रदान करने का प्रयास कर रही है. ताकि बच्चों को केंद्रों में बच्चों का बौद्धिक विकास के साथ बेहतर माहौल मिल सके. लेकिन केंद्र के आसपास फैली गंदगी शासन प्रशासन के प्रयासों पर पानी फेर रहा है. आंगनबाड़ी के सामने गंदगी फैलने के कारण नौनिहाल बच्चों में बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है. ग्रामीण इलाकों के गली, मोहल्ले, सड़क किनारे, हैंडपंप व आंगनबाड़ी केंद्रों के आसपास गंदगी पसरी हुई है. वहीं शासन-प्रशासन ने स्वच्छता अभियान तो जोर-शोर से चलाया, लेकिन गांवों में आज भी नजर नहीं आ रही है.

लोगों में जागरुकता का अभाव अभी भी देखने को मिल रहा है. आंगनबाड़ी केंद्र के सामने फैली गंदगी इसका जीता जागता उदाहरण है. ग्रामीण इलाकों में स्वच्छता अभियान का नामोनिशान नहीं है. स्वच्छता स्वास्थ्य के लिए कितना जरूरी है. इसका महत्व ग्रामीण आज भी नहीं समझ रहे हैं. गांव में सफाई के अभाव में बीमारी फैलती है. इनके बारे में किसी को जानकारी नहीं है. भंडरा क्षेत्र में ऐसे कई आंगनबाड़ी केंद्र हैं, जिनके आसपास गंदगी फैली हुई है. शुक्रवार को ऐसे केंद्रों की पड़ताल की तो कहीं गंदगी तो कहीं शौचालय में अव्यवस्था दिखी. गंदगी डंप करते समय बच्चों की सेहत का भी ख्याल नहीं रखा जा रहा है. बच्चे गंदगी व बदबू के बीच समय बिताने को विवश हैं.

गंदगी पसरी

- आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की संख्या 22 है
- तीन से लेकर पांच वर्ष तक के बच्चे यहां पर आते हैं

बिजली के लिए रोड जाम किया

संवाददाता। महुआडांड़ (लातेहार)

बिजली की लचर व्यवस्था को लेकर महुआडांड़ प्रखंड के जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणों ने गुरुवार को मुख्य बाजार स्थित शास्त्री चौक के समीप लगभग पांच घंटे तक जाम किया. इस दौरान सड़क के चारों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई. जाम हटाने के प्रयास को लेकर सीआई गौतम कुमार जामस्थल पर पहुंचे और लोगों को समझने का प्रयास किया. लेकिन जनप्रतिनिधि व ग्रामीण नहीं मानें. इसके बाद महुआडांड़ प्रखंड विकास पदाधिकारी अमरेन डांग जामस्थल पर पहुंचकर समझने का प्रयास किया.

करीब एक घंटे के प्रयास के बाद जाम हटाया जा सका. प्रखंड विकास पदाधिकारी ने आश्वासन दिया लोगों की मांग को डीसी तक पहुंचाया जायेगा. लोगों ने चेतावनी दी है कि अगर बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं होता है, तो दो जून को फिर से अपनी मांगों को लेकर धरना में बैठेंगे. ग्रामीणों ने एक ज्ञापन भी प्रखंड विकास पदाधिकारी को सौंपा. ज्ञापन देने वालों में जिला परिषद सदस्य स्तेला नगेसिया, प्रदेश प्रतिनिधि स्तेखार अहमद, मुखिया रेणू तिग्गा, प्रमिला मिंज, रौशनी कुजूर, उषा खलखो, रीता खलखो, अजीत पाल कुजूर, पवन कुमार, संदीप कुमार, सूरज कुमार, रोहित सोनी, निरंजन जायसवाल समेत काफी संख्या में महुआडांड़ के ग्रामीण शामिल थे.

प्रखंड विकास पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपते जनप्रतिनिधि व ग्रामीण.

तत्कालीन प्रतिकुलपति की अध्यक्षता में बन चुकी है कमेटी, डॉ बीएन प्रसाद सचिव, स्नातक बाद विद्यार्थियों का होना है नामांकन

कोल्हान विवि : बायोटेक्नोलॉजी के पोस्टग्रेजुएट पाठ्यक्रम की पढ़ाई शुरू नहीं हो सकी

संवाददाता। चाईबासा

कोल्हान विश्वविद्यालय में अब पोस्ट ग्रेजुएट पर बायोटेक्नोलॉजी की पढ़ाई सिर्फ सपना ही रह गया. पिछले दो साल से यह कोर्स लंबित पढ़ा हुआ है. जबकि इसको लेकर विवि प्रशासन ने सात सदस्यों की एक कमेटी तैयार कर चुकी थी. तत्कालीन प्रतिकुलपति डॉ अरूण सिन्हा की अध्यक्षता में यह कमेटी बनायी गयी थी. जिसमें मेंबर सचिव साइंस डीन डॉ बीएन प्रसाद को बनाया गया है. जबकि सदस्य के रूप में परीक्षा नियंत्रक डॉ. अजय चौधरी, वित्त पदाधिकारी डॉ पीके पाणी, कुलसचिव डॉ जयंत शेखर, जुलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. अमर कुमार, बॉटनी विभागाध्यक्ष डॉ कृष्णा प्यारे को बनाया गया है. वहीं आमंत्रित सदस्य में टाटा कॉलेज के प्रचार्य डॉ एसी दास व टाटा कॉलेज के बॉटनी विभागाध्यक्ष डॉ विष्णु सिन्हा को शामिल किया था. यह कमेटी कोर्स की रूपरेखा तैयार कर सिलेबस, प्रोस्पेक्ट व रेगुलेशन को तैयार कर लिया है. लेकिन विश्वविद्यालय ने अभी तक इसकी मंजूरी नहीं दी है. इसमें तत्कालीन प्रतिकुलपति का तबादला भी हो चुका है. मामूल हो कि कमेटी देश के विभिन्न विश्वविद्यानलय में चल रहे इस कोर्स को सिलेबस का भी अध्ययन कर रूपरेखा तैयार की है.

यदि मंजूरी मिली तो टाटा कॉलेज के साइंस ब्लॉक में चलेगा : कोल्हान विश्वविद्यलय अंतर्गत ही स्नातकोत्तर में बायोटेक्नोलॉजी पढ़ाई की मंजूरी मिलती है तो टाटा कॉलेज में फिलहाल अस्थायी रूप से चलाया जायेगा. अलग भवन नहीं होने की वजह से अस्थायी रूप से टाटा कॉलेज के साइंस ब्लॉक में ही इसकी पढ़ाई होगी. जुलॉजी, बॉटनी व टाटा कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में इस कोर्स को चलाया जायेगा. इसमें बॉटनी, जुलॉजी के शिक्षक ही होंगे. सात सदस्य कमेटी ने सिलेबस व रेगुलेशन को तैयार कर लिया है. आगामी एकेडमिक काउंसिल की बैठक में पारित कर सिंडिकेट में प्रस्तुत किया जायेगा. सिंडिकेट में सर्वसम्मति से पारित होने के बाद एचआरडी को प्रस्ताव भेजा जायेगा. जिसके बाद उधर से हरी झंडी मिलने पर कोर्स आरंभ किया जायेगा.

बायोटेक्नोलॉजी कोर्स क्या हैं : विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी प्रयोगशालाओं एवं रिसर्च संस्थानों में बायोटेक्नोलॉजी की डिमांड काफी बढ़ती जा रही हैं. बायोटेक्नोलॉजी एक ऐसी टेक्नोलॉजी हैं जो सिर्फ प्रयोगशाला में रिसर्च तक ही सिमित नहीं हैं बल्कि इसमें जैविक पदार्थों, पेड़-पौधे, जीव-जंतु आदि के माध्यम से नई टेक्नोलॉजी का प्रयोग करके विभिन्न खाद्यपदार्थ, औषधि एवं ऐसी किस्म की प्रजातियां या बीज पैदा करना होता है. जिसके माध्यम से कम लगात में ज़्यादा उत्पादन हो. देखा जाये तो बायोटेक्नोलॉजी में संभावनाएं अपार हैं. मेडिकल क्षेत्र हो या कृषि इस टेक्नोलॉजी ने हर क्षेत्र में बहुत विकास किया हैं और आने वाले समय में बहुत विकास होने की जरुरत है. जैसे जैसे टेक्नोलॉजी में विकास होगा वैसे ही ही इस क्षेत्र में रोजगार के भी कई अवसर प्राप्त होंगे. कोल्हान जैसे क्षेत्र में इसका रोजगार मिलेगा. यहां जड़ी बुटी के तहत इलाज अधिक होता है. इसका लाभ अब टेक्नोलॉजी के तहत किया जायेगा.

- बायोटेक्नोलॉजी कोर्स को लेकर विवि तैयार कर चुका रूपरेखा, 2022-23 से आरंभ होना था, 15 हजार प्रति सेमिस्टर शुल्क भी तय
- यादि यह कोर्स आरंभ होगी तो राज्य का तीसरा विवि होगा जहां पोस्टग्रेजुएट कोर्स में बायोटेक्नोलॉजी की पढ़ाई होगी

बायोटेक्नोलॉजी कोर्स में करियर/रोजगार की संभावनाएं

प्रयोगशाला में रिसर्च, मेडिकल, फार्मास्यूटिकल कंपनियां, कृषि क्षेत्र, जैव विज्ञान, सरकारी एवं गैर सरकारी रिसर्च संसथान जैसे कई क्षेत्र हैं. जहां पर बायोटेक्नोलॉजी से पढ़े लोगों के लिए रोजगार की कोई कमी नहीं हैं. यह क्षेत्र फ़िलहाल में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा हैं एवं भविष्य में इस क्षेत्र में रोजगार के कई अवसर आने की संभावनाएं नजर आती हैं. एक अच्छा पद, अच्छा नाम एवं पैसा इस क्षेत्र में काम करके कमाया जा सकता हैं. लेब टेक्नीशयन, रिसर्चर, बायोटेक्नोलॉजिस्ट, साइंटिस्ट जैसे पदों पर काम कर सकते हैं.

पहले सत्र में 40 सीटों पर होगा नामांकन, बीएससी विद्यार्थी ही योग्य

कोल्हान विश्वविद्यालय ने इसी सत्र से ही आरंभ करने की तैयारी में जुटा है. अक्टूबर माह से पूर्व एक प्रवेश परीक्षा आयोजित होगी. जिसके बाद सफल विद्यार्थियों को इसमें नामांकन लिया जायेगा. इसके लिये विद्यार्थी बीएससी जुलॉजी, बॉटनी, बायलॉजी में पास होना अनिवार्य है. मालूम हो कि वीमेंस कॉलेज में पिछले कई वर्षों से उक्त कोर्स पर स्नातक की पढ़ाई होती है. अब पहली बार कोल्हान विश्वविद्यालय के पीजी विभाग में पोस्ट ग्रेजुएट पर बायोटेक्नोलॉजी की पढ़ाई होगी. हालांकि राज्य का यह तीसरा विवि होगा. फिलहाल रांची विश्वविद्यालय व विनोबा भावे विश्वविद्यालय में पोस्ट ग्रेजुएट पर बायोटेक्नोलॉजी की पढ़ाई होती है.

प्रवेश प्रक्रिया क्या हैं, कितने वर्ष का होगा कोर्स

कोल्हान विश्वविद्यालय में प्रवेश की प्रक्रिया को सरल बनाने में कमेटी जोर दे रही है. इसमें एक सामान्य प्रवेश परीक्षा लिया जायेगा. जिसमें पास होने से उसका नामांकन लिया जायेगा. यूजीसी के रेगुलेशन के तहत ही नामांकन होगा. पहले सत्र शुल्क का भी विवि प्रशासन ने निर्धारित कर लिया है. 15000 प्रति सेमिस्टर दिया जायेगा. यह कोर्स दो साल का होगा. मास्टर डिग्री ही माना जायेगा. पूरे चार सेमिस्टर में 60 हजार रुपये विद्यार्थी को खर्च करना होगा.

कोर्स के बाद बेहतर इनकम

इस फील्ड में यदि आप जॉब करते हैं तो आपको शुरुआत से ही काफी अच्छी इनकम होती हैं जो 40 हजार प्रति माह से शुरू हो सकती हैं. पीएचडी जैसे कोर्स करके आप कॉलेज में बायोटेक्नोलॉजी के प्रोफेसर भी बन सकते हैं. पर्सनल कोचिंग आदि चलाकर काफी अच्छा पैसा कमा सकते हैं. देखा जाये तो यह क्षेत्र में संभावनाएं अपार हैं बस जरुरत हैं पूरी लगन एवं मेहनत से इस कोर्स को पूरा करने की.

> राज्य का यह तीसरा विश्वविद्यालय होगा जहां पोस्टग्रेजुएशन लेवल पर बायोटेक्नोलॉजी की पढ़ाई होगी. हालांकि वीमेंस कॉलेज में फिलहाल स्नातक स्तर पर इसकी पढ़ाई होती है. पहले सत्र में 40 सीट पर नामांकन होगा. इसके लिये एक कमेटी तैयार की गई है. यह कमेटी सिलेबस व रेगुलेशन तैयार कर लिया है. हालांकि अभी इस पर दोबारा जांच की जाएगी. यह कमेटी तत्कालीन प्रतिकुलपति की अध्यक्षता में बनी थी, लेकिन अब उनका तबादला हो चुका है. अब एकेडमिक काउंसिल की बैठक में प्रस्तुत कर सिंडिकेट में पारित होने के बाद आरंभ किया जायेगा.
>
> **डॉ राजेंद्र भारती, कुलसचिव, कोल्हान विश्वविद्यालय**

ब्रीफ खबरें

लू लगने से सेल के ठेका कर्मी की मौत

चक्रधरपुर । भीषण गर्मी के बीच लू की चपेट में आने से मनोहरपुर आयरन और माइंस चिरिया सेल के एक ठेका कर्मी की मौत हो गई.इस संबंध में बचमगुटू निवासी मृतक के पुत्र बुधलाल पूर्ति ने बताया कि उनके 58 वर्षीय पिता रमेश पूर्ती गुरुवार की सुबह करीब छह बजे साइकिल से घर से काम के लिए निकले थे, देर शाम के बाद भी वे घर नहीं लौटे तो उनकी खोजबीन शुरु की गई.पिता रमेश पूर्ति चिरिया माइंस जाने वाले मार्ग स्थित पाथरबासा रिंगासई के समीप काम करते थे,खोजबीन के दौरान ही शुक्रवार सुबह उनका शव पाथरबासा रिंगासई के समीप पड़ा मिला.

सोनुवा- गोईलकेरा में चार घंटे बिजली गुल रहेगी

चक्रधरपुर । पोड़ाहाट अनुमंडल के सोनुवा व गोईलकेरा में शनिवार को चार घंटे बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी.इस संबंध में जानकारी देते हुये बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता अमित खलखो ने कहा कि शनिवार को गोईलकेरा के मिनी ग्रिड में ब्रेकर मरम्मति ,पावर ट्रांसफार्मर व अर्थिंग मरम्मत का कार्य किया जाएगा. जिसे लेकर सोनुवा व गोईलकेरा के सभी क्षेत्रों में शनिवार सुबह सात बजे से दिन के ग्यारह बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी.

वन विभाग ने पकड़ा अवैध पत्थर लदा ट्रैक्टर

सारंडा जंगल में हो रहा पत्थर का अवैध खनन

खास बातें

- सारंडा जंगल में अवैध ढंग से रखा पत्थर जब्त किया गया
- उसरुईया पुल व गार्डवाल के निर्माण में इस्तेमाल होना था

संवाददाता ।किरीबुरु

सारंडा के घने जंगल में उसरुईया-पोंगा गांव के बीच दुलाई नदी पर निर्माणाधीन पुल एवं गार्डवाल के निर्माण कार्य में अवैध तरीके से सारंडा जंगल का पत्थर इस्तेमाल हो रहा है. इसकी शिकायत मिलने पर सारंडा वन प्रमंडल के अधीन कोयना (मनोहरपुर) वन प्रक्षेत्र की टीम ने छापेमारी कर अवैध पत्थर लदा एक ट्रैक्टर को पकड़ने में सफलता पाई है. इसके अलावा जंगल में अवैध पत्थर का बड़ा भंडार भी पाया गया है. पत्थर लदे ट्रैक्टर को वन विभाग की टीम मनोहरपुर ले गई. सारंडा डीएफओ अभिरुप सिन्हा ने पत्थर लदे ट्रैक्टर पकडे.जाने की पुष्टि की है. उन्होंने कहा कि आवश्यक कार्रवाई जारी है.

वन विभाग द्वारा पकड़ा गया ट्रैक्टर व सारंडा में अवैध खनन कर रखा गया पत्थर.

इस पुल का निर्माण पलामू/रांची के ठेकेदार जितेन्द्र प्रसाद गुप्ता द्वारा कराया जा रहा है. ठेकेदार द्वारा इससे पहले भी हतनाबुरु-पोंगा मार्ग पर जंगल के पत्थरों की चोरी कर गार्डवाल बनाने का आरोप लगा था. ग्रामीणों ने मनोहरपुर वन विभाग की टीम को सूचना दी थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई. ग्रामीणों ने बताया कि ठेकेदार धमकी देता था कि उसका वन विभाग के साथ अच्छा संबंध है और उसका कोई कुछ बिगाड़ नहीं सकता. लेकिन इस बार वह वन विभाग के हत्थे चढ़ गया.

उल्लेखनीय है कि इस पुल के निर्माण में भारी भ्रष्टाचार व अनियमितता की शिकायत के बाद सांसद गीता कोड़ा गत वर्ष 14 जुलाई को कार्यस्थल पर पहुंची थी. ठेकेदार के मुंशी द्वारा किसी भी सवाल का जवाब नहीं देने से नाराज सांसद ने पुल निर्माण का कार्य बंद करा दिया था.उन्होंने इस मामले को मुख्यमंत्री, विभागीय मंत्री, उपायुक्त के सामने रखने और पूरे कार्य की जांच कराने की बात कही थी. लेकिन कोई जांच नहीं हुई. ठेकेदार निर्धारित समय पर पुल का निर्माण कार्य भी पूरा नहीं कर सका.

सांसद गीता कोड़ा ने किया था शिलान्यास

दो वर्ष बाद भी पुलिया और सड़क का निर्माण नहीं,ग्रामीण नाराज

- राजाबेड़ा और जोजोगुटू गांव के लोग हैं नाराज

संवाददाता । किरीबुरु

कार्य आवंटन के लगभग दो वर्ष और शिलान्यास के लगभग एक वर्ष बाद भी जोजोगुटू एवं राजाबेड़ा गांव को जोड़ने वाली पुलिया एवं पीसीसी सड़क का निर्माण शुरू नहीं हुआ. इससे दोनों गांवों के ग्रामीणों में भारी आक्रोश है. छोटानागरा पंचायत अन्तर्गत डीएमएफटी फंड से लघु सिंचाई विभाग द्वारा राजाबेड़ा गांव के मुंडा जामदेव चाम्पिया के घर से कोयना नदी तट स्थित जोहरा सिद्धू के घर तक 400 मीटर लम्बी पीसीसी सड़क एवं एक पुलिया निर्माण कार्य का शिलान्यास सांसद गीता कोड़ा ने जुलाई माह में ही किया था. यह पीसीसी सड़क व पुलिया का निर्माण करीब 96.16 लाख रुपये की लागत से किया जाना है. शिलान्यास के दौरान मौजूद कार्य के ठेकेदार ने ग्रामीणों को भरोसा दिया था कि जल्द ही इस कार्य को पूरा कर लिया जायेगा. लेकिन आज तक कार्य शुरू ही नहीं हो सका.

गीता कोड़ा ने किया था योजना का शिलान्यास. (फाइल फोटो)

समय पर काम नहीं करते, परेशानी होती है

जोजोगुटू गांव के ग्रामीणों ने बताया कि यह दुर्भाग्य है कि सारंडा के गांवों की विकास योजनाओं से जुड़ी कार्यों का ठेका तो ठेकेदार ले लेते हैं, लेकिन समय पर कार्य शुरू नहीं करते हैं. इससे ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. ग्रामीणों ने बताया कि पुलिया का निर्माण कार्य प्रारम्भ हुआ था, लेकिन अब तक 8-10 पेटी ठेकेदार बदलने के बाद भी कोई प्रगति नहीं है. पीसीसी सड़क का निर्माण तो प्रारम्भ ही नहीं हुआ है. ग्रामीण जब ठेकेदार को गुणवत्तापूर्ण पुल का जल्द निर्माण करने के लिए कहते हैं तो ठेकेदार उल्टे धमकी देते हैं कि उपायुक्त से शिकायत कर गंभीर मामले में फंसा देंगे.

रेलवे से सेवानिवृत 48 रेल कर्मचारियों को विदाई

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर के रेलवे महात्मा गांधी सभागार में शुक्रवार को विदाई समारोह का आयोजन कर रेलवे से सेवानिवृत होने वाले 48 कर्मचारियों को विदाई दी गई. इस मौके पर मुख्य रूप से मौजूद डीपीओ अमरेंद्र नाथ ने सेवानिवृत कर्मचारियों को उपहार देकर विदाई दी.मौके पर उन्होंने कहा कि सेवानिवृत के बाद मिलने वाली राशि का सेवानिवृत कर्मचारी सही उपयोग करें, किसी के बहकावे में आकर पैसे का गलत उपयोग न करें. यह आपकी जमा पूंजी है जो भविष्य में काम आएगी. उन्होंने कहा कि सेवानिवृत होने वाले कर्मचारी किसी प्रकार की समस्या होने पर कभी भी कार्यालय आकर अधिकारियों से मिल सकते हैं.

तंबाकू निषेध दिवस पर प्राधिकार ने लोगों को किया जागरूक

संवाददाता । चाईबासा

जिला विधिक सेवा प्राधिकार पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा के तत्वावधान में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर लोगों में इसके प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए तथा नशापान से लोगों को दूर रख उन्हें इसके दुष्प्रभाव से अवगत कराने के उद्देश्य प्रभात फेरी का आयोजन किया गया. इस प्रभात फेरी में जिला न्यायालय के सभी न्यायिक पदाधिकारी, न्यायपालिका के कर्मचारी और जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव सहित कर्मचारी तथा अर्ध विधिक स्वयंसेवक (पी एल वी) उपस्थित रहे. प्रभात फेरी सिविल कोर्ट से आरंभ होकर सदर बाजार होते हुए वापस सिविल कोर्ट परिसर में लौट कर आई. मौके पर प्राधिकार के सचिव राजीव कुमार सिंह ने बताया कि डब्लूएचओ सहित दुनिया भर से स्वास्थ्य संगठन तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है.

आदत से बचाना जरूरी : उन्होंने बच्चों विशेष कर किशोरवय लोगों की तंबाकू के प्रति बढ़ते आकर्षण पर चिंता व्यक्त करते हुए इसकी आदत से बचने की बात कही.

झामुमो की वादाखिलाफी से खूंटकट्टी रैयत आज भी आंदोलनरत : बुड़ीउली

संवाददाता । चाईबासा

झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्र ओडिशा के तिरिंग प्रखंड अंतर्गत कुलुगुटू पंचायत, मौजा रामबेड़ा में ग्रामीणों और ईचा डैम से प्रभावितों के साथ ईचा खरकई बांध विरोधी संघ, कोल्हान के अध्यक्ष बीर सिंह बुड़ीउली की अध्यक्षता में शुक्रवार को जन जागरण सह जन आंदोलन चलाया गया.

सचिव सुरेश सोय ने ईचा खरकई बांध से बचाओ के संवैधानिक स्वरूप पर चर्चा कर जागरूकता अभियान का संचालन किया. अभियान का नेतृत्व करते हुए संघ के अध्यक्ष ने कहा कि ईचा डैम से झारखंड और ओडिशा के आदिवासी और मूलवासी विस्थापित हो रहे हैं. झामुमो की वादा खिलाफी से 126 गांव के खूंटकट्टी रैयत आज भी आंदोलनरत हैं. संघ इसे रद्द करने के लिए झारखंड तथा ओडिशा में संयुक्त समन्वय स्थापित कर अभियान चलाएगा. जनांदोलन चला कर झारखंड के 87 गांव और ओडिशा के 37 गांव को संगठित करने का काम कर करेगा, ताकि इस महाविनाशकारी ईचा डैम को रद्द किया जा सके. मौजा के खूंटकट्टी अधिकारयुक्त रैयत, मौजा के मूल प्रवृत्तकों के वंशजों, बंदोबस्त रैयतों, अधिभोगी रैयतों के साथ परियोजना से उक्त ग्राम रामबेड़ा मौजा से विस्थापन के उपरांत ग्रामीणों के अधिकारों पर पड़ने वाले कुप्रभावों को जान जागरण के माध्यम से जागरूक किया गया.

सड़क निर्माण कार्य में अनियमितता का मामला

ग्रामीणों में रोष, काम रोका

संवाददाता । चक्रधरपुर

पश्चिमी सिंहभूम जिला के सोनुवा प्रखंड की लोंजो गांव में ग्रामीणों ने सड़क निर्माण कार्य में अनियमितता बरते जाने को लेकर जमकर हंगामा किया. इस दौरान ग्रामीणों ने कार्य कर रहे मजदूरों को काम करने से मना करते हुये काम बंद करा दिया.ग्रामीणों ने कहा कि जब तक विभाग के अधिकारी जांच के लिए नहीं पहुंचते हैं तब तक काम को शुरु नहीं होने दिया जाएगा.ग्रामीणों ने कहा कि लगभग दो करोड़ रुपये की लागत से लगभग 3.2 किमी मदांगजाहिर से लोंजो तक सड़क मरम्मत कार्य में ठेकेदार द्वारा अनियमतिता बरती जा रही है. कार्य में लापरवाही बरतते हुये घटिया किस्म के मेटेरियल का उपयोग किया जा रहा है, जिससे यह सड़क जल्द ही खराब हो जाएगी.इस मौके पर स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे.

समझाने के बाद ग्रामीण माने: लोंजो गांव में हो रहे सड़क मरम्मत कार्य को लेकर हो रहे हंगामा व कार्य बंद कराये जाने की सूचना मिलने पर ग्रामीण कार्य विभाग चक्रधरपुर के सहायक अभियंता ददन राम व जेई पप्प कुमार लोंजो गांव पहुंचे. जहां अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाया.

टाटा कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल का निधन

चाईबासा । टाटा कॉलेज, चाईबासा के पूर्व प्रिंसपिल सह शिक्षक डॉ जनेश्वर सिंह का शुक्रवार को अहले सुबह निधन हो गया. वह 74 साल के थे. उनका निधन उनके पैतृत्व आवास बिहार के औरंगाबाद जिले के गोह प्रखंड के नगाईना गांव में हुआ. वे अपने कराकट लोकसभा में मतदान करने के लिये गये थे. एक जून को मतदान होना था. लेकिन मतदान से पूर्व ही उनका निधन हो गया. डॉ. सिंह 1976 में टाटा कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग में नियुक्त हुये और वहीं से प्राचार्य रहते हुये सेवा निवृत हुए. 2008 से 2010 तक वे टाटा कॉलेज में प्रिंसिपल रह चुके हैं. टाटा कॉलेज के प्र. प्राचार्य रहते ही कोल्हान विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी गई. वे बेहद सुलझे हुये व्यक्ति और मृदुभाषी इंसान थे.

ब्रह्मोत्सव

तिरुपति से आये पुजारियों ने करवाई पूजा, बांटा गया महाभोग प्रसाद

तीसरे दिन महिलाओं ने की कुमकुम पूजा

संवाददाता । चक्रधरपुर

चक्रधरपुर रेलवे क्षेत्र के पंचमोड़ स्थित भगवान वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर में चल रहे 41वें ब्रह्मोत्सव अनुष्ठान के तीसरे दिन शुक्रवार को महिलाओं ने सामूहिक रुप से कुमकुम पूजा की. कुमकुम पूजा में बड़ी संख्या में महिलाएं इकट्ठा हुई थी. जहां आंध्र प्रदेश के तिरुपति से पहुंचे पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच महिलाओं ने कुमकुम पूजा की. कुमकुम पूजा के बाद दोपहर में महाभोग प्रसाद का वितरण किया गया. इस अवसर पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों से उपस्थित होकर श्रद्धालुओं ने महाभोग प्रसाद ग्रहण किया. इससे पहले सुप्रभातम्, नादस्वरम, तोमलसेवा, विशेष सहस्द्धनाम, लक्ष्य तुलसी पूजा किया गया.वहीं एक दिन पूर्व गुरुवार रात सहस्त्र दीप अलंकार के दौरान मौजूद श्रद्धालुओं ने मंदिर प्रांगण में दीप जलाये. वहां दीपों के बीच भगवान वेंकटेश्वर, माता पद्मावती व माता आंडालू की प्रतिमा को झूले पर झुलाया गया. इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हुये थे.

चक्रधरपुर के बालाजी मंदिर में कुमकुम पूजा करतीं महिलाएं.

विधायक ने बालाजी मंदिर पहुंचकर पूजा -अर्चना की

बालाजी मंदिर में चल रहे 41वें ब्रह्मोत्सव के तीसरे दिन चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव पहुंचे. उन्होंने भगवान वेंकटेश्वर की प्रतिमा के समक्ष माथा टेक कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की. साथ ही वे ब्रह्मोत्सव पूजा में भी शामिल हुए. इस दौरान समिति के सदस्यों ने विधायक सुखराम उरांव को ब्रह्मोत्सव अनुष्ठान के बारे में विस्तृत जानकारी दी.

शर्मसार हुई मानवता, संस्था को सौंपी गई बच्ची

मां का बेटी को अपनाने से इनकार

संवाददाता। किरीबुरू

किरीबुरु में मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना घटी. इस घटना के दो अहम पात्र मां और पिता ने अपनी छह वर्ष की बच्ची को अपनाने से इनकार कर दिया. इसके बाद किरीबुरु थाने में न्याय सलाह केन्द्र की पारा लिगल रीना दास, पुलिस पदाधिकारी की उपस्थिति में उक्त बच्ची को बेहतर परवरिश चाइल्ड लाइन, चाईबासा से आये पदाधिकारियों को सौंप दिया गया.

इस नाबालिग बच्ची को दो दिन पूर्व देर रात किरीबुरु में घूमते स्थानीय युवकों ने सुरक्षित अपने अधीन लेकर किरीबुरु पुलिस को सौंपा. किरीबुरु पुलिस ने इस बच्ची की देखभाल की जिम्मेदारी एस्पायर संस्था को देते हुये उसके माता-पिता की खोज प्रारम्भ की. अगले दिन सुबह पता चला कि यह बच्ची मेन मार्केट में रहने वाली एक महिला की है. वह महिला इस बच्ची को अपने साथ नहीं रखती है, जिस कारण बच्ची जहां तहां सोती है और किसी से कुछ मांगकर पेट भरती है.

पूरे मामले की जांच की गई तथा बच्ची की मां को थाने बुलाकर उसे सौंपने की जब बात आयी तो अपनी कोख में नौ माह तक पालकर जन्म देने वाली बच्ची की मां ने उसे लेने से इनकार कर दिया. कारण जब पूछा गया तो महिला ने बताया कि हम पहले पति को छोड़ दूसरी शादी कर लिए हैं. महिला के साथ आया उसका दूसरे पति ने भी बच्ची को अपनाने से इनकार कर दिया.

मासूम बच्ची चाइल्ड लाइन व पारा लिगल सदस्यों के साथ. थाना में बच्ची के पास खडी उसकी मां और कथित पिता.

लगातार हत्या, बलात्कार एवं नशीले पदार्थों की खरीद बिक्री करने वाले पकड़े जा रहे, कई को भेजा जा चुका है जेल

एजुकेशन हब के रूप में मशहूर कोर मटवारी बना अपराधियों का बसेरा

संवाददाता। हजारीबाग

एजुकेशन हब के नाम से जाने जाना वाला शहर इन दिनों अपराधियों का बसेरा बन चुका है. कोर्रा थाना क्षेत्र का इलाका एजुकेशन का हब माना जाता है. यहां कोर्रा और मटवारी में विद्यार्थी पढ़ने के लिए प्रदेश के विभिन्न जिलों से आते हैं. यहां विद्यार्थियों को आसानी से लॉज उपलब्ध हो जाता है. इसी की आड़ में अपराधी इस क्षेत्र में अपना बसेरा बना चुके हैं. इसका खुलासा पुलिस का रजिस्टर करता है. इस क्षेत्र में लगातार हत्या, बलात्कार, अफीम तस्करी, ड्रग्स एवं नशीले पदार्थों की खरीद बिक्री करने वाले अपराधी पकड़े जा रहे हैं. बताते चलें कि इस क्षेत्र में लॉज की संख्या ज्यादा है. यहां लोगों ने व्यवसाय के उद्देश्य से मकान बनाए हैं. यहां मनचाहा किराया भी इन्हें मिलता है. इसी का लाभ अपराधी उठा रहे हैं. अगर पुलिस अपनी टेक्निकल सेल का उपयोग करें तो इस क्षेत्र में दर्जन भर अपराधी मिल जाएंगे. क्षेत्र में पूर्व के कोरा थाना प्रभारी कई बार कार्रवाई कर चुके हैं. कई अपराधियों को जेल भी भेज चुके हैं.

मीडिया से मुखातिब पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार.

खास बातें

- कोर्रा थाना क्षेत्र में लॉज की संख्या काफी अधिक
- यहां लोगों ने व्यवसाय के उद्देश्य से बनाए हैं मकान
- पुलिस जांच करें तो इस क्षेत्र में कई अपराधी मिल जाएंगे

अपराधियों को कमरा देने वाले मकान मालिक किए जा रहे चिन्हित

इस संबंध में पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने पूछे जाने पर कहा कि पुलिस जांच करती रहती है. उन्होंने यह भी कहा कि वैसे मकान मालिक को चिन्हित किया जा रहा है, जिनके यहां अपराधियों को कमरा दिया जाता है. अगर किसी भी लॉज में अपराधी पकड़े जाते हैं तो अपराधी पर तो कार्रवाई होगी ही मकान मालिक को भी छोड़ नहीं जाएगा.

कहते हैं विद्यार्थी, हजारीबाग के लॉज में है मौज

गुरुवार को नाम नहीं छापने की शर्त पर विद्यार्थियों ने बताया कि इस क्षेत्र में अब मौज करने के लिए भी लोग लॉज ले रहे हैं. यहां गिरिडीह, जामताड़ा, धनबाद से लोग आते हैं और पैसे का लालच देकर मकान ले लेते हैं. वे कुछ दिनों तक मौज करते हैं, फिर क्षेत्र को बदल देते हैं. इन्हीं लोगों की वजह से हम विद्यार्थियों को भी मकान लेने में किराया ज्यादा देना पड़ता है. विद्यार्थी जब रूम लेते हैं तो वह साल, दो साल, तीन साल के लिए लेते हैं, लेकिन जो मनोरंजन करने वाले होते हैं, वे महीना और 15 दिन ही रहते हैं. वे अपने मिशन में कामयाब हो जाने के बाद फिर वापस चले जाते हैं. इन लोगों की वजह से हम विद्यार्थियों को पढ़ने लिखने में परेशानी होती है. यहां तक कि मकान भी सस्ता नहीं मिल पाता है. विद्यार्थियों ने यह भी कहा कि अगर कोई मकान किराया पर लेता है तो उसका पहचान पत्र लेकर मकान मालिक लेता है तो पुलिस को भी अपराधियों तक पहुंचने में आसान होगी. अब तक कई ऐसी घटनाएं यहां हो चुकी हैं और अपराधी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं. अगर पहचान पत्र होता तो पुलिस अपराधियों तक पहुंच जाती.

चिन्हित कर अतिक्रमण हटाए जाएंगे : गौतम

जयनगर में सरकारी भूमि पर बनाए जा रहे हैं अबुआ आवास

संवाददाता। जयनगर

- जयनगर मोदी मोहल्ला रोड पर भी अतिक्रमण कर कब्जा किया जा रहा

प्रखंड में अतिक्रमणकारियों का दबदबा बढ़ता ही जा रहा है. पेठियाबागी मुख्य बाजार से जयनगर थाना चौक तक अतिक्रमणकारियों का कब्जा है. वहीं पीपचो में सरकारी जमीन पर कब्जा कर अबुआ आवास बनाया जा रहा है. वहीं जयनगर मोदी मोहल्ला रोड पर भी अतिक्रमण कर कब्जा किया जा रहा है.

प्रखंड मुख्यालय परिसर के भी आसपास की सरकारी जमीन पर लोगों ने अवैध कब्जा कर चहारदीवारी और घर बना लिया है. प्रखंड प्रशासन की ओर से पूर्व में मापी कर अतिक्रमणकारियों को चिन्हित किया गया था. इसके बावजूद कार्रवाई नहीं हुई. ग्रामीणों ने बताया कि जयनगर चौक से लेकर थाना तक कई लोग अवैध रूप से मकान बनाकर अपना व्यवसाय चला रहे हैं. वही पीपचो में खाता नंबर 103 प्लॉट 1938 एवं 1936 में कई लोग सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर मकान के अलावा अबुआ आवास बना रहे हैं. अतिक्रमण के कारण पेठियाबागी, जयनगर पीपचो में कई बार सड़क दुर्घटना भी हो चुकी है. प्रभारी अंचल अधिकारी ने गौतम कुमार बताया कि अतिक्रमण हटाने के लिए जिला प्रशासन से मार्गदर्शन मांगा गया है, शीघ्र चिन्हित कर अतिक्रमण हटाया जाएगा.

ब्रीफ खबरें

भैंस लदे तीन वाहन पकड़े, छह गिरफ्तार

हजारीबाग। कोर्रा थाना क्षेत्र में भैंस लादकर धनबाद ले जाने के क्रम में पुलिस ने तीन पिकअप वाहनों को पकड़ा. इस मामले में पुलिस ने तीनों वाहनों के चालकों और तीन सहयोगियों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों में राजीव कुमार, राजदेव सिंह, हरेंद्र सिंह, चंद्रेश्वर सिंह व अन्य शामिल हैं. पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर पुलिस ने आरोपियों को न्यायिक रियासत में भेज दिया है. बताया गया है कि बिहार के भोजपुरी गांव से तीन पिकअप में 16 भैंसों को बांधकर धनबाद ले जाया जा रहा था.

हादसे में दो युवक गंभीर रूप से घायल

चौपारण। प्रखंड के महुदि मोड़ के पास बाइक दुर्घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए. जानकारी के अनुसार शीतल भुईयां एवं विक्रम भुईया बसरिया निवासी लड़की देखकर अपनी बाइक से बसरिया अपना घर जा रहा था. इसी बीच, महुदि मोड़ के समीप अज्ञात वाहन से बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए. दोनों घायल युवकों को आनन फानन बेहोशी की हालत में सामुदायिक अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया, जहां से चिकित्सकों ने घायलों को हजारीबाग रेफर कर दिया.

चौपारण भाजपा के वरिष्ठ नेता का निधन

चौपारण। प्रखंड के ग्राम नीमा निवासी वरिष्ठ भाजपा नेता सह चैय परगना कुशवाहा समाज के सचिव रहे प्रमोद दांगी के असामयिक निधन की खबर पाकर शोकाकुल परिवार से मिलने पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव उनके आवास पहुंचे. इस दौरान शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया तथा दुख की बेला में हर तरह से सहयोग की बात कही. उन्होंने कहा कि अपने जीवनकाल में प्रमोद दांगी ने हर सुख दुख में कंधे से कंधा मिलाकर काम किया.

सेवानिवृत्त शिक्षक का निधन, शोक की लहर

चौपारण। प्रखंड की झापा पंचायत के सूजी निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक कमल राम का निधन गुरुवार देर शाम हो गया, जिनके पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार गांव के ही शमशान घाट में शुक्रवार को हुआ. मुखाग्नि बड़े पुत्र मुकेश कुमार अंगार ने दी. बता दें कि कमल राम 38 वर्षों तक शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए 2012 में इटखोरी प्रखंड के मध्य विद्यालय नेरचाखुर्द से सेवानिवृत्त हुए थे. कुछ वर्षों से उनकी तबीयत खराब चल रही थी.

भू-रैयत महिला से मारपीट के मामले ने पकड़ा तूल, पीड़िता से मिले जायसवाल, कहा

महिला आयोग में करेंगे शिकायत

संवाददाता। हजारीबाग

जिले के केरेडारी प्रखंड क्षेत्र के विस्थापितों का दर्द विकराल होता जा रहा है. बीती 22 मई को यहां एनटीपीसी के केरेडारी कोल माइंस में पांडू, आगर टोला में मुआवजा, विस्थापन एवं पुनर्वास की मांग कर रहे स्थानीय भू-रैयत मीणा देवी के साथ यहां कार्यरत एनटीपीसी की सहयोगी कंपनी बीजीआर के अधिकारियों द्वारा बिना मुआवजा दिए मारपीट किए जाने, उनके घर को जबरन तोड़े जाने और घर टूटने की स्थिति में टेंट पर रहने के दौरान प्रताड़ित किए जाने के मामले को हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी सह हजारीबाग सदर विधायक मनीष जायसवाल ने गंभीरता से लिया है. वे इस संबंध में वायरल वीडियो की सत्यता की जांच करने शुक्रवार को ग्राउंड जीरो पहुंचे और संबंधित मामले की गहनता से जांच की. भुक्तभोगी रैयत महिला से मिलकर पूरी घटना की जानकारी ली तो कई चौंकाने वाली बातें सामने आईं. मीणा देवी ने बताया कि कि बिना विस्थापन के बीजीआर कंपनी द्वारा हम लोगों का घर तोड़ दिया गया. छोटे से घर में हमारा पूरा परिवार पांडू गांव में निवास करता था और बच्चे पढ़ाई करते थे, लेकिन माइनिंग के कारण हमारे घर को ध्वस्त कर दिया गया. इसके कारण हम पूरे परिवार कुछ दिनों तक तंबू में रहने के लिए मजबूर हुए. फिर बीजीआर कंपनी के लोगों और कंपनी के दलालों ने हमारे साथ मारपीट की, परिवार को घर से जबरन निकाल दिया और जेसीबी से 23 मई को पूरा घर ध्वस्त करवा दिया. इसके विरोध में गांव के ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया, फिर मुआवजा दिया गया लेकिन विस्थापन अब तक नहीं मिला है. मेरे साथ घटी घटना को लेकर मैंने स्थानीय केरेडारी थाना, एसडीओ, एसपी और डीसी को आवेदन दिया. बावजूद इसके कोई कार्रवाई नहीं हुई. वहीं अन्य रैयत ग्रामीणों ने कहा कि वे अपनी जमीन और कृषि योग्य भूमि नहीं खोना होना चाहते हैं, लेकिन कंपनी जबरन हम लोगों की जमीन छीन रही है, जिसके कारण हमलोग बेघर हो रहे हैं.

केरेडारी प्रखंड क्षेत्र के विस्थापितों से मिलने पहुंचे सदर विधायक मनीष जायसवाल.

खास बातें

- बीजीआर कंपनी, प्रशासन की मिलीभगत से ग्रामीण परेशान
- कहा-राज्य सरकार तस्करी में मशगूल, जनता बेहाल

जनहित के हर मुद्दे को जनता की आवाज बनकर पुरजोर तरीके से उठाएंगे : मनीष

पांडू में पीड़ित भू रैयत महिला की पीड़ा सुनने के जायसवाल ने कहा कि वह इस संबंध में महिला आयोग और मानवाधिकार आयोग में लिखित शिकायत करेंगे और हरसंभव ग्रामीणों के पक्ष में खड़े होकर न्याय के लिए लड़ेंगे. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जन कल्याण के कार्यों को छोड़कर केवल बालू, कोयला तस्करी, ट्रांसफर- पोस्टिंग के उद्योग- धंधे में लगी हुई है. हेमंत सोरेन की पार्ट 2 की सरकार भी निकम्मी है, जिसके कारण आज राज्य की जनता बदहाली की जिंदगी जीने के लिए विवश हो रही है. किसी भी तरह से उन्हें सिर्फ अपना कमीशन लेना है. कोयला, बालू के उद्योग धंधे चलाने हैं, ग्रामीणों की जमीन हड़पने हैं, उन्हें विस्थापन नहीं करना है, बल्कि उनकी जायदाद को लूटना है और जान जोखिम में डालकर उन्हें उनके हाल में ही छोड़ देना है. उन्होंने कहा कि कोयले के निराले खेल में राज्य सरकार बीजीआर कंपनी और स्थानीय प्रशासन की मिलीभगत से ग्रामीणों का भयादोहन हो रहा है. इसकी जिम्मेवार केवल राज्य सरकार है. मौलिक अधिकार का हनन राज्य सरकार के माध्यम से किया जा रहा है. इसके खिलाफ हम हरसंभव जनहित की लड़ाई लड़ेंगे और 4 जून को लोकसभा परिणाम आने के बाद हमारी लड़ाई और तेज होगी. कोयला, बालू, ट्रांसफर- पोस्टिंग का धंधा करने वाली सरकार के खिलाफ हमारी उलगुलान होगी.

बसरिया बाज़ारटांड़ मैदान में ग्रामीणों से मिले मनीष

पांडू ग्राम से लौटने के क्रम में मनीष जायसवाल ने बसरिया बाज़ार टांड़ में उनके इंतजार में बैठे केरेडारी कोल खनन परियोजना के विस्थापित और प्रभावित करीब आधा दर्जन से अधिक गांवों के हजारों लोगों से संवाद किया. इस क्षेत्र के बसरिया, बेंगवारी, पांडू, तरहेसा, बालेदरी, लोचर, कोदवे के ग्रामीणों ने अपने दर्द को बयां करते हुए विस्थापित और पुनर्वास की पूर्ण सुविधा नहीं मिलने, प्रदूषण की विकराल समस्या का समाधान करने और रोजगार सृजन की दिशा में उचित मांगों को रखा. जायसवाल ने गंभीरता से विस्थापितों की बातों को सुना और कहा कि फिलहाल मैं पांडू में एक भू- रैयत महिला के साथ हुए अत्याचार और अमानवीय कृत्य की सच्चाई की जांच के लिए पहुंचा था. प्रथम दृष्टया घटना सत्य पाई है. अब जल्द ही स्थानीय पुलिस और जिला प्रशासन से बात करेंगे एवं महिला आयोग और मानवाधिकार आयोग तक मामले को लेकर जायेंगे. आपकी व्यथा जायज है और अगर 4 जून को सुखद परिणाम आया तो निश्चित रूप से आपके हक और अधिकार की लड़ाई लड़ूंगा.

सीसीएल रजरप्पा में विदाई समारोह का आयोजन

सेवानिवृत्तकर्मियों को उपहार देकर किया गया सम्मानित

सेवानिवृत्त कर्मचारी को सम्मानित करते सीसीएल के पदाधिकारी.

संवाददाता। रामगढ़

सीसीएल रजरप्पा स्थित महाप्रबंधक कार्यालय में शुक्रवार को विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. समारोह में मुख्य रूप से सीसीएल रजरप्पा के स्टाफ ऑफिसर पर्सनल मनोज कुमार मौजूद थे. इस दौरान मई माह में रजरप्पा क्षेत्र से सेवानिवृत्त हुए चार सीसीएल कर्मियों को सम्मानित कर भावभीनी विदाई दी गई. मौके पर सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को मुख्य अतिथि द्वारा उपहार देकर सम्मानित किया गया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई.

उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति जीवन का हिस्सा है, जो सभी लोगों के जीवन में एक बार आता है. इस दौरान उन्होंने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को उनके बेहतर स्वास्थ्य की भी कामना की. कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन एरिया वेलफेयर ऑफिसर आशीष झा ने किया. मौके पर सहायक प्रबंधक (पर्सनल) सिम्मी सुप्रिया टोप्पो, विकाश कुमार, विकाश कच्छप, यूनियन प्रतिनिधि चंद्रेश्वर सिंह, आरपी सिंह, रविंद्र वर्मा, धनेश्वर राम, झलकु महतो, अरुण चौधरी सहित कई मौजूद थे. रजरप्पा स्थित महाप्रबंधक कार्यालय में आयोजित सम्मान सह विदाई समारोह में ग्रेडर ऑपरेटर दिनेश सिंह, फोरमैन इलेक्ट्रिकल तपन कुमार महादानी, ऑपरेटर ग्रेड वन करमा भुइयां, मेकेनिकल फिटर रामदेव मांझी को भावभीनी विदाई दी गई.

खास बातें

- सेवानिवृत्त हुए चार सीसीएल कर्मियों को दी गई विदाई
- मनोज कुमार ने कहा, जीवन का हिस्सा है सेवानिवृत्ति

झारखंड की लोक संस्कृति का महान पर्व है मंडा : योगेंद्र प्रसाद

मुरुबंदा में धूमधाम से मना मंडा पर्व

संवाददाता। रामगढ़

चितरपुर के मुरुबंदा में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी गुरुवार को धूमधाम से मंडा पर्व मनाया गया. इस दौरान रात्रि को छउ नृत्य का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें रांची के बारीडीह और सरगडीह के कलाकारों ने एक से बढ़कर एक छऊ नृत्य और गीत प्रस्तुत किया. रातभर दर्शकों ने कार्यक्रम का लुत्फ उठाया.

मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष योगेंद्र प्रसाद ने फीता काटकर छऊ नृत्य कार्यक्रम का उद्घाटन किया. मौके पर उन्होंने कहा कि मंडा पर्व हमारे पूर्वजों की देन है, जिसे सैकड़ों साल से हम मनाते आ रहे हैं. मंडा पर्व झारखंड के लोक संस्कृति का महान त्योहार है, जिसे हम भक्ति भाव से मनाते हैं एवं पूरी पंचायत में सुख समृद्धि की कामना के लिए मां पार्वती व भोले शंकर की आराधना करते हैं. बुधवार से ही निर्जला उपवास रख शिव भक्तों ने दहकते अंगारों पर नंगे पांव चलकर भक्ति की परीक्षा दी.

मौके पर समाजसेवी चित्रगुप्त महतो, युगेश महतो, गोपाल महतो, परीक्षित महतो, अशोक राम बेदिया, रामलगन नायक, देवधारी करमाली, नंदकिशोर प्रसाद, राजेश कुमार, भोला कुमार, सुनील कुमार, भूपेंद्र कुमार सहित कई मौजूद थे.

कार्यक्रम को संबोधित करते राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष योगेंद्र प्रसाद.

खास बातें

- कलाकारों ने छऊ नृत्य और गीत प्रस्तुत कर बांधा समां
- रातभर दर्शकों ने कार्यक्रम का जमकर उठाया लुत्फ

जोरदाग मध्य विद्यालय में विद्यार्थियों को स्वच्छता के महत्व के बारे में किया गया जागरूक

एनटीपीसी के अधिकारियों ने किया श्रमदान

संवाददाता। केरेडारी

एनटीपीसी चट्टी बरियातु कोयला खनन परियोजना के अधिकारियों ने शुक्रवार को जोरदाग मध्य विद्यालय में श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया. यह कार्यक्रम एनटीपीसी चट्टी बरियातु परियोजना द्वारा आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा 2024 के अंतर्गत आयोजित किया गया. स्वच्छता पखवाड़ा 16 मई 2024 से 31 मई 2024 तक मनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य स्वच्छता और स्वच्छ वातावरण को प्रोत्साहित करना है. कार्यक्रम चट्टी बरियातु के वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया. अधिकारियों ने परिसर में सफाई कार्य में हिस्सा लिया और छात्रों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया. अधिकारियों ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि "स्वच्छता केवल एक दिन की गतिविधि नहीं है, बल्कि यह एक दैनिक आदत होनी चाहिए. हमें अपने आसपास के वातावरण को साफ और स्वच्छ रखना चाहिए, जिससे हम सभी स्वस्थ और सुरक्षित रह सकें." उन्होंने बच्चों को स्वच्छता का पालन करने और अपने घर, विद्यालय और समाज को स्वच्छ बनाए रखने का संकल्प दिलाया. चट्टी बरियातु ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, केरेडारी मे डस्टबिन का भी वितरण किया.

जोरदाग मध्य विद्यालय में श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया गया.

कई अन्य गतिविधियां भी आयोजित की जा रहीं

स्वच्छता पखवाड़ा 2024 के अंतर्गत एनटीपीसी चट्टी बरियातु परियोजना द्वारा कई अन्य गतिविधियां भी आयोजित की जा रही हैं, जिनमें विभिन्न स्वच्छता अभियानों, जागरूकता कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का आयोजन शामिल है. एनटीपीसी चट्टी बरियातु के अधिकारियों द्वारा जोरदाग मध्य विद्यालय में किए गए श्रमदान ने न केवल बच्चों को प्रोत्साहित किया, बल्कि स्वच्छता के प्रति एक मजबूत संदेश भी दिया. आज के कार्यक्रम में उप महाप्रबंधक विजय किशोर, यतीश कुमार, नीरज गौतम एवं वरिष्ठ प्रबंधक बी नवीन कुमार एवं अन्य अधिकारियों ने कार्यक्रम को सफल बनाया.

बैठक भुरकुंडा रोड सेल समिति ने सीसीएल को दिया अल्टीमेटम, कहा- प्रबंधन की हैं ढुलमुल नीतियां

सीसीएल रोड सेल चालू करे, अन्यथा ट्रांसपोर्टिंग कार्य होगा बंद

संवाददाता। रामगढ़

भुरकुंडा कोलियरी रोड सेल समिति के प्रतिनिधियों की बैठक शुक्रवार को लोवर सिमाना खान परिसर में हुई. इसकी अध्यक्षता गिरधारी गोप व संचालन सरोज कांत झा ने की. बैठक में रोड सेल शीघ्र चालू करने को लेकर विचार-विमर्श किया गया. बैठक में सभी प्रतिनिधियों ने एक स्वर में कहा कि स्थानीय सीसीएल प्रबंधन की ढुलमुल नीतियों के कारण अब तक रोड सेल चालू नहीं हो पाया है.

रोड सेल समिति सभी वंचित विस्थापितों और प्रभावितों को रोड से जोड़ना चाहती है, परंतु कुछ मुट्ठी भर विस्थापित 40 वर्षों से चली आ रही रोड सेल व्यवस्था को ध्वस्त कर अपनी नई व्यवस्था चाहते हैं, जिसे रोड सेल समिति कभी स्वीकार नहीं करेगी. कहा गया कि रोड सेल को बाधित करने वाले लोगों के पास कोई मजदूर आधार नहीं है, जबकि भुरकुंडा रोड सेल का आधार मजदूर ही है. आज भी चार हजार से ज्यादा मजदूर जुडे.हुए हैं. पिछले 10 वर्षों से पेलोडर मशीन द्वारा कोयला लोडिंग का कार्य किया जाता रहा है. उसके बाद भी मजदूरों को वहीं मजदूरी देने का कार्य रोड सेल करते आ रही है और आगे भी जारी रखेगी. वक्ताओं ने कहा कि कुछ लोग मशीन की आड़ में अपनी स्वार्थ पूर्ति करना चाहते हैं और मजदूरों को उसके हक से वंचित करना चाहते हैं, लेकिन उन लोगों की मंशा कभी पूरी नहीं होगी, क्योंकि लोकल सेल का आधार मजदूर ही है.

भुरकुंडा कोलियरी रोड सेल समिति के प्रतिनिधियों की बैठक शुक्रवार को लोवर सिमाना खान परिसर में हुई.

रोड सेल समिति वंचितों से वार्ता भी जारी रखेगी

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सीसीएल प्रबंधन 5 जून तक रोड सेल चालू करे अन्यथा 7 जून से बलकुदरा ट्रांसपोर्टिंग कार्य अनिश्चितकालीन समय के लिए बंद कर दिया गया जाएगा. साथ ही रोड सेल समिति वंचित विस्थापित-प्रभावितों से वार्ता भी जारी रखेगी और अपील करेगी कि वंचित विस्थापित-प्रभावित जो सकारात्मक रूप से रोड सेल से जुड़ना चाहते हैं उनका स्वागत है. मौके पर मनोज मांझी, विकास सोरने, रामदेव मुंडा, गोविंद करमाली, गणेश बेदिया, राजन तूरी, संतोष उरांव, संतोष पासवान, रॉवेल एक्का, रामदास बेदिया, बालेश्वर पासवान, मुकेश पासवान, जुगल पासवान, गोविंद बड़ाईक, शिवलाल बेदिया, क्यूम अंसारी, आजाद अंसारी, इस्लाम अंसारी, दर्शन गंझू, हरिशंकर चौधरी, बागेश करमाली, प्रेम कुमार साहू, रमन शर्मा, अमरेंद्र प्रसाद, अजय सिंह, रविन्द्र सिंह, संजय मिश्रा, रॉबिन मुखर्जी, सुनील बैठा, दिनेश मेहता, शंकर पासवान, द्रोपती देवी, अनिल सोनी, बबन पांडेय, अशोक तिवारी, उत्तम कुमार सहित सैकड़ो प्रतिनिधि उपस्थित थे

जिप सदस्य के प्रयास से लगा ट्रांसफार्मर

टेकवाडीह मोहल्ले के ग्रामीणों को भीषण गर्मी में मिली राहत

संवाददाता। विष्णुगढ़

एक ओर जहां बिजली विभाग ने चुनाव आचार संहिता का हवाला देकर ट्रांसफार्मर लगाने में असमर्थता जताते हुए ग्रामीणों की मुश्किलों से किनारा कर लिया था, वहीं विष्णुगढ़ मध्य के जिला परिषद सदस्य शेख तैयब ने ट्रांसफार्मर दिलाकर लोगों की वाहवाही लूट ली. मामला प्रखंड की नवादा पंचायत अंतर्गत टेकवाडीह मोहल्ले का है. लगभग 15 दिन पूर्व वहां का ट्रांसफार्मर जल गया था. बिजली के अभाव में एक तरफ ग्रामीणों की रातें अंधेरे के साथ साथ गर्मी में गुजर रही थीं, तो वहीं दूसरी तरफ आग उगलते सूरज की तपिश से दिन में जीना दूभर हो गया था. ऐसे में जिप सदस्य संकट मोचक बन गए. उनके प्रयास से गुरुवार को टेकवाडीह को नया ट्रांसफार्मर मिल गया. नया ट्रांसफार्मर हासिल करने की ग्रामीणों की कोशिशें जब असफल हो गयी तब उन्होंने जिला पार्षद से संपर्क कर उनसे ट्रांसफार्मर दिलाने की गुहार लगाई. ग्रामीणों ने उनका आभार जताया. मोहल्ले वासियों के आग्रह पर जिप सदस्य ट्रांसफार्मर के उद्घाटन पर मौजूद रहे. उद्घाटन मौलवी अब्दुल जलील अंसारी ने किया. मौके पर प्रमुख प्रतिनिधि मो. बिलाल, मो. जाबिर, अलीम अंसारी, मो. हयात अंसारी, वली मोहम्मद, वहाब अंसारी व अन्य मौजूद थे.

मुद्दा विशेष

बिजली के लिए तरस रहे हैं लोग, दिनचर्या हो रही प्रभावित

गर्मी में बिजली गुल

परेशानी ही परेशानी

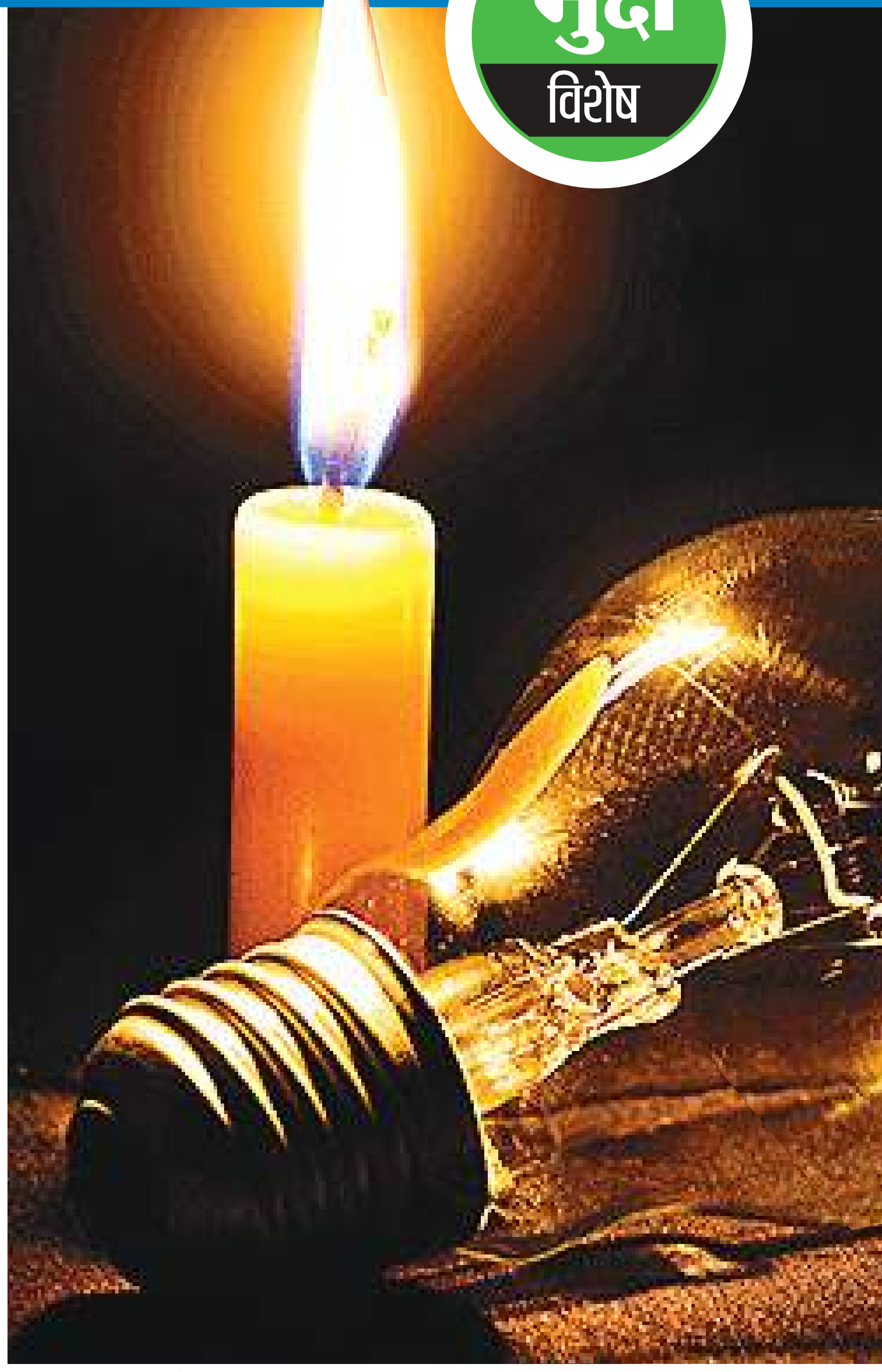

भीषण गर्मी में बिजली की खपत बढ़ गई है. पर कुछ जगहों को छोड़कर बिजली की हालत ठीक नहीं है. लोडशेडिंग कर बिजली दी जा रही है. इससे आम लोग परेशान हैं. बिजली गुल रहने से इस गर्मी में लोग सो नहीं पा रहे हैं और उनकी दिनचर्या प्रभावित हो रही हैं. आमतौर पर राजधानी रांची सहित कई शहरों में तेज हवा के साथ बारिश शुरू होते ही बिजली काट दी जाती है. इससे भी लोग परेशान हैं. धनबाद, बोकारो, जमशेदपुर में बिजली की स्थिति ऐसी है कि इसे लेकर लोगों में आक्रोश है. हालांकि सरकारी स्तर पर ठीक-ठाक बिजली आपूर्ति का दावा किया जाता रहा है.पर स्थिति वैसी नहीं है. पिछले एक दशक पर गौर करें तो बिजली की आपूर्ति और खपत में थोड़ा बहुत सुधार जरुर आया है. पर बढ़ती जनसंख्या और कल-कारखानों की वजह से इस स्थिति में गुणात्मक सुधार नहीं देखा जा रहा है. ग्रामीण इलाकों में भी बिजली आपूर्ति की स्थिति ठीक नहीं हैं. शुभम संदेश की टीम ने इस संबंध में विभिन्न जिलों में लोगों से बात की है. पेश है रिपोर्ट.

1. *लोडशेडिंग कर की जा रही है बिजली की आपूर्ति*
2. *गर्मी की वजह से लोग सो नहीं पा रहे हैं*
3. *कई कई घंटे बिजली नहीं रहने से कामकाज प्रभावित*
4. *बच्चों की पढ़ाई पर भी पड़ रहा है असर*

धनबाद

हम लोगों को रोज झेलनी पड़ती है लोड शेडिंग की समस्या : शिवांश श्रीवास्तव

धनबाद पाथरडीह अजमेरा के रहने वाले शिवांश श्रीवास्तव ने कहा कि धनबाद शहर औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण पहले 250 मेगावाट की सप्लाई थी, इस बार गर्मी में यहां की खपत बढ़ कर लगभग 290 मेगावाट हो गयी है, इस कारण लोड शेडिंग की समस्या रोज झेलनी पड़ रही है. उन्होंने कहा कि इस भीषण गर्मी में धनबाद शहरी क्षेत्र में लगभग 10 से 12 घंटे की बिजली कटौती की जा रही है .ग्रामीण क्षेत्र में 16 से 18 घंटे लोड शेडिंग की जा रही है.शहर वासियों को विभाग द्वारा पहले ही बता दी जाती है कि कितने देर की लोड शेडिंग है, परंतु ग्रामीणों को इसकी जानकारी तक नहीं रहती है कि कब बिजली आएगी और कब जाएगी.

12 से 15 घंटे बिजली कटौती, इसका सबसे ज्यादा विद्यार्थियों पर असर : प्राची चौबे

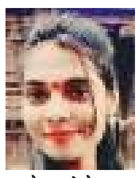

धनबाद पाथरडीह की रहने वाली प्राची चौबे ने कहा कि इस भीषण गर्मी में पाथरडीह क्षेत्र में रोजाना तकरीबन 12 से 15 घंटे बिजली की कटौती की जाती हैं. यह कटौती किस लिए की जाती है इसकी कोई जानकारी उपभोगताओं को नहीं दी जाती है .बिजली कटौती से सबसे अधिक प्रभाव हम विद्यार्थियों पर होता है, जो न इस भीषण गर्मी में पढ़ पा रहे हैं और न ही ठीक से सो पा रहे.उन्होंने कहा बिजली कटौती पहले ही हमारी महत्वपूर्ण परीक्षाओं पर असर डाल चुका है, अब ऐसा लग रहा है कि आने वाली परीक्षाओं की तैयारियो पर भी यह लोड शेडिंग असर डालेगा. बावजूद इसके विभाग पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा. विभाग को बस समय पर बिजली बिल का भुगतान चाहिए.

गर्मी में व्यवस्था चरमरा जाती है, बिजली कटौती से पूरा धनबाद शहर परेशान है : पुष्पा महतो

धनबाद पाण्डरपाला की रहने वाली पुष्पा महतो ने कहा कि इस भीषण गर्मी में पूरी तरह धनबाद की जनता बिजली कटौती से त्राहिमाम कर रही है.पिछले दो-चार दिनों से 18 से 20 घंटे बिजली काट दी जा रही है जो धनबाद के लिए कोई नई बात नही है. हर गर्मी में बिजली विभाग की व्यवस्था यूं ही चरमराई रहती है.उन्होंने कहा कि धनबाद में इस भीषण गर्मी में बिजली का रिक्वारमेंट 300 मेगावाट है लेकिन डीवीसी मात्र 180 मेगावाट ही बिजली की सप्लाई कर रहा है. इस डिफरेंस को पूरा करने के लिए विभाग लोड शेडिंग के नाम पर बिजली कटौती कर रहा है , जिससे आम जनता परेशान है.विभाग को मेट्रो सिटी की तरह इसमें सुधार करने की जरूरत है.

कटौती नई बात नहीं, पर समझ में नहीं आता कि सुधार क्यों नहीं होता है : सचिन कुमार महतो

धनबाद पाण्डरपाला के रहने वाले सचिन कुमार महतो ने कहा कि बिजली कटौती धनबाद के लिए कोई नई बात नहीं है. यह समस्या वर्षों से चली आ रही है. बावजूद इसके विभाग कोई सुधार नहीं कर पा रहा है .जिससे आम लोग इस तपती धूप में त्राहिमाम कर रहे है.पिछले कुछ दिनों से 12 -16 घंटे बिजली कट की जा रही है.बिजली कट क्यों हो रही है इसकी जानकारी नहीं है.किसी से पूछने पर पता चलता है.लोड शेडिंग आखिर क्यों .जब हमारे कोयले से पूरा देश रोशन हो रहा है तो हमारा शहर अंधकार में क्यों.विभाग को इस पर सख्त कदम उठाने की जरूरत है.

रोज 8 से 10 घंटे बिजली कटती है : पूजा यादव

धनबाद हीरापुर की रहने वाली पूजा यादव ने कहा कि जिले में भीषण गर्मी के कारण एक ओर जहां लोग काफी परेशान हैं तो दूसरी ओर बिजली कटौती और लो वोल्टेज के कारण समस्या बढ़ी हुई है.प्रतिदिन 8 से 10 घंटे बिजली काट दी जाती है.इस भीषण गर्मी में बिजली कटौती के कारण लोगों में बिजली विभाग के प्रति काफी रोष व्याप्त है.बिजली कटौती से विभिन्न प्रकार की समस्याएं उत्पन्न हो रही है.आनलाइन पढ़ाई नहीं हो पा रही है.

चक्रधरपुर

दिन में भीषण गर्मी और रात में बिजली गुल सुधार नहीं आया तो आंदोलन : राकेश साव

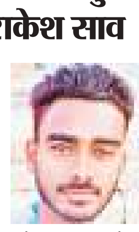

चक्रधरपुर निवासी राकेश साव ने कहा कि भीषण गर्मी के बीच रात में बिजली ने परेशान कर रखा है. दिन में भीषण गर्मी तो रात में बिजली रुला रही है.रोजाना रात में कई बार बिजली काट दी जाती है.इससे घर के बुजुर्गो व छोटे बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है.इस ओर बिजली विभाग इस ओर कोई ध्यान नहीं देता है. अगर बिजली विभाग द्वारा इस स्थिति में सुधार नहीं लाया गया तो स्थानीय लोग आंदोलन के लिए बाध्य होंगे और इसकी पूरी जवाबदेही बिजली विभाग के अधिकारियों की होगी.

बिल का पैसा समय पर लिया जाता है, लेकिन समस्या से निजात नहीं मिलती: राजीव कुमार

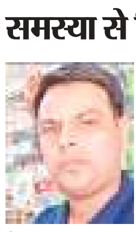

चक्रधरपुर निवासी राजीव कुमार ने कहा कि बिजली विभाग के रवैये से हर कोई परेशान है. प्रत्येक महीने समय पर बिजली बिल विभाग द्वारा वसूला जाता है, अगर पांच हजार रुपये से अधिक बकाया हो गया तो बिजली काट दी जाती है, लेकिन समस्या से किसी प्रकार की निजात नहीं मिल पा रही है. अगर बिजली विभाग समय पर बिल ले रहा है तो सुविधाएं भी ठीक तरीके से मिलनी चाहिए.खासकर रात के समय ही बिजली काट दी जाती है, जिससे दिन भर थके लोगों को अच्छी नींद भी नहीं मिल पाती है.

बिजली विभाग मनमानी करता है, कार्यशैली में सुधार लाने की जरुरत है: नीरज राय

चक्रधरपुर निवासी नीरज राय ने कहा कि बिजली विभाग को अपनी कार्यशैली में सुधार लाने की आवश्यकता है.नीरज ने बताया कि वे एक छात्र हैं और सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं.बिजली विभाग मनमाने तरीके से बिजली काट देता है.इससे पढ़ाई में भी दिक्कतें होती है.शाम के वक्त बिजली काटे जाने से सबसे ज्यादा पेरशानी होती है.स्थानीय लोगों को एकजुटता के साथ बिजली विभाग के कार्यालय का घेराव करना चाहिए, तभी समस्या का समाधान हो पाएगा.

रात में रोजाना काट दी जाती है एक फेज की बिजली,लोग सो नहीं पाते हैं : श्याम पाड़ेया

चक्रधरपुर के पम्प रोड निवासी श्याम पाड़ेया ने कहा कि शाम होते ही बिजली की आंखमिचौनी शुरु हो जाती है.खासकर रात के वक्त मोहल्ले की बिजली काट दी जाती है, इससे कूलर या पंखा भी नहीं चल पाता है.बिजली विभाग की लापरवाही के कारण भीषण गर्मी में लोगों को रतजगा करनी पड़ती है.बिजली बिल अगर हम समय पर जमा कर देते हैं तो विभाग द्वारा बेहतर सेवा क्यों नहीं दी जाती है.सरकार को इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है.

जमशेदपुर

बिजली की खपत हो गई है दोगुनी : विकास दास

मानगो निवासी विकास दास कहते हैं कि गर्मी के समय बिजली की खपत दोगुनी हो गई है. ठंड में पंखे और एसी नहीं चलते जिससे लोड शेडिंग भी नहीं होती. पर गर्मी में पंखे और एसी भी चलते है जिससे बिजली की खपत दोगुनी हो जाती है. हालांकि मानगो में बिजली की समस्या काफी आम है पर पहले के मुकाबले बिजली की आपूर्ति में सुधार आया है. दिन भर में 16 से 17 घंटे बिजली रहती है.

लोडशेडिंग बड़ी समस्या है : काव्या सिंह

मानगो की रहने वाली काव्या सिंह गृहिणी है. घर पर वह छह सदस्यों वाले परिवार में रहती है. काव्या कहती है कि दिन भर में 15-16 घंटे बिजली रहती है. ठंड के मौसम में यह हाल नहीं होता है. कई बार तो लोड इतना बढ़ जाता है कि ट्रांसफार्मर ही खराब हो जाता है. जिससे दिन भर बिजली नहीं रहती. वहीं लोड शेडिंग भी एक समस्या है. घर में रखा इनवर्टर भी डाउन हो जाता है. बिजली नहीं रहने से गर्मी में ही रहना पड़ता है. वहीं इनवर्टर पर भी लोड कम देते हैं ताकि रात को पंखे चल सके.

रात भर होती है आंख-मिचौली : सागर कुमार

परसुडीह निवासी सागर कुमार कहते हैं कि दिन में वह कड़ी धूप में मजदूरी कर इस उम्मीद में घर आते हैं कि रात को अच्छे से नींद पूरी कर पाए. पर रात भर बिजली की आंख-मिचौली होती रहती है. जिस कारण वे अपनी नींद पूरी नहीं कर पाते. उनके पास इनवर्टर भी नहीं है. जिससे पावर बैकअप मिल सके. मजबूरन उन्हें घर के बाहर आंगन में सोना पड़ता है. रात के अलावा दिन में भी यही हाल रहता है. बिजली नहीं रहने से काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है.

घर के काम पूरे नहीं हो पाते : किरण देवी

बारीगोड़ा निवासी किरण देवी का कहना है कि बिजली नहीं रहने के घर के कई काम नहीं हो पाते हैं. घर में फ्रिज नहीं चल पाता. जिससे खाने के सामान खराब हो जाते हैं. रात भर बिजली गुल ही रहती है. घर में नींद पूरी नहीं हो पाती. गर्मी इतनी है कि बिना बिजली के लोग रह भी नहीं पाते हैं. बिजली का बिल भी दोगुना हो गया है. बिजली नहीं रहने से मोटर भी नहीं चल पाता. जिससे पानी की भी समस्या होती है.

बोकारो

बोकारो राज्य का एकमात्र जिला है जहां छोटे-बड़े चार बिजली संयंत्र हैं. दो संयंत्र दामोदर घाटी निगम के, एक सेल और डीवीसी के संयुक्त उपक्रम के रूप में तथा चौथा झारखंड सरकार का तेनुघाट थर्मल पावर प्लांट है. बावजूद प्रतिदिन 10 से 12 घंटे बिजली की कटौती आम है. वजह यह है कि बोकारो जिला बिजली के लिए पूरी तरह डीवीसी पर निर्भर है. जिले की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था ट्रांसमिशन लाइन से जुड़ी नहीं है.

गर्मी में बिजली की समस्या ज्यादा होती है : गीता

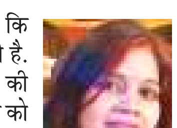

चीरा चास निवासी गीता कुमारी गुस्ताख ने कहा कि बिजली की समस्या गर्मी में बद से बदतर हो जाती है. गर्मी में एसी और कूलर के चलने से जहां बिजली की अधिक उपयोगिता है. वहीं इसके अनुरूप लोड लेने को ट्रांसफार्मर नहीं है. यहीं कारण है कि आय दिन ट्रांसफार्मर में गड़बड़ी हो जाती है. वहीं बिजली विभाग की अकर्मणयता और लेटलतीफी का खामियाजा आम जनता को भुगतना होता है. सरकार को इस दिशा में एक ठोस ब्लू प्रिंट बनाकर काम करना होगा ताकि बिजली सुचारू रूप से उपलब्ध हो सके.

कर्मचारी वर्ग को दंश ज्यादा झेलना पड़ता है : ममता

सेक्टर तीन निवासी ममता गोस्वामी ने कहा कि सेक्टरों में बिजली बीएसएल द्वारा दी जाती है. बीएसएल के अपने भी थर्मल पॉवर प्लॉट हैं. लेकिन बीएसएल की प्राथमिकता पहले प्लॉट है. उसके बाद उन सेक्टरों को प्राथमिकता दी जाती है, जहां अधिकारी रहते हैं. उसके बाद कर्मचारियों और रिहायशी इलाकों को देखा सुना जाता है. ऐसे में कर्मचारी वर्ग को बिजली की अनउपलब्धता का दंश ज्यादा झेलना पड़ता है. प्रबधन को सम भाव से इस दिशा में काम करना चाहिए. कर्मचारियों के रिहाईशी इलाकों में भी जरूरत अनुरूप बिजली सप्लाई की जानी चाहिए.

सकारात्मक पहल होनी चाहिए : श्यामोलिका दूबे

बारी कॉपरेटिव में रहने वाली गृहिणी श्यामोलिका दूबे ने कहा कि एक तो गर्मी और दूसरी बिजली का न रहना मुश्किल का सबब है. बड़े बुर्जुग तो इसे सहन कर जाते हैं लेकिन छोटे बच्चे, मरीजों के लिए बिजली के न रहने के कारण भीषण गर्मी को झेलना तकलीफ देह होता है. सरकार को इस बाबत सकारात्मक पहल करनी चाहिए.

आदित्यपुर

गर्मी मेंभी मिल रही है पर्याप्त बिजली : बाबू तांती

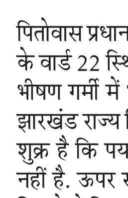

बाबू तांती का कहना है कि आदित्यपुर में भीषण गर्मी में भी पर्याप्त बिजली मिल रही है . यहां लोड शेडिंग के नाम पर 5 से 10 मिनट के लिए बिजली कटती है. इसकी वजह से आम लोगों को कोई परेशानी नहीं हो रही है. उम्मीद करते हैं आने वाले दिनों में अभी और भी गर्मी बढ़ेगी तो बिजली विभाग इसी तरह बिजली आपूर्ति करते रहे तो लोगों को राहत मिलती रहेगी.

23 घंटे बिजली मिल रही है : पितोवास प्रधान

पितोवास प्रधान का कहना है कि मैं आदित्यपुर नगर निगम के वार्ड 22 स्थित आसंगी गांव में रहता हूं. मेरे गांव में अभी भीषण गर्मी में भी 23 घंटे बिजली मिल रही है. हमारे यहां झारखंड राज्य बिजली वितरण निगम की बिजली आपूर्ति है. शुक्र है कि पर्याप्त बिजली मिलने से पानी की भी दिक्कत नहीं है. ऊपर से राज्य सरकार की 125 यूनिट बिजली फ्री मिलने से बिजली शुल्क भी शून्य रह रहा है.

गर्मी में बढ़ी है बिजली की खपत : अनूप प्रदद

अनूप प्रदद, ईई आदित्यपुर का कहना है कि आदित्यपुर डिवीजन में गर्मी को देखते हुए बिजली की खपत बढ़ी है. आम दिनों में जहां बिजली की खपत आदित्यपुर डिवीजन में 85 मेगावाट रहती है वह अभी बढ़कर 100 मेगावाट के आसपास हो गई है. बावजूद इसके बिजली की कमी नहीं है.

बेरमो

बांट बांट कर बिजली आपूर्ति की जा रही है : ठकुरी

जारंगडीह निवासी सीसीएल कर्मी ठकुरी मंडल का कहना है कि बेरमो प्रखंड क्षेत्र के जारंगडीह,कथारा में इन दिनों बिजली की उत्पन्न समस्या से लोग परेशान हैं. बढती गर्मी से लोग परेशान हैं तो दूसरी ओर बिजली की समस्या से लोगों का जीना मुश्किल हो रहा है. जारंगडीह कथारा में पहले 24 घंटा बिजली आपूर्ति की जाती थी लेकिन हाल के दिनों में सबस्टेशन में पांच एमबीए ट्रांसफॉर्मर,स्वीच व केबल जल जाने से क्षेत्र बिजली की उत्पन्न समस्या हुई है. हालांकि सीसीएल प्रबंधन जारंगडीह ,कथारा में बिजली की उत्पन्न समस्या के समाधान के लिए तेज गति से काम कर रहीं हैं. लेकिन फिलहाल समस्या बरकरार है.राहत के तौर पर सभी क्षेत्रों में 4-5 घंटों के लिए बांट बांट कर बिजली आपूर्ति की जा रही है.

अभी तो दोहरी मार झेलनी पड़ रही है : डेगन पंडित

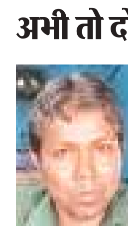

बेरमो प्रखंड क्षेत्र के जारंगडीह सीसीएल कॉलोनी आजाद नगर के रहने वाले डेगन पंडित का कहना है कि हाल के दिनों में दोहरी मार झेलनी पड़ रही है.एक ओर जहां आसमान मानो आग उगल रहा है. तो दूसरी ओर बिजली की कटौती से लोगों का हाल बेहाल है. धूप की वजह से घर से बाहर नहीं निकल पा रहे है. तो बिजली गुल की समस्या से घर में रहना भी आफत है. दोनों स्थितियों में क्या करें और क्या न करें ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है. बिजली नहीं रहने से पानी की भी समस्या बढ़ जाती है. साथ ही बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित होती है. बिजली नहीं रहने से पंखे और कुलर नहीं चल पाते हैं जिससे लोग रात को ठीक से सो नहीं पाते हैं. जिसका असर लोगों की दिनचर्या पर पड़ता है.

लातेहार : महुआडांड़ में कई सालों से मात्र 8 घंटे बिजली

जिले के महुआडांड़ प्रखंड के लोगों को पिछले कई साल से मात्र आठ घंटे बिजली मिल रही है. उस पर पिछले कई दिनों से बिजली उपभोक्ता ओवर लोड व लोड शेडिंग से परेशान हैं. एक तो क्षेत्र में भीषण गर्मी पड़ रही है उस पर अगर लोगों को नियमित बिजली नहीं मिले तो लोगों की परेशानियों का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है. जब भी इस संबंध में जानकारी लेने के लिए विभाग के कनीय या सहायक अभियंता से संपर्क करने का प्रयास किया जाता है तो संपर्क नहीं हो पाता है. अगर हो भी जाता है तो उनका एक ही रटा रटाया जवाब होता है कि ऊपर से ही ऐसा हो रहा है. बिजली नहीं रहने के कारण बिजली पर आधारित व्यवसाय व दुकानों के व्यापार प्रभावित हो रहे हैं. घरों में महिलाओं का घरेलू कार्य बाधित हो रहे हैं.

सबसे अधिक परेशानी छात्रों की है. उनकी पढ़ाई बाधित होती है. महुआडांड़ में शाम में गयी बिजली रात के 11 बजे के बाद आती है और सुबह पांच-छह बजे चली जाती है. इसके बाद दिन में कब आती है और कब जाती है इसका कुछ पता ही नहीं चलता है. बता दें कि महुआडांड़ प्रखंड में दो रूट से बिजली सेवा बहाल की जाती है. पहला डुमरी होते गुमला-रायडीह सबस्टेशन से और दूसरा है नेतरहाट होते हुए घाघरा रूट से. दोनों ही रूट में बिजली खंभे काफी जर्जर हो गए हैं. इस कारण अक्सर तेज हवा या बारिश होने पर फॉल्ट हो जाता है. सबसे बड़ी बात यह है कि महुआडांड़ प्रखंड में बिजली विभाग के द्वारा किसी स्थायी तौर पर जिम्मेदार पदाधिकारी की नियुक्ति नहीं की गई है.

किरीबुरु

सेल की किरीबुरु एवं मेघाहातुबुरु लौह अयस्क खदान व उसके टाउनशिप के लिए झारखंड विद्युत विभाग 33 केवी लाइन से बिजली सप्लाई देती है. किरीबुरु खदान प्रबंधन का 5 मेगावाट एवं मेघाहातुबुरु प्रबंधन का 5.7 मेगावाट प्रतिदिन बिजली देने का समझौता झारखंड बिजली विभाग से है. किरीबुरु एवं मेघाहातुबुरु प्रबंधन प्रतिदिन लगभग 4-4 मेगावाट बिजली की खपत करती है. बारिश के मौसम में डब्लूटीपी व अन्य पानी प्लांट का मोटर व पंप अधिक चलने की वजह से खपत बढ़कर 5-5 मेगावाट के आसपास पहुंच जाता है. सेल मेघाहातुबुरु के विद्युत विभाग के उच्च अधिकारी ने बताया कि गर्मी या अन्य समय में झारखंड विद्युत विभाग कभी-कभी सेल की किरीबुरु, गुआ, मेघाहातुबुरु खदान के अलावे बालाजी प्लांट के लिये 8-10 मेगावाट बिजली ही आपूर्ति कर पाता है. जिससे बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाती है. ऐसी स्थिति में हम टाउनशिप की बिजली नहीं काट अपने प्लांटों को डीजी सेट से चलाने को मजबूर होते हैं. कम बिजली सप्लाई के समय लोड शेडिंग की समस्या भी होती है. दूसरी तरफ सारंडा के सुदूरवर्ती गांवों में भी भीषण गर्मी के मौसम में बिजली की स्थिति ठीक रही है. 24 घंटे में लगभग डेढ़-दो घंटे हीं बिजली काटी जाती है.

महिनों से बिजली संबधित कोई समस्या नहीं : बिनोद बारीक

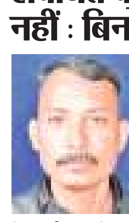

छोटानागरा के मुंडा बिनोद बारीक ने कहा कि हमारे गांव में पिछले कई महीनों से बिजली संबंधित कोई समस्या नहीं रही है. मुश्किल से डेढ़ से दो घंटे बिजली कटती होगी. उन्होंने कहा कि बीते 2-3 दिनों से हम क्षेत्र से बाहर हैं, इसलिए इस दौरान बिजली संबंधित कोई जानकारी नहीं है. वैसे आमतौर पर यहां बिजली की सप्लाई ठीक ही रहती है. कभी कभी बहुत तेज बारिश या आंधी के समय ही बिजली कुछ समय के लिए कटती है.

तेज आंधी और बारिश में बिजली समस्या बढ़ जाती है : सुशेन गोप

छोटानागरा के सामाजिक कार्यकर्ता सुशेन गोप ने बताया कि सारंडा जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की बेहतर व्यवस्था है. गर्मी के मौसम में भी लगभग 22-23 घंटे बिजली मिलती रही है. उन्होंने कहा कि जब तेज आंधी या वर्षा होती है तो बिजली समस्या बढ़ जाती है. क्योंकि जंगल क्षेत्र में डाली या पेड़ टूट-उखड़कर गिर जाती है. जिससे खराबी आती है. अगर बिजली लाइन अंडर ग्राउंड कर दिया जाए तो यह समस्या खत्म हो जाएगी.

24 घंटे बिजली रहती है, ऐसी व्यवस्था सभी जगह हो : अरुण सिंह

किरीबुरु निवासी अरुण सिंह ने कहा कि सेल की किरीबुरु टाउनशिप जैसी बिजली की सुविधा पूरे देश में नहीं होगी. यहां लगभग 24 घंटे बिजली रहती है. किसी कॉलोनी में खराबी आने की वजह से ही बिजली कुछ देर के लिये ठीक करने के लिए काटी जाती है. उन्होंने बताया कि गर्मी के समय पानी सप्लाई के दौरान कुछ मिनट के लिये बिजली काटी जाती है. ताकि लोग मोटर चलाकर पानी खींचकर दूसरे के लिये पानी की समस्या खड़ी नहीं कर सके.

मेंटेनेंस के लिए कभी कभी बिजली काटी जाती है : वीरेन्द्र मिश्रा

मेघाहातुबुरु निवासी वीरेन्द्र मिश्रा ने बताया कि मेघाहातुबुरु टाउनशिप में भी बिजली की बेहतर सुविधा है. 24 घंटे में लगभग 20-30 मिनट बिजली काटी जाती होगी, वह भी मेंटेनेंस के समय. उन्होंने बताया कि बारिश एवं आंधी-तूफान के दौरान विद्युत लाइन पर पेड़-पौधे गिरने व बिजली लाइन में बडी.खराबी आने से हीं घंटों बिजली कटी रहती है. क्योंकि बिजली लाइन घने जंगलों से होकर आयी है, जहां जाकर तत्काल ठीक करना संभव नहीं है.

बड़ी कामयाबी मुद्दों की वापसी

चुनाव परिणाम जो भी हो, कुछ बातें साफ-साफ समझनी और कहनी होगी. इस बार के चुनाव अभियान में मतदाताओं की खामोशी परिणामों के रोमांच को पेचीदा बना चुकी है. दोनों ही गठबंधनों में जिस तरह की बेचैनी है, उसे साफ महसूस किया जा सकता है. इस चुनाव की सबसे बड़ी कामयाबी मुद्दों की वापसी रही. इसके लिए इंडिया गठबंधन को श्रेय दिया जाना चाहिए, जिसने रोजगार, किसान, अग्निवीर, संविधान और आरक्षण के सवाल को केंद्र में ला दिया. भारतीय जनता पार्टी को पहली बार अपने विरोधियों के पिच पर खेलना पड़ा. चुनाव प्रचार का अंत होते होते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी कहना पड़ गया कि उनकी सरकार बनते ही युवाओं को 125 दिनों का काम दिया जाएगा. 2014 में उन्होंने हर साल दो करोड़ नौकरी देने का वायदा किया था, जो जुमला साबित हुआ. उसके बाद पहली बार ये काम देने की बात कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस यानी इंडिया गठबंधन ने रोजगार के सवाल को चुनाव अभियान के केंद्र से कभी भटकने नहीं दिया. प्रधानमंत्री ने मछली, मुसलमान, मंगलसूत्र और अंत में मुजरा जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए विपक्ष को मुद्दों से भटकाने का नाकामयाब प्रयास किया. संविधान और आरक्षण के सवाल को विपक्ष ने इतनी मजबूती से प्रस्तुत किया कि प्रधानमंत्री और भाजपा के अन्य नेताओं को भी उस पर सफाई देनी पड़ गयी. यह चुनाव पिछले दो लोकसभा चुनावों से अनेक अर्थों में भिन्न है. यही भिन्नता एक नए ब्यूह का निर्माण करती है. मतदाताओं की उदासीनता, किसी लहर का अभाव चुनाव परिणामों को क्या रूप देगा, यह तो 4 जून को ही पता चलेगा, लेकिन चुनाव अभियान में एक बात साफ तौर पर महसूस किया गया कि चुनावी आचार संहिता पालन कराने में चुनाव आयोग कामयाब नहीं रहा. यह चुनाव भाषा की गरिमा को जिस रसातल पर लड़ा गया है, वह भी एक अनोखा इतिहास है. भाषा के साथ साथ सांप्रदायिक भेदभाव को जिस तरह शब्दों से बढ़ावा दिया गया और गलतबयानी का सहारा लिया गया, उसने भी एक ऐसी लकीर खींच दी है, जो बेहतर लोकतंत्र की गरिमा के अनुकूल नहीं है. आजादी के बाद से कुछ क्षेपकों को छोड़ कर भारतीय लोकतंत्र की दुनिया भर में प्रतिष्ठा रही है. इस बार कुछ विदेशी मीडिया ने भारतीय लोकतंत्र को ले कर कुछ सवाल खड़े किए हैं. चुनाव आयोग सभी दलों को समान तल देने में पूरी तरह कामयाब नहीं रहा है. इस चुनाव ने एक सवाल खड़ा किया है कि भारत में चुनाव सुधारों की जरूरत है. ऐसे सुधार, जिसमें पार्टियों के धन प्रबंधन, दलबदल, चुनाव के समय संसाधनों के उपयोग को लेकर ठोस व्यवस्था हो. सभी राजनीतिक दलों को प्रचार अभियान के दौरान भाषा की गरिमा पर खास ध्यान के लिए बाध्य किया जाए. इस बार तो प्रधानमंत्री ने भी भाषा की गरिमा को जिस तरह तार-तार किया गया, उससे भी सवाल उठ खड़े हुए हैं. थका देने वाले लंबे चुनाव अभियान से बचने की जरूरत है. यह मतदाताओं को उदासीन बनाने और स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की राह में बड़ी बाधा है.

> भाषा के साथ साथ सांप्रदायिक भेदभाव को जिस तरह शब्दों से बढ़ावा दिया गया और गलतबयानी का सहारा लिया गया, उसने भी एक ऐसी लकीर खींच दी है, जो बेहतर लोकतंत्र की गरिमा के अनुकूल नहीं है.

सुभाषित

मृगाः मृगैः संगमुपव्रजन्ति गावश्च गोभिस्तुरगास्तुरंगैः।
मूर्खाश्च मूर्खैः सुधयः सुधीभिः समानशीलव्यसनेषु सख्यम्॥

हिरण हिरण का अनुसरण करता है. वह किसी और पशु का अनुसरण नहीं कर सकता. इसी प्रकार गाय गाय का ही अनुसरण करती है, घोड़ा घोड़े का ही अनुसरण करता है. एक मूर्ख दूसरे मूर्ख का अनुसरण करता है और बुद्धिमान बुद्धिमान का अनुसरण करता है. मित्रता समान गुण वालों में ही होती है.

तू मेरा शौक देख, मेरा इंतजार देख

राज्य की सभी 14 सीटों पर कोई न कोई तो जीतेगा ही, लेकिन सबसे दिलचस्प चुनाव हजारीबाग और दुमका का है, जहां एक ही दल के दो विधायक दो धड़ों में बंटकर परस्पर चुनौती दे रहे हैं. हजारीबाग में मनीष जायसवाल भाजपा तथा जेपी पटेल कांग्रेस, जबकि दुमका में सीता सोरेन भाजपा तथा नलिन सोरेन झामुमो के प्रत्याशी हैं. एकमात्र सिंहभूम सीट पर दो महिला प्रत्याशियों में प्रतिद्वंद्विता है. जोबा मांझी झामुमो और गीता कोड़ा भाजपा की उम्मीदवार हैं.

• देश-काल

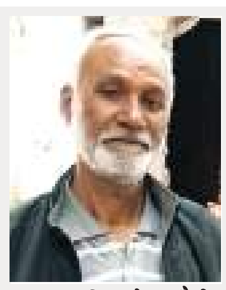

श्याम किशोर चौबे

18वीं लोकसभा के लिए पहली जून की शाम मतदान की आखिरी शाम होगी. इसी शाम झारखंड में भी मतदान का अंतिम चरण संपन्न होगा. यह चुनाव कई मायने में राज्य के लिए ऐतिहासिक रहा. पिछले दस साल का इतिहास बदल सकता है. एक अकेले मोदी के नाम पर चल-मचल रहे एंडी गठबंधन को इस चुनाव में पाने के लिए एक सीट है, जबकि खोने को 13. इसके उलट इंडि गठबंधन के पास खोने के लिए एक सीट है तो पाने को 13. दो दिन बाद सबका भ्रम टूट जाएगा. जिन लाखों लोगों ने वोट दिये हैं, उनके आस्था-विश्वास की हकीकत सामने आ जाएगी. इस बीच हमेशा की तरह आशा-अनुमानों का दौर चलता रहेगा. यह चुनाव ऐतिहासिक है, क्योंकि लगातार दस वर्षों से एकछत्र राज कर रही मोदी-शाह की जोड़ी ने 'अबकी बार 400 पार'हासिल करने की उम्मीद में महज 14 सीटोंवाले इस राज्य के अपने चार सांसदों को रुखसत कर दिया. सुनील सोरेन को टिकट देकर, कुछ अरसा चुनाव प्रचार कराकर भी घर बैठा दिया. यही हाल कांग्रेस प्रत्याशी दीपिका पांडेय का रहा. उनको टिकट मिलने के कुछ ही दिनों बाद हार की हैट्रिक लगा चुके प्रदीप यादव को प्रत्याशी बना दिया गया. यह चुनाव ऐतिहासिक इसलिए भी है कि इसमें 12 विधायक सांसदी के प्रत्याशी हैं. यह चुनाव ऐतिहासिक इसलिए भी है, क्योंकि कांग्रेस की तरह कई बार टूटे झामुमो के घर में अजीबोगरीब टूट हुई. पार्टी प्रमुख शिबू सोरेन की बड़ी बहू सीता (मुर्मू) सोरेन बगावत कर भाजपा से जा मिलीं. झामुमो के दो विधायक लोबिन हेम्ब्रम और चमरा लिंडा निर्दलीय प्रत्याशी बन गये. यह चुनाव ऐतिहासिक इसलिए भी है, क्योंकि स्थापित दलों को नये-नवेले संगठन झारखंड भाषा खतियान संघर्ष समिति के तीन युवा जयराम महतो, देवेंद्र महतो और संजय मेहता गिरिडीह, रांची और हजारीबाग में चुनौती देते नजर आये. यह चुनाव ऐतिहासिक इसलिए भी है, क्योंकि पहली बार सार्वजनिक जीवन में उतरीं कल्पना (मुर्मू) सोरेन रातोंरात स्टार प्रचारक बन गईं. वे शिबू सोरेन की मंझली बहू हैं, 31 जनवरी को ईडी द्वारा बंदी बनाये गये तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की धर्मपत्नी हैं और तकनीकी शिक्षा में ऊंची-ऊंची डिग्रियां प्राप्त हैं. देखते हैं, परिवार और पार्टी से बगावत कर पहली बार सांसदी के लिए लड़ रही सीता सोरेन और पहली ही बार विधायकी के लिए गांडेय से किस्मत आजमा रहीं कल्पना सोरेन में से किसका सिक्का चलता है. सीता गांडेय जाकर कल्पना के प्रतिद्वंद्वी भाजपा प्रत्याशी दिलीप कुमार वर्मा के पक्ष में वोट मांगती दिखीं तो कल्पना भी दुमका में सीता के प्रतिद्वंद्वी झामुमो प्रत्याशी नलिन सोरेन के पक्ष में वोट मांग आईं. कल्पना जिस भावनात्मक और आक्रामक तरीके से अपनी बातें रखती हैं, बेशक वह काबिलेतारीफ है. उनमें मासूमियत का भी पुट रहता है. वे हिंदी, अंग्रेजी, संताली और ओड़िया में समान अधिकार के साथ बोलती हैं. पब्लिक कनेक्ट का उनका तरीका लाजवाब है. सैन्य अधिकारी अपने पिता से निर्भीकता उनको विरासत में मिली है. जैसी कि चर्चा है, चुनाव जीतने के बाद उनको मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है. ऐसा हुआ भी तो 2006 की उस राजनीतिक घटना से बेहतर ही होगा, जब एससी एट्रोसिटी मामले में गिरफ्तार तत्कालीन विधायक भानु प्रताप शाही के गैर विधायक पिता हेमेंद्र प्रताप देहाती को मंत्री बनाया गया था. पुत्र को जमानत मिलते ही पिता ने कुर्सी खाली कर दी थी. तत्कालीन मुख्यमंत्री मधु कोड़ा और भानु प्रताप शाही वर्तमान में भाजपा में हैं. इस चुनाव की खासियत यह भी कि पांच साल तक दो ध्रुवों पर खड़े श्वसुर-दामाद मथुरा प्रसाद महतो और जेपी पटेल एक फ्रंट पर आकर अगल-बगल की सीट गिरिडीह और हजारीबाग से चुनाव लड़ रहे हैं. यह चुनाव ऐतिहासिक इसलिए भी रहा कि बिना प्रचार किये जीतने का दंभ भरनेवाले तीन बार के सांसद निशिकांत दुबे को गोड्डा में सपरिवार पसीना बहाना पड़ा. राज्य की सभी 14 सीटों पर कोई न कोई तो जीतेगा ही, लेकिन सबसे दिलचस्प चुनाव हजारीबाग और दुमका का है, जहां एक ही दल के दो विधायक दो धड़ों में बंटकर परस्पर चुनौती दे रहे हैं. हजारीबाग में मनीष जायसवाल भाजपा तथा जेपी पटेल कांग्रेस, जबकि दुमका में सीता सोरेन भाजपा तथा नलिन सोरेन झामुमो के प्रत्याशी हैं. एकमात्र सिंहभूम सीट पर दो महिला प्रत्याशियों में प्रतिद्वंद्विता है. जोबा मांझी झामुमो और गीता कोड़ा भाजपा की उम्मीदवार हैं. गीता कुछ दिनों पहले तक कांग्रेस सांसद थीं. यह चुनाव इसलिए भी ऐतिहासिक है, क्योंकि मोदी-1 काल में सभी सांसदों को हर साल एक गांव को आदर्श बनाने की जवाबदेही सौंपी गई थी. दस साल बाद भी राज्य में ऐसा कोई गांव नहीं है, लेकिन ग्रामीण कोई सवाल नहीं करते. अलबत्ता, विकास के मुद्दे पर हजारीबाग के कुसुंभा गांव के दो बूथों पर एक भी वोट नहीं डाला गया. जमशेदपुर के धालभूम इलाके में छविसा और छोड़िया के एक बूथ पर बहुत मैनेज करने के बाद चुनाव पदाधिकारी मात्र एक वोट डलवा सके. यह ऐतिहासिक वोट कार्तिक सिंह का था. ग्रामांचलों की एक सामान्य शिकायत रही कि चुनाव जीतने के बाद सांसदों ने उधर का रुख ही नहीं किया. इस कारण एक-दो सांसदों को फजीहत झेलनी पड़ी. इसी वजह से नरेंद्र मोदी झारखंड की कुछेक चुनाव सभाओं में कहते सुने गये, मैं ही आपका पीएम और एमपी हूं. चुनाव जीतने के बाद सांसद क्षेत्र को भूल जाते हैं. अवाम के हिस्से में रह जाता है इकबाल का शेर,

माना कि तेरी दीद के काबिल नहीं हूं मैं.
तू मेरा शौक देख, मेरा इंतजार देख..

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

निष्प्रयोजन परंपरा

जीवन मूल्यों में विकास के सार्थक उद्देश्य से किसी योग्य कार्य-विधि का निर्वहन 'सप्रयोजन परंपरा' कहलाता है. जैसे- 'एकाग्रचित' चिन्तन के प्रयोजन से, 'ध्यान' परंपरा का पालन किया जाता है, इसे हम 'सप्रयोजन परंपरा' कहेंगे. आज तो जीवन शैली के लिए, मेडिटेशन की उपयोगिता प्रमाणित हो गई है. इसी कारण इसका उदाहरण देना सरल सहज-बोध हो गया है. अतः परंपरा का औचित्य सिद्ध करना आसान हो गया है. अन्यथा कई उपयोगी परंपराएं असिद्ध होने से अनुपयोगी प्रतीत होती हैं. कई मान्यताओं में प्रतिदिन एक मुहूर्त पर्यन्त ध्यान करने की परंपरा है, एकाग्रचित्त अन्तर्मन्थन के लिए इससे अधिक उपयोगी कौन-सी विधि हो सकती है. पहले कभी, प्रतिदिन प्रातः काल योग–आसन करने की परंपरा थी. जिसे दुर्बोध तर्कवादियों नें सांसों की उठा-पटक और अंगों की तोड़-मरोड़ कहकर दुत्कार दिया था. वे सतही सोच बुद्धि से उसे रूढ़ि कहते थे. आज अच्छे स्वास्थ्य के लिए योगासनों को स्वीकार कर लिया गया है. मन को सकारात्मक संदेश प्रदान करने के लिए भजनों के योगदान को नकारा नहीं जा सकता. दया की भावना का विकास करने के लिए दान के उपक्रम का महत्व है. श्रद्धा और विश्वास को सफलता का मुख्य कारण माना जाने लगा है. कई लोगों को स्वीकार करते पाया है कि उन्हें धर्म-स्थलों में अपार शान्ति का अनुभव होता है. कई लोग भक्ति-भाव के अभ्यास से, अहंकार भाव में क्षरण अनुभव करते हैं. हम आस-पास के वातावरण के अनुसार ही व्यक्तित्व ढलता देखते हैं. इन सभी लक्षणों पर दृष्टि करें तो, परंपरा और संस्कार का सीधा सम्बंध देखा जा सकता है. प्रभावशाली व्यक्तित्व बनाने के लिए, संस्कार युक्त परंपराओं के योगदान को भला कैसे नकारा जाएगा? लेकिन इसका तात्पर्य यह नहीं कि सभी परंपराएं आंख मूंद कर अपनाने योग्य ही होती है. कई परंपराएं निष्प्रयोजन होती है. अकारण होती है. वस्तुतः सुविधाभोगी लोगों ने कुछ कठिन परंपराओं को पहले प्रतीकात्मक और फिर विकृत बना दिया होता है. ये सुविधाभोगी भी और कोई नहीं, प्रारम्भ में तर्कशील होते हैं. भले आज हम सुविधाभोगियों को दोष दे लें, पर समय के साथ साथ ऐसी निष्प्रयोजन परंपराओं का अस्तित्व में आ जाना एक सच्चाई है. परंपराएं पहले प्रतीकात्मक बनती हैं और अंत में मात्र 'प्रतीक' ही बचता है. 'प्रयोजन' सर्वांग काल के गर्त में खो जाता है. ऐसी निष्प्रयोजन परंपराएं ही रूढ़ि बन जाती हैं.

लोकतंत्र महापर्व पर पश्चिमी देशों की उदासीनता

• देशांतर

पुष्परंजन

कुल 195 देश हैं दुनियाभर में. इनमें से दो देश मान्यता का इंतज़ार कर रहे हैं : होली सी और फिलस्तीन. केवल 23 देशों के पर्यवेक्षकों का दुनिया से सबसे बड़े लोकतंत्र का चुनाव देखने आना सचमुच चिंता का विषय है. भारतीय निर्वाचन आयोग के अधिकारी बताते हैं, 'जर्मनी, अमेरिका तक ने आने से मना कर दिया.' तो आये कौन-कौन से देश? भूटान, मंगोलिया, मेडागास्कर, ऑस्ट्रेलिया, फिजी, क्रिगिज़ रिपब्लिक, रूस, माल्दोवा, ट्यूनीशिया, सिसली, कम्बोडिया, नेपाल, फिलीपींस, श्रीलंका, ज़िम्बाब्वे, बांग्लादेश, कज़ाकस्तान, जॉर्जिया, चिली, उज़्बेकिस्तान, मालदीव, पापुआ न्यूगिनी और नामीबिया. कुल जमा 23 देशों के 75 विज़िटर्स. चुनाव आयोग के ज्वाइंट डायरेक्टर अनुज चंडक ने यह जानकारी साझा करते हुए बाद में जोड़ा था कि 'मेंबर्स ऑफ़ इंटरनेशनल फाउंडेशन फॉर एलेक्ट्रोरल सिस्टम' के प्रतिनिधि और शायद इजराइल और भूटान की मीडिया टीमें भी आएं. कुल 23 देशों के 75 प्रतिनिधियों को छोटे-छोटे समूहों में विभाजित कर महाराष्ट्र, कर्नाटक, गोवा, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश और गुजरात भेजा गया है. 28 राज्यों और आठ केंद्रशासित प्रदेश वाले इस विराट देश में केवल छह राज्यों में विदेशी पर्यवेक्षक चुनाव का मुआयना करते हैं तो सवाल करना बनता है. पिछले महीने ही अमेरिकी विदेश विभाग ने स्पष्ट कर दिया था कि हमारा देश भारत में कोई चुनाव पर्यवेक्षक नहीं भेज रहा है, लेकिन सत्ता में भागीदारों के साथ अपने सहयोग को गहरा और मजबूत करने के लिए उत्सुक है. जर्मनी ने भी अमेरिकी शैली में ही अपनी दूरी बना ली. भारत में जर्मन राजदूत फिलिप एकरमन्न ने 16 अप्रैल को बयान दिया था कि जर्मनी आने वाले दिनों में भारत में शुरू होने वाले दुनिया के सबसे बड़े चुनावों को 'प्रशंसनीय दृष्टि के साथ' देख रहा है. जर्मन दूत ने कहा कि जब देश अपनी अगली सरकार के लिए मतदान करेगा तो दुनियाभर में भारत की छवि अधिक देखी जाएगी. यह लोकतंत्र का उत्सव है, हम इसे यूरोपीय नुक्ते-नज़र से ही देखेंगे. अर्थात्, 'जैसा मतदान-वैसा अनुमान' वाली कूटनीति को आगे बढ़ाना जर्मनी ने पसंद किया, लेकिन जर्मनी की राह पर शायद फ्रांस न चले. दिलचस्प है कि भारतीय चुनाव का अवलोकन करने के वास्ते न तो 27 सदस्यीय यूरोपीय संघ का कोई प्रतिनिधि आया, न ही 57 सदस्यीय आर्गेनाइजेशन ऑफ़ द इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) ने किसी को भेजना उचित समझा. जी-20 से भी किसी पर्यवेक्षक की मौजूदगी भारत में हो रहे आम चुनाव में नहीं दिखी. भारत के अंदरूनी मामलों में गहरी नज़र और दिलचस्पी सारे विकसित व विकासशील देशों की है. नहीं होती, तो संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ऐसा नहीं कहते, 'हमें बहुत उम्मीद है कि भारतीय मतदान प्रक्रिया में सभी के राजनीतिक और नागरिक अधिकार सुरक्षित रहेंगे. इस देश में हर कोई स्वतंत्र और निष्पक्ष माहौल में मतदान करने में सक्षम है.' स्टीफन दुजारिक केजरीवाल की गिरफ्तारी और कांग्रेस पार्टी के बैंक खातों को जब्त करने के मद्देनजर भारत में 'राजनीतिक अशांति' पर एक सवाल का जवाब देते हुए यह बात कह रहे थे. अपने प्रवक्ता से इतनी टिप्पणी करवाने के बावजूद संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने किसी प्रतिनिधि को भारतीय चुनाव देखने के वास्ते क्यों नहीं भेजा? यह जानना ज़रूरी तो है. अब सवाल यह है कि परिणाम के बाद क्या दुनिया के तमाम विकसित देश इसे मानने को तैयार होंगे कि भारत में चुनाव निष्पक्ष और बिना किसी भेदभाव के संपन्न हुआ है? ठीक से देखा जाये तो जिन 23 देशों के प्रतिनिधि भारत आये, उनमें रूस और सेंट्रल एशिया के देश वही बोलेंगे जो मास्को का दृष्टिकोण होगा. मालदीव के पर्यवेक्षक क्या बोलते हैं, वह मुस्लिम देशों के लिए महत्वपूर्ण होगा. मालदीव इस समय 'अनगाइडेड मिसाइल' है. बात जब विदेशी निगाहों की हो तो पाकिस्तान भी ज़ेरे बहस में आ ही जाता है. सबको पता है कि पीएम मोदी और सत्तापक्ष के दूसरे नेता किस वोट बैंक को पोलराइज करने के वास्ते पाकिस्तान को विपक्ष से चिपकाते हैं. पाकिस्तान में एक शख्स हैं फवाद चौधरी.

> भारत के अंदरूनी मामलों में गहरी नज़र और दिलचस्पी सारे विकसित व विकासशील देशों की है. नहीं होती, तो संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ऐसा नहीं कहते, 'हमें बहुत उम्मीद है कि भारतीय मतदान प्रक्रिया में सभी के राजनीतिक और नागरिक अधिकार सुरक्षित रहेंगे.

दुनिया के केंद्रीय बैंक क्यों खरीद रहे सोना

• आर्थिकी

राजेश कुमार

सोने की मांग बढ़ने से पिछले दो वर्षों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसका भाव 30 प्रतिशत से भी अधिक चढ़ चुका है. भारतीय बाजारों में तो सोने के दाम में पंख लग गए हैं. दाम में मौजूदा तेजी सोने के साथ एक महत्त्वपूर्ण सैद्धांतिक तथ्य से मेल नहीं खाती है. सोना नियमित आय का स्रोत नहीं है, इसलिए ब्याज दरें कम रहने की स्थिति में इसे रखने में संभावित नुकसान कम रहता है. परंतु, वैश्विक स्तर पर ब्याज दरें कई दशकों के ऊंचे स्तर पर रहने के बावजूद सोने के भाव में भारी इजाफा देखा जा रहा है. अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के अधिकारी संकेत दे रहे हैं कि ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर रह सकती हैं. सोने के भाव में तेजी इसलिए भी ध्यान खींच रही कि अमेरिकी मुद्रा डॉलर तुलनात्मक रूप से मजबूत है तब भी सोने की चमक कम नहीं हो रही है. अमेरिकी मुद्रा डॉलर और सोने के मूल्य में ज्यादातर अवसरों पर उल्टा संबंध दिखा है. यानी जब डॉलर कमजोर होता है तो उस स्थिति में सोने की कीमतें बढ़ जाती हैं. पिछले कुछ समय से दुनिया के केंद्रीय बैंक लगातार सोना खरीद रहे हैं और यह इसके दाम में बढ़ोतरी के प्रमुख कारणों में एक है. 2024 की पहली तिमाही में एक्सचेंज ट्रेडेड फंडों से निवेश निकलने के दौरान भी केंद्रीय बैंकों ने खरीदारी जारी रखी. विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) के अनुसार जनवरी-मार्च 2024 में केंद्रीय बैंकों ने 290 टन सोना खरीदा है. सोना परंपरागत रूप से केंद्रीय बैंक के भंडार का महत्त्वपूर्ण हिस्सा रहा है. अनुमानों के अनुसार अब तक जितनी मात्रा में सोने का उत्पादन हुआ है उनका पांचवां हिस्सा केंद्रीय बैंकों के भंडारों में है. केंद्रीय बैंक प्रायः अपने भंडार में विविधता लाने के लिए सोना खरीदते हैं. पिछले आंकड़े बताते हैं कि बॉन्ड एवं शेयरों जैसी परंपरागत परिसंपत्तियों के साथ सोने का मजबूत संबंध नहीं रहा है. साबुत सोने (फिजिकल गोल्ड) में चूक (डिफॉल्ट) का जोखिम शून्य रहता है. हालांकि, इस बात पर चर्चा करना भी जरूरी है कि क्या भू-राजनीतिक बिखराव और लगातार बढ़ते तनाव के बीच सोना केंद्रीय बैंकों के लिए एक मूल्यवान परिसंपत्ति साबित हो सकता है? छोटे देशों के लिए यह संभव है कि वे अपने भंडार का एक बड़ा हिस्सा सोने में निवेश कर दें, मगर विदेशी मुद्रा भंडार से बड़े स्तर पर जुड़े बड़े केंद्रीय बैंकों के लिए यह संभव नहीं है.चीन बड़ी मात्रा में सोना खरीद रहा है और दुनिया में यह सोना रखने वाले सबसे बड़े देशों में एक है, मगर इसके कुल विदेशी मुद्रा भंडार में इसकी (सोने की) हिस्सेदारी मात्र 4.6 प्रतिशत है. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सोने का भंडार रखने के मामले में दुनिया का नौवां सबसे बड़ा बैंक है. इसके कुल विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत से नीचे है. रूस के भंडार में सोने की हिस्सेदारी 28 प्रतिशत पहुंच गई है. इस बात के मजबूत कारण मौजूद हैं कि क्यों सोना केंद्रीय बैंक के बहीखातों में वित्तीय परिसंपत्तियों की जगह बहुत अधिक नहीं ले पाएगा. आरबीआई जैसे केंद्रीय बैंक मुद्रा पर पूंजी से जुड़े प्रभाव कम करने के लिए बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा रखते हैं. विदेशी मुद्रा बाजार में स्थिरता बनाए रखने के लिए केंद्रीय बैंक विदेशी परिसंपत्तियां खरीदते एवं बेचते हैं. सोने की खरीद-बिक्री तेजी से होती है, मगर केंद्रीय बैंकों की तरफ से भारी मात्रा में सोने की बिकवाली के समय इसके दाम पर उल्टा असर हो सकता है. चीन के केंद्रीय बैंक ने पिछले दो वर्षों के दौरान 200 अरब डॉलर मूल्य के अमेरिकी बॉन्ड बेचे हैं और इससे बाजार में कोई खास असर नहीं हुआ है. चीन ने अपनी मुद्रा युआन को मजबूती देने के लिए यह कदम उठाया है, जो 2023 में नौ प्रतिशत तक लुढ़क गया था. चीन के केंद्रीय बैंक के पास लगभग 161 अरब डॉलर सोना जमा है. मगर वहां का केंद्रीय बैंक इसे बेचता है तो निश्चित तौर पर इसकी कीमत पर बड़ा असर होगा. एक परिसंपत्ति के रूप में सोने के साथ लोगों का जुड़ाव भी काफी अधिक होता है और यह बात 1991 में भारत में विदेशी मुद्रा संकट के दौरान दिख चुकी है. **(बिजनेस स्टैंडर्ड से साभार)**

> सोना परंपरागत रूप से केंद्रीय बैंक के भंडार का महत्त्वपूर्ण हिस्सा रहा है. अनुमानों के अनुसार अब तक जितनी मात्रा में सोने का उत्पादन हुआ है उनका पांचवां हिस्सा केंद्रीय बैंकों के भंडारों में है. केंद्रीय बैंक प्रायः अपने भंडार में विविधता लाने के लिए सोना खरीदते हैं. पिछले आंकड़े बताते हैं कि बॉन्ड एवं शेयरों जैसी परंपरागत परिसंपत्तियों के साथ सोने का मजबूत संबंध नहीं रहा है.

मीडिया में अन्यत्र

राजनीतिक दलों में पारदर्शिता हो प्राथमिकता

अठारहवीं लोकसभा के लिए मतदान इस हफ्ते खत्म हो जाएगा और नतीजे 4 जून को आएंगे. इसके बाद केंद्र में नई सरकार के गठन का रास्ता साफ हो जाएगा. अगली सरकार किसी भी राजनीतिक दल या गठबंधन की क्यों न हो, उसे तत्काल अपना काम शुरू करना होगा और नीतिगत तथा प्रशासन संबंधी चुनौतियों से निपटना होगा.ऐसा ही एक मसला चुनावों से ही जुड़ा है. फरवरी में सर्वोच्च न्यायालय के एक संवैधानिक पीठ ने चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द कर दिया, क्योंकि यह संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत मिले सूचना के अधिकार का उल्लंघन करती थी. सर्वोच्च न्यायालय ने इन बॉन्डों को जारी करने के लिए अधिकृत भारतीय स्टेट बैंक को यह निर्देश भी दिया कि वह इनके जरिये मिले चंदे का ब्योरा सार्वजनिक करे, जिसके बाद इनका मीडिया और अन्य जगहों पर गहराई से विश्लेषण किया गया. भारत में चुनावों की फंडिंग हमेशा से ही चिंता का विषय रही है और सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय ने राजनीतिक पार्टियों को मिल रहे धन के बारे में सभी मसलों के समाधान का एक अवसर प्रदान किया है. केंद्रीय गृह मंत्री ने हाल में एक साक्षात्कार में इस बात पर जोर दिया कि चुनावी बॉन्ड योजना का कोई विकल्प लाना होगा. भारतीय राजनीति में काले धन या आमतौर पर धनबल का इस्तेमाल बड़ी चिंता का विषय रहा है और अगली सरकार को इस समस्या का तत्काल समाधान करना चाहिए. लेकिन जो भी विकल्प अपनाया जाए, उसे चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द करने की बुनियादी वजहों का समाधान करना होगा. इस संबंध में अगली सरकार एक समिति बना सकती है, जिसमें सभी राजनीतिक दलों के सदस्य हों. यह समिति राजनीतिक फंडिंग के सभी पहलुओं का अध्ययन करे और उसके बाद अपने सुझाव दे, जिन पर अमल से पहले इसके बारे संसद में गहन चर्चा होनी चाहिए. सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की पृष्ठभूमि में किसी भी वैकल्पिक प्रणाली की शुरुआती बिंदु पारदर्शिता होनी चाहिए. अगर राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे के लिए अपारदर्शी व्यवस्था अपनाई गई तो इसका कई तरह का बुरा असर हो सकता है, जिनमें नीतियों पर दबदबा शामिल है. इसके अलावा, चूंकि विचार काले धन के असर को समाप्त करने का है, इसलिए नई प्रणाली में नगद चंदे की व्यवस्था खत्म होनी चाहिए. भुगतान समाधान में तो भारत दुनिया का अगुआ बन चुका है, यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस काफी लोकप्रिय हुआ है, ऐसे में इसमें कोई समस्या नहीं आनी चाहिए. समिति को इस पर भी विचार करना होगा कि निर्वाचन आयोग को किस तरह से मजबूत बनाया जाए, ताकि यह राजनीतिक दलों की आय और खर्च पर सख्ती से निगरानी रख सके. अक्सर यह सुझाव दिया जाता है कि चुनाव या राजनीतिक दल सरकारी खर्च पर चलें, ताकि काले धन और धनबल का असर रोका जा सके और सबको बराबरी का मौका मिले. **(बिजनेस सटैंडर्ड)**

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

कि/की

प्रख्यात गायिका आशा भोंसले की आवाज में यह खूबसूरत गाना आपने भी सुना होगा-कौन आया 'कि'निगाहों में चमक जाग उठी, दिल के सोये हुए तारों में खनक जाग उठी. इसी प्रकार लता मंगेशकर और आशा भोंसले की आवाज में आपने पड़ोसन फिल्म का यह गाना भी सुना होगा-मैं चली, मैं चली, देखो प्यार 'की' गली. शब्द चर्चा में इन दोनों गानों का उल्लेख करने का उद्देश्य यही है कि पहले गाने में 'कि'शब्द का प्रयोग हुआ है-कौन आया 'कि'...दूसरे गाने में 'की' शब्द का प्रयोग हुआ है-प्यार 'की' गली. अब आपको बता दूं कि ये दोनों एकाक्षर यानी एक अक्षर वाले शब्द हैं. दोनों का प्रयोग चौबीस घंटे में हम सैकड़ों बार करते हैं. यहां यह जानना जरूरी है कि दोनों में आसमान और जमीन का अंतर होता है. 'कि'शब्द व्याकरण की भाषा में अव्यय कहलाता है. मुख्य रूप से यह दो वाक्यों को जोड़ने का काम करता है. उदाहरण के लिए पहले गाने में 'कौन आया'वाक्य को संयोजक कि 'निगाहों में चमक जाग उठी'से जोड़ता है. रेख्ता शब्दकोश में इस शब्द का प्रयोग इस प्रकार बताया गया है-दो वाक्यों को जोड़ने में, चूंकि के अर्थ में, जो के अर्थ में, बल्कि के अर्थ में, या की जगह, जब, जिस वक्त, जिसके कारण, चुनांचे की जगह, अकस्मात, अथवा की जगह. वहीं दूसरे गाने का पद 'प्यार की गली'का 'की'शब्द संबंध कारक के चिह्न का स्त्रीलिंग रूप है. जैसे राम की गाय. की का क्रिया रूप भी होता है. करना को भूत काल में पुलिंग के लिए 'किया' तथा स्त्रीलिंग कर्ता या कर्म के लिए 'की'के रूप में होता है. जैसे सोहन ने काम किया, मोनिका ने खुदकुशी की. संक्षेप में जब वाक्यों को जोड़ना हो तो 'कि'का प्रयोग करें और शब्दों को जोड़ना हो तो 'की'का प्रयोग करें.

जब लाल हो गयीं मेरी दोनों आंखें

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

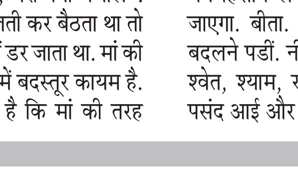

आज सुबह उठा तो आंख खुल नहीं रही थी. वैसे तो रोज़ ही उठते-उठाते कुछ समय लग ही जाता है. आंख खुलते खुलते ही खुलती है. लेकिन आज ऐसा लग रहा था कि मानों आंखों में कुछ पड़ गया हो. किरकिरा रही थीं. खैर जैसे-तैसे उठा, उठना ही पड़ा. देखते ही पत्नी बोली-अरे, ये आंखें लाल क्यों हो रही हैं,... मैंने तो कुछ बोला भी नहीं. "क्या बात करती हो ?" मैंने कहा, "मेरी हिम्मत जो तुम्हारे सामने अपनी आंखें लाल कर सकूं?" मज़ाक नहीं तुम्हारी दोनों ही आंखें लाल हैं. लगता है आ गईं हैं. "लेकिन वे 'गई' ही कब थीं, जो अब 'आ' गई हैं." मैंने कहा. बहरहाल वह मानी नहीं. मुझे आंख के अस्पताल जाना पडा. अब मैं और डाक्टर दोनों आमने-सामने थे. दिन का वक्त था और डाक्टर के हाथ में टार्च थी. पता नहीं दिन के उजाले में वह टार्च से क्या देखना चाह रहा था. इससे पहले कि मैं अपनी तकलीफ के बारे में उसे कुछ बताऊं वह बोला, "आंख दिखाइए". मुझे पहला व्यक्ति ऐसा मिला, जिसने कभी मुझसे कहा हो कि मुझे आंख दिखाओ. मैं, और वह भी एक डाक्टर को, आंख दिखाऊं, मेरी क्या मजाल ! मुझे याद है कि बचपन में कभी कोई गलती कर बैठता था तो मेरी मां मुझे जैसे ही आंख दिखाती थी, मैं डर जाता था. मां की आंख का वह डर, आज भी मेरी आंखों में बदस्तूर कायम है. मुझे आज भी यह बड़ा ज़रूरी लगता है कि मां की तरह गलतियों पर आंख दिखा कर डराने-धमकाने वाला कोई तो हो. लेकिन आज की स्थितियां बिलकुल बदल गई हैं और बेमुरव्वत भी हो गई हैं. बात हो न हो, हर कोई हर किसी को कुछ इस तरह आंख दिखा रहा है, मानो खाने को दौड़ रहा हो. डाक्टर ने मेरी बाईं आंख के ऊपर और नीचे अपनी उंगलियों से आंख को चौड़ाकर पूरा खोल दिया और उसमें टॉर्च की रोशनी घुसेड़ दी. चकाचौंध से मेरी आंख बंद होने की कोशिश करने लगी, लेकिन डाक्टर की उंगलियों की जकड़ से वह खुली रहने के लिए मजबूर थी. आंख का मुआइना किया गया और कहा अब आंखें बंद कर लीजिए. मेरी आंख में तकलीफ थी सो मैंने झट से अपनी आंखें बंद कर लीं. डाक्टर अब पर्चा लिखने लगा था. तीन तरह की दवाइयां उसने लिख मारी. एक खाने की और एक आंखों में डालने की. एक रात में सोते समय नींद आने के लिए. खाने की गोली दिन में तीन बार गटकनी थी. आंख में डालने की दवा भी दो-दो बूंद करके दिन में तीन बार ही डालनी थी. दवा खाने और दवा डालने के बीच एक एक घंटे का अंतराल भी ज़रूरी था. मैंने हिसाब लगाया सारा दिन ही, दवा खाते-डालते बीत जाएगा. बीता. लेकिन रात में कम से कम करवटें नहीं बदलने पडीं. नींद की दवा अपना काम करती रही. लेकिन श्वेत, श्याम, रतनार आंखों को सिर्फ रतनार लालिमा ही पसंद आई और वे लाल ही बनी रहीं.

एनिमल पर भारी पड़ी लापता लेडीज की अच्छाइयां

हस्ताक्षर

विनोद अनुपम
वरिष्ठ फिल्म स्तंभकार

एनिमल होगी हिंदी की सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म, लेकिन ओटीटी पर जब इसके सामने लापता लेडीज आ गई तो, पर्दे पर परंपरा को पसंद करने वाले भारतीय दर्शकों ने लापता लेडीज को ही प्राथमिकता दी. नेटफ्लिक्स के एक रिपोर्ट के अनुसार ओटीटी पर रिलीज के दो महीने में एनिमल से काफी अधिक व्यू लापता लेडीज ने हासिल किए. लापता लेडीज की सफलता इस बात का प्रतीक है कि भारतीय दर्शकों का अच्छाइयों पर विश्वास आज भी कायम है.

▪ **स्टेशन पर जीवन गुजारने वालों की कहानी**

'लापता लेडीज' का निर्देशन किरण राव ने किया है, जो कुछ समय पहले अपने बयानों के लिए ज्यादा चर्चित रहीं थी, मुझे लगता है किसी भी फिल्म को, फिल्म के आधार पर ही देखा जाना चाहिए, न कि उससे जुड़े लोगों पृष्ठभूमि के आधार पर. इस दृष्टि से देखें तो यह फिल्म एक ऐसे भारत की छवि प्रस्तुत करती है, जहां गलत लोग हाशिए पर हैं. यहां एक ऐसा भारत हमें दिखता है, जहां एक नवविवाहिता के रेलवे स्टेशन पर पति से बिछड़ जाने के बाद हर कोई उसकी मदद को तत्पर दिखता है. चाय दुकान पर काम करने वाल छोटू, नकली लंगडा बन कर स्टेशन पर भीख मांगने वाल भिखारी, स्टेशन मास्टर और फिर स्टेशन पर चाय दुकान चलाने वाली दादी तो है ही. एक जो भारतीय रेलवे स्टेशनों के बारे में पूर्वाग्रह बनाया गया है कि वहां चारों तरफ लुटेरे और गुंडे ही भरे होते हैं, 'लापता लेडीज' इसे खारिज कर वहां जीवन गुजार रहे लोगों के श्रम और सहृदयता स्थापित करती हैं.

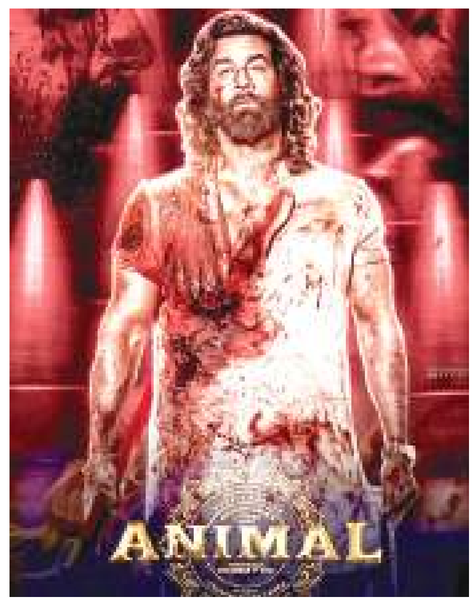

▪ **घूंघट के बहाने**

यह कथा भले ही घूंघट के कारण अपने पति से बिछड जाने वाली नवविवाहताओं की लगती हो, लेकिन कथा उससे एकदम विपरीत है. यह कथा है उस जया उर्फ पुष्पा (प्रतिभा रांटा) की जो अपनी आगे की पढ़ाई के लिए अपने पति को छोड़ कर किसी अनजान के साथ भागने को तैयार है कि इस बंधन से निकल गई तो आगे के रास्ते वह निकाल लेगी. यह आत्मविश्वास कौन से घूंघट में छिपाया जा सकता है. वह कहती भी है, वह तो पहचान ही रही थी कि कोई दूसरा उसे लेकर ट्रेन से उतर रहा है, लेकिन उसे लगा ईश्वर का यह इशारा है, अभी नहीं निकली तो कभी नहीं निकल पाएगी. अब इसमें बेचारा घूंघट क्या करे. 'लापता लेडीज' सिर्फ घूंघट की नहीं, उस परिवार के अच्छाई की भी कहानी है, जो एक अनजान अपरिचित महिला को अपने की तरह परिवार में स्थान देती है. दीपक उसे अपनी पत्नी समझ घर लाया है, लेकिन पूरी फिल्म में पुष्पा के प्रति एक सम्मान भाव ही दीपक की नजर में दिखता रहता है. स्त्री पुरुष संबंध को सिनेमा ने जिस सीमित नजरिए से देखने की शुरुआत की है, "लापता लेडीज" उसका जवाब भी देती है.

▪ **भले घर की बेटी बनाम फ्रॉड**

यह कहानी फूल की भी है, जिसे उसकी मां ने एक भले घर की बेटी के रुप में तैयार किया है, उसे घर के काम तो सिखाए, लेकिन पढाया नहीं, उसे अपने ससुराल का नाम तक याद नहीं. स्टेशन पर शरण के लिए वह जिस दादी के पास आयी है, वह व्यंग्य से कहती है, फ्रॉड समझती हो, इस देश में लडकी लोगों के साथ हजारों साल से यह फ्रॉड चला आ रहा है, इसका नाम है भले घर की बहू बेटी. लेकिन फूल को अपने भले घर की बेटी होने पर गर्व है. दादी कहती है, तुम्हारी मां ने तुमको अच्छा नहीं बनाया बुडबक बनाया है. फूल बगैर किसी हिचक के कहती है, मुझे बुडबक नहीं बनाया, मुझे सिलाई करना, खाना बनाना, भजन कीर्तन करना आता है... .किरण राव के निर्देशन का यह कमाल कि उसके इसी हुनर को उसकी ताकत के रुप में स्टैबलिश करती हैं. स्टेशन पर दादी उसे शरण देती, वह दादी के घरेलू काम में ही हाथ नहीं बंटाती बल्कि अपने हुनर से दुकान को बेहतर बनाने की भी कोशिश करती है. यहां अकेले बिछड गई महिला की ताकत के रुप में बस उसका हुनर और उसका स्वभाव ही दिखता जो मां ने उसे अच्छी लडकी के रुप में दिए थे. वास्तव में शिक्षा को सीमित अर्थों में नहीं देखा जा सकता. किरण राव एक ओर पुष्पा दूसरी ओर फूल को अपने अपने तरीके से अपने लक्ष्य की प्राप्ति में सफल होते दिखा शायद यही कहना चाहती हैं.

चंदू चैंपियन का गाना "तू है चैंपियन" रिलीज

दिल चुरा ले गए कार्तिक

पैरालंपिक एथलीट चंदू चैंपियन की कहानी पर आधारित स्पोर्ट्स ड्रामा चंदू चैंपियन के का दूसरा गाना "तू है चैंपियन..." रिलीज होने के साथ ही अपना जलवा दिखा रहा है. कार्तिक आर्यन का जबरदस्त और होश उड़ाने वाला ट्रांसफॉर्मेशन `तू है चैंपियन ` गाने में बेहतरीन अंदाज में दिख रहा है. इस गाने को खूब प्यार मिल रहा है और इसे बहुत मोटिवेटिव व आगे बढ़ाने वाला बताया जा रहा है. इस गीत को बॉलीवुड के फेमस सिंगर अरिजीत सिंह ने अपनी जादुई आवाज में गाया है. तू है चैंपियन गीत के लिरिक्स को गीतकार आईपी सिंह ने लिखा है, जबकि संगीत दिया है प्रीतम ने.

इससे पहले भी फिल्म का जो गाना रिलीज हुआ था- "सत्यानाश...", उसे भी दर्शकों ने हाथों-हाथ लिया था. इस गाने का ट्रेलर भी जबर्दस्त और जोश से भरपूर था. बता दें कि चंदू चैंपियन फिल्म इसी माह की 14 तारीख को रिलीज होगी.

▪ **दिखता है बॉडी का फ्लैक्सिबल होना**

इस गाने में कार्तिक आर्यन का बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन गजब का लग रहा है. कार्तिक का 39% से 7% बॉडी फैट में ट्रांसफॉर्म होना, एक्टर के लचीलेपन और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है, जो गाने में साफ तौर से देखा जा सकता है. सोशल मीडिया पर कार्तिक आर्यन को जबर्दस्त रिएक्शन मिल रहा है.

▪ **ऐसे-ऐसे रिएक्शन**

लोगों का कहना है कि "तू है चैम्पियन" गाने का ट्रैक कमाल का है और इसमें कार्तिक आर्यन का फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन लाजवाब दिख रहा है. एक फैन ने कहा है, ₹इस साल का ऑफिशियल जिम एंथम !!! वहीं एक अन्य ने कहा- ₹पागल कर देने वाला फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से लेकर दंगल, बॉक्सिंग, स्विमिंग सीखने तक, मुरलीकांत पेटकर की भूमिका को टॉप नोच तक ले जाने के लिए. एक ने कहा कि आप असल में एक चैंपियन हैं तो दूसरे लिखते हैं- ₹क्या गाना है!! आपको पूरी जीत का रोमांच देता है, व्हाट अ चैम्प. एक फैन ने कहा है, ₹हार्ड वर्क... डेडीकेशन.. झुक जाओ कार्तिक आर्यन के सामने, एक दूसरे फैन ने लिखा है, इस ट्रैक में कार्तिक आर्यन का पहले कभी ना देखा गया अवतार दिखाया गया है. कार्तिक द्वारा किए गए इंटेंस क्लैप पुश-अप्स, स्पीड बॉक्सिंग हमें मेजर जिम गोल दे रहे हैं. गाने में कार्तिक बहुत फिट लग रहे हैं, और एक्टर ने इस अवतार को पाने के लिए इंटेंस ट्रेनिंग की है और उन्होंने अपने फैट परसेंटेज को 39% से कम कर के 7% कर लिया है. सिर्फ यही ट्रैक नहीं, फिल्म सत्यानास का पहला ट्रैक भी चार्टबस्टर बन गया है. एक यूजर्स ने लिखा है कि "चैंपियन" सॉन्ग नया मोटिवेशनल एंथम बनकर सामने आया है. यह जिम में बजाने के लिए एकदम सही चॉइस है, जिससे आपको वजन कम करने में मदद मिलेगी.

एक्टर, लेखक, निर्देशक और निर्माता आर माधवन का आज 54 वां जन्मदिन है. झारखंड की माटी में जन्में पले-बढे माधवन ने बॉलीवुड में यहां का पताका लहराया है. आइए, आज जन्मदिन के बहाने माधवन के जीवन के विविध रंगों से हों रू-ब-रू...

जन्मदिन आज : आर माधवन

जियो जमशेदपुर के लाल

आर. माधवन (रंगनाथन माधवन) जिसे जमाना मैडी भाई, मैडी पाजी, मैडी चेट्टा, मैडी अन्ना आदि जैसे नामों से जानता है, दरअसल जमेशदपुर में जन्में और पले-बढ़े हैं. अगर पिता की चलती तो आज वे टाटा स्टील के इंजीनियर होते और वहीं आज भी अपनी जिंदगी जी रहे होते.

पिता चाहते थे टाटा स्टील में करें नौकरी

माधवन के पिता रंगनाथन टाटा स्टील में मैनेजमेंट एग्जीक्यूटिव रह चुके हैं और मां सरोजा बैंक ऑफ इंडिया में मैनेजर हैं. उनकी छोटी बहन देविका है जो सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं और यूके में सेटल्ड हैं. माधवन एक ऐसे तमिल परिवार से ताल्लुक रखते हैं जहां पढ़ाई को बहुत अधिक महत्व दिया जाता था, बावजूद इसके वो 8वीं में फेल हो गए. किसी तरह उन्हें कोल्हापुर के इंजीनियरिंग कॉलेज में एडमिशन मिला. पिता जो खुद टाटा स्टील में थे और अपने जॉब से बेहद संतुष्ट थे, वे चाहते थे कि माधवन भी इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करके टाटा स्टील को ज्वॉइन करे. तब माधवन को यह पता नहीं था कि क्या करना है, पर इतना तय था कि वे टाटा स्टील की नौकरी नहीं करेंगे.

आर्मी में जाना चाहते थे माधवन

छात्र जीवन में माधवन एनसीसी से जुड़े थे. कनाडा में कल्चरल एम्बेसडर के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं. महाराष्ट्र सरकार द्वारा बेस्ट कैडेट का अवॉर्ड दिया गया है. वे नेवी, आर्मी और एयरफोर्स में भी ट्रेनिंग ले चुके हैं और आर्मी ज्वाइन करना चाहते थे. लेकिन उम्र के तकनीकी फेर के कारण ज्वॉइन नहीं कर सके और एक्टिंग की राह बढ़ गए.

ऐसे मिली जीवन "सरिता"

कम्यूनिकेशन और पब्लिक स्पीकिंग में माधवन की शुरू से दिलचस्पी थी. जमशेदपुर में डीबीएमएस इंग्लिश स्कूल से पढ़ाई के दौरान इससे जुड़ी कई प्रतियोगिता में शरीक हुए थे. रोटरी एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत उन्हें कनाडा जाने का मौका मिला. कोल्हापुर में इलेक्ट्रॉनिक्स की पढ़ाई करने के बाद वे अपना कम्युनिकेशन क्लास चलाते थे. इसी कम्युनिकेशन क्लास में पढ़ाई करने सरिता आई थी. एयर होस्टेज के इन्टरव्यू की तैयारी को लेकर सरिता ने माधवन का क्लास ज्वाइन किया. किसी इंटरव्यू में माधवन ने बताया कि इसी दौरान सरिता ने उन्हें प्रपोज किया तो उन्होंने हां कर दी. इससे पहले उन्होंने एक दूसरे को सालों डेट किया. इस बीच सरिता एयर होस्टेज भी बन गई. 1999 में दोनों ने शादी कर ली. शादी के बाद माधवन पत्नी के साथ 2000 में जमशेदपुर आए थे, जिसमें उन्होंने अपनी लव स्टोरी की पूरी कहानी बताई थी.

इरुवर के लिए रिजेक्ट किए गए

एक्टिंग के फील्ड में माधवन ने 1996 की शुरुआत में एक चन्दन के पाउडर का विज्ञापन किया था जिसके बाद मशहूर डायरेक्टर मणि रत्नम की फिल्म 'इरुवर' के लिए स्क्रीन टेस्ट भी दिया लेकिन मणि रत्नम ने इस फिल्म में उनका चयन नहीं किया. 1996 में उन्होंने सुधीर मिश्रा के निर्देशन में बनी फिल्म 'इस रात की सुबह नहीं' में काम किया था, जिसके लिए उन्हें क्रेडिट नहीं दिया गया था. साल 2000 में फिल्म अलाइपैयूथी से उन्होंने साउथ इंडस्ट्री में एंट्री ली, जो सुपरहिट साबित हुई और बतौर अभिनेता माधवन का करियर चल निकला. बॉलीवुड में अब तक 'रहना है तेरे दिल में', 'रंग दे बसंती', 'रामजी लंदनवाले', '13बी', '3 इडियट्स', 'तनु वेड्स मनु' और 'तनु वेड्स मनु रिटर्न्स' जैसी कई फिल्मों में काम किया है और लगभग हर फिल्म में उनके अभिनय की तारीफ हुई है.

टीवी से मिली पहचान

फिल्मों से पहले माधवन को टीवी से पहचान मिली. 1996 में आए एक टीवी सीरियल "बनेगी अपनी बात" में काम किया. फिर एक के बाद एक कई धारावाहिकों में काम किया. 'घर जमाई', 'साया', 'सी हॉक्स' और 'ये कहां आ गए हम' जैसे सीरियल्स से उनकी घर-घर में पहचान बनी.

बेटे पर नहीं थोपी महत्वाकांक्षा

आर. माधवन का बेटा वेदांत खेल की दुनिया में नाम चमका रहा है. वेदांत ने देश को एक नहीं, बल्कि पांच-पांच गोल्ड मेडल दिलवाए हैं. आर. माधवन के बेटे वेदांत ने स्वीमिंग चैंपियनशिप में पांच गोल्ड मेडल जीते हैं. माधवन पर उनके पिता ने इंजीनिर बनने का दवाब डाला था, पर उन्होंने खुद कभी दूसरे स्टार किड्स की तरह अपने बेटे को फिल्म में लाने की या अपनी कोई और महत्वाकांक्षा नहीं थोपी. उसे खुद एक्स्प्लोर करने दिया. एक इंटरव्यू के दौरान माधवन ने कहा कि 10 साल का था, तब ही सुबह में चार बजे जगकर स्विमिंग पूल में प्रैक्टिस करने चला जाता था. पानी से उसके इस लगाव को देखकर मैं भी अचंभित था. मैंने उसे प्रोत्साहित किया. आज उसका परिणाम देश-दुनिया के सामने है.

इश्क, जुनून, खेल, रहस्य, रोमांच, डर..बड़े पर्दे पर इन सबसे रू-ब-रू होंगे जून के महीने में. जी हां, जून में सिनेमाघरों में 6 फिल्में रिलीज होंगी जिसमें अहसासों के कई रंग जाहिर होंगे.

जून में बड़े पर्दे पर

इश्क, रहस्य, रोमांच के रंग

सिनेप्रेमियों के लिए जून का महीना काफी खास होने वाला है. इस महीने सिनेमाघरों में बड़े पर्दे पर अहसासों के कई रंग साकार होते नजर आएंगे. जहां हॉरर फिल्म रोमांचित करती दिखेंगी, वहीं इश्क-मोहब्बत के रंग भी दिखेंगे. स्पोर्ट्स ड्रामा से इमोशनल ड्रामा तक सब कुछ परोसा जाएगा. इस महीने जो फिल्में दस्तक दे रही हैं, उनकी पूरी सूची से होइए वाकिफ

चंदू चैम्पियन

'चंदू चैम्पियन' 14 जून के दिन सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. कबीर खान के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सुपरस्टार कार्तिक आर्यन, भुवन अरोड़ा, पलक लालवानी और एडोनिस कपसालिस मुख्य भूमिका में हैं.

मुंज्या

बहुप्रतीक्षित हॉरर-कॉमेडी फिल्म मुंज्या 7 जून को थिएटर्स में रिलीज होगी. 'मुंज्या' में मोना सिंह, अभय वर्मा, सत्यराज आर शरवरी वाघ जैसे कलाकार हैं.

कल्कि 2898 एडी

अमिताभ बच्चन, प्रभास और दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' 27 जून को सिनेमाघरों में आने वाली है. नाग अश्विनी के निर्देशन में बनी 'कल्कि 2898 एडी' पैन इंडिया फिल्म है.

रिटर्न टिकट

'रिटर्न टिकट' 5 जून को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है. इस फिल्म में अरबाज खान, आदित्य, मनमोहन, मुग्धा गोडसे, देव शर्मा और मिनाक्षी मुख्य भूमिका में हैं.

इश्क-विश्क रिबाउंड

इश्क-विश्क रिबाउंड को 28 जून के दिन सिनेमाघरों में रिलीज किया जा रहा है. इस फिल्म के जरिए सुपरस्टार ऋतिक रोशन की कजिन पश्मीना रोशन हिंदी सिनेमा में अपना डेब्यू करने जा रही हैं.

डबल इस्मार्ट

पुरी जगन्नाध की 'डबल इस्मार्ट' जो साल 2019 में रिलीज हुई 'इस्मार्ट' फिल्म का सीक्वल है, 14 जून को रिलीज होगी. इसमें राम पोथिनेनी के साथ संजय दत्त भी नजर आने वाले हैं.

द ग्रेट इंडियन कमिल शो

फिर दर्शकों को लोटपोट करेंगे अली असगर!

दर्शकों को हंसा-हंसा कर लोटपोट करने वाले एक्टर और कॉमेडियन अली असगर के फिर से द ग्रेट इंडिनय कपिल शो में शामिल होने की चर्चा है. बता दें कि कपिल शर्मा टीवी के बाद अब ओटीटी पर कॉमेडी का फुल डोज दे रहे हैं और हाल ही नेटफ्लिक्स पर अपनी टीम के साथ शिफ्ट हुए हैं. इस बार शो में फेरबदल दिख रही है. शो में अबकी जहां सुमोना चक्रवर्ती नहीं नजर आएंगी, वहीं सुनील ग्रावेर एक बार फिर दर्शकों को लोटपोट कर रहे हैं. इस बीच अब अली असगर के द ग्रेट इंडियन कपिल शो को लेकर भी चर्चा चल रही है.

▪ **दादी बन कर किया था लोटपोट**

अली असगर ने दादी बनकर कपिल शर्मा के शो में खूब एंटरटेन किया था. आज भी फैंस को उनकी कमी खलती है और वे उनकी वापसी का इंतजार कर रहे हैं. अली असगर ने द ग्रेट इंडियन कपिल शो को लेकर कहा कि वे अभी तक ओटीटी पर इसे नहीं देख पाए हैं. एक्टर अपने काम को लेकर बिजी चल रहे हैं. ऐसे में उनके पास वक्त की कमी है. दर्शकों की मांग की बात पर अली असगर ने कहा, "ये तो दर्शकों का प्यार है कि वे अभी भी मैसेज करते रहते हैं कि वे मुझे शो में वापस देखना चाहते हैं. मैं भगवान और दर्शकों का शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मेरा काम पसंद किया." मैं भविष्य के बारे में नहीं जानता, लेकिन अभी मैं अपने चैट शो चड्डी बडी में व्यस्त हूं. यह दोस्त बख्तियार ईरानी मुझे नहीं छोड़ता." जाहिर है अली असगर के मुताबिक फिलहाल तो शो में उनके शामिल होने की कोई गुंजाइश नहीं है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

स्पोर्ट्स+

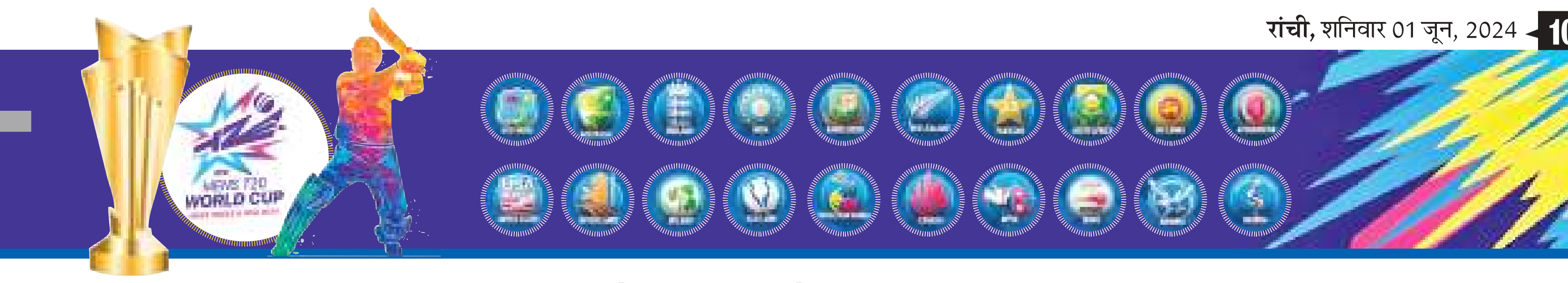

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप : भारत का 17 साल का खिताबी सूखा जारी रहेगा, या होगा खत्म?

'चोकर' के टैग से मुक्ति पाने की चुनौती

आलोक रंजन झा दिनकर । रांची

''यह उन चीजों में से एक है, जिसे मैं जीवन भर याद रखूंगा. किसी ने भी हमसे जीतने की उम्मीद नहीं की थी. जिस तरह से हमने आज खेला, हम इसके हकदार थे.'' ये शब्द थे महेंद्र सिंह धौनी के, जिनके नेतृत्व में भारत ने 24 सितंबर 2007 को मेहमान टीमों के लिए अपने डराने वाले माहौल के कारण 'बुलरिंग' के नाम से मशहूर जोहानिसबर्ग के ऐतिहासिक वांडरर्स मैदान में इतिहास रचा था. वो गौरवपूर्ण पल आज भी हर भारतीय की स्मृति में ताजा है, जब चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए फाइनल मुकाबले में एक हारी हुई बाजी जीतकर टीम इंडिया ने टी20 वर्ल्ड कप का पहला संस्करण अपने नाम किया था. वह सफलता इसलिए भी खास थी कि आईसीसी के तीसरे सबसे बड़े टूर्नामेंट के आगाज से पहले इसको न तो भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) गंभीरता से ले रहा था, न ही क्रिकेट प्रशंसक इसमें कोई विशेष दिलचस्पी दिखा रहे थे. सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और सौरव गांगुली जैसे दिग्गजों की अनुपस्थिति में एक युवा कप्तान की अगुवाई में भारतीय दल दक्षिण अफ्रीका पहुंचा और दुनिया को चमत्कृत कर स्वदेश लौटा. अगले साल भारत में दुनिया की सबसे बड़ी टी20 लीग आईपीएल की शुरुआत हुई, जिसने आगे चलकर एक से बढ़कर एक प्रतिभाओं को सामने लाने का काम किया. परिणामस्वरूप, सीमित ओवरों के क्रिकेट में भारत शीर्ष टीमों में शामिल हो गया, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण रहा कि इसके बाद हर बार प्रबल दावेदार होने के बावजूद भारत वो सफलता अगले सात संस्करणों में नहीं दोहरा पाया. हालांकि इस बीच, धौनी के नेतृत्व में ही टीम इंडिया ने 2011 में भारत में आयोजित 50 ओवर (ओडीआई) की विश्व कप ट्रॉफी पर कब्जा कर एक बड़ी सफलता जरूर हासिल की. अब जबकि आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के नौवें संस्करण का आगाज 1 जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने जा रहा है, तो एक बार फिर भारत को फेवरेट माना जा रहा है. हर भारतीय फैन भी यही उम्मीद कर रहा है कि 'मैन इन ब्लू' 17 साल से जारी इस फॉर्मेट के खिताबी सूखे को खत्म कर नया इतिहास लिखेंगे. भारत के लिए कितनी मुश्किल, या आसान होगी यह चुनौती? क्या है भारतीय टीम की कमजोरी और मजबूती? वे कौन सी टीमें हैं, जो भारत की राह का रोड़ा बन सकती हैं? आइए इस रिपोर्ट में इन सवालों पर चर्चा करते हैं.

महत्वपूर्ण मौकों को अपने पक्ष में करना होगा

जानकारों का मानना है कि आईसीसी टूर्नामेंट में भारत को अपेक्षित सफलताएं नहीं मिलने की मुख्य वजह भारतीय खिलाड़ियों की अहम मौकों पर चूक जाने की प्रवृत्ति है. इसका सबसे ताजा उदाहरण हाल ही में भारतीय सरजमीं पर आयोजित वनडे वर्ल्ड कप क्रिकेट है, जिसमें पूरे टूर्नामेंट के दौरान उच्चस्तरीय क्रिकेट खेलने वाली भारतीय टीम ने खिताबी भिड़ंत में निम्न स्तरीय खेल का प्रदर्शन कर देश ही नहीं, क्रिकेट की पूरी दुनिया को स्तब्ध कर दिया. यह धारणा बन गई है कि भारतीय खिलाड़ी अतिरिक्त दबाव पड़ने पर समर्पण कर देते हैं और इसी कारण भारत टी20 वर्ल्ड कप का पहला संस्करण जीतने के बाद लगातार निराश होता आ रहा है. ऐसे में भारतीय टीम को अगर 2007 का इतिहास दोहराना है और अपने ऊपर लगे 'चोकर' के टैग से मुक्ति पानी है, तो कोच राहुल द्रविड़ को बड़े मैचों के दबाव का प्रबंधन करना खिलाड़ियों को सिखाना होगा.

अमेरिका में पहली बार आईसीसी टूर्नामेंट

यह पहली बार है जब अमेरिका आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है. इसके लिए कई स्टेडियम या तो नए बने हैं, या फिर पुनर्निर्मित किए गए हैं. वहीं घोषित कार्यक्रमों के अनुसार, 2026 में होने वाले अगले टी20 वर्ल्ड कप की सह-मेजबानी भारत और श्रीलंका द्वारा की जाएगी. 2028 का संस्करण ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होगा, जबकि 2030 में इस टूर्नामेंट का आयोजन इंग्लैंड, स्कॉटलैंड और आयरलैंड की संयुक्त मेजबानी में होगा.

इग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया व विंडीज कठिन प्रतिद्वंद्वी

हालांकि टी20 क्रिकेट में किसी टीम को हल्के में नहीं लिया जा सकता है, लेकिन बात प्रमुख टीमों की करें, तो भारत के सामने सबसे कठिन चुनौती वर्ल्ड कप के दो सबसे सफल देश इंग्लैंड (2) व मेजबान वेस्टइंडीज पेश कर सकते हैं. इनके साथ ही ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, श्रीलंका व दक्षिण अफ्रीका भी इस टूर्नामेंट में अपनी मजबूत दावेदारी पेश करने उतरेंगे. अमेरिका की परिस्थिति भी भारतीय टीम की कड़ी परीक्षा ले सकती है. भारत में 45 से 50 डिग्री सेल्सियस तापमान में खेलने के तुरंत बाद 25 से 30 डिग्री तापमान में खुद को ढालना आसान नहीं होगा. इस तरह भारतीय टीम को एक साथ कई मोर्चों पर लड़ते हुए मैच-दर-मैच मजबूत टीमों की कठिन चुनौतियों से पार पाना होगा. इसके लिए जरूरी है कि खिलाड़ी खुद को मानसिक रूप से मजबूत करें.

रोहित और विराट को जीत का तोहफा देना चाहेगी भारतीय टीम

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व कप्तान विराट कोहली के लिए यह आखिरी टी20 वर्ल्ड कप हो सकता है. ऐसे में बेशक ये दोनों महान बल्लेबाज भी इस टूर्नामेंट को यादगार बनाने के लिए दृढ़संकल्पित होंगे. समूह में युवा जोश और अनुभव का समन्वय दिखता है. तकनीकी दक्षता के साथ पहली ही गेंद से प्रहार करने की अद्भुत क्षमता से लैस यशस्वी जायसवाल रोहित शर्मा के साथ मारक सलामी जोड़ी बना चुके हैं. इस फॉर्मेट में 33 की औसत और करीब 162 की स्ट्राइक रेट से रन बनाने वाले बाएं हाथ के इस युवा बल्लेबाज से क्रिकेट की दुनिया को काफी उम्मीदें हैं. लोअर ऑर्डर में एक अन्य युवा प्रतिभा शिवम दुबे पर भी सबकी निगाहें होंगी. स्पिनरों के खिलाफ लंबे-लंबे छक्के के लिए मशहूर इस बैटिंग ऑलराउंडर के पास मौका होगा कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद बड़े मंच पर भी अपने आपको साबित करें. वहीं विध्वंसक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की एक बड़ी दुर्घटना के बाद अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी भारत को मजबूती प्रदान करेगी. हार्दिक पंड्या भी गेंद और बल्ले से अपने आलोचकों को माकूल जवाब देने को तैयार होंगे. गेंदबाजी आक्रमण के अगुवा जसप्रीत बुमराह भारत की संभावना को बढ़ाएंगे. उनके साथ कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल भी विरोधी बल्लेबाजों के लिए सिरदर्द साबित हो सकते हैं. चोटिल मोहम्मद शमी की कमी टीम को खल सकती है. बहरहाल, चयनकर्ताओं ने भारतीय दल में संतुलन बनाने की कोशिश की है, जो 29 जून को भारतीयों का इतिहास दोहराने का वर्षों का सपना साकार कर सकता है.

सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज

बल्लेबाज	देश	रन
विराट कोहली	भारत	1141
महेला जयवर्धने	श्रीलंका	1016
क्रिस गेल	वेस्टइंडीज	965
रोहित शर्मा	भारत	963
तिलकरत्ने दिलशान	श्रीलंका	897

सर्वाधिक स्ट्राइक रेट वाले बल्लेबाज

बल्लेबाज	देश	स्ट्राइक रेट
जोस बटलर	इंग्लैंड	144.48
एबी डिविलियर्स	द. अफ्रीका	142.75
क्रिस गेल	वेस्टइंडीज	142.75
महेला जयवर्धने	श्रीलंका	134.74
डेविड वॉर्नर	ऑस्ट्रेलिया	133.22

सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज

गेंदबाज	देश	विकेट
शाकिब अल हसन	श्रीलंका	47
शाहिद आफरीदी	पाकिस्तान	39
लसिथ मलिंगा	श्रीलंका	38
सईद अजमल	पाकिस्तान	36
अजंता मेंडिस	श्रीलंका	35

ग्रुप स्टेज में भारत के मुकाबले

तिथि	बनाम
5 जून	आयरलैंड
9 जून	पाकिस्तान
12 जून	यूनाइटेड स्टेट
15 जून	कनाडा

(नोट : सभी मैच भारतीय समयानुसार शाम 8 बजे से शुरू होंगे.)

2007 आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी उठाए महेंद्र सिंह धौनी

नंबर गेम

20 टीमें पहली बार भाग ले रही हैं आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में.

09 वां संस्करण खेलकर रोहित शर्मा शाकिब अल हसन के साथ सभी आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप खेलने का रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज करा लेंगे.

1141 रन के साथ विराट कोहली फटाफट क्रिकेट के इस टूर्नामेंट में महेला जयवर्धने को पीछे छोड़कर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने हुए हैं.

2-2 बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने. वहीं भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका व ऑस्ट्रेलिया 1-1 बार विजेता बने हैं.

144.48 की सर्वाधिक स्ट्राइक रेट से टी20 वर्ल्ड कप में रन बनाते हैं इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज जोस बटलर. डिविलियर्स (142.75) दूसरे स्थान पर.

विश्व कप में भाग लेनेवाली टीमें

एजेंसी । न्यूयॉर्क

अमेरिका और वेस्टइंडीज में शनिवार से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप के लिए प्रत्येक देश की टीम इस प्रकार हैं.

अफगानिस्तानः राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, अजमतुल्लाह उमरजई, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद इशाक, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नैब, करीम जनत, नांग्याल खारोटी, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, नवीन-उल-हक, फजलहक फारूकी, फरीद अहमद मलिक. रिजर्वः सेदिक अटल, हजरतुल्लाह जजई, सलीम सफी.

ऑस्ट्रेलियाः मिशेल मार्श (कप्तान), एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, ग्लेन मैक्सवेल, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वार्नर, एडम जाम्पा. रिजर्वः जेक फ्रेजर-मैकगर्क, मैट शॉर्ट.

बांग्लादेशः नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), तस्कीन अहमद, लिटन दास, सौम्या सरकार, तंजीद हसन तमीम, शाकिब अल हसन, तौहीद हृदोय, महमूद उल्लाह रियाद, जैकर अली अनिक, तनवीर इस्लाम, शाक महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शोरीफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब. रिजर्वः अफीफ हुसैन, हसन महमूद.

कनाडाः साद बिन जफर (कप्तान), आरोन जॉनसन, रविंदरपाल सिंह, नवनीत धालीवाल, कलीम सना, दिलोन हेलीगर, जेरेमी गॉर्डन, निखिल दत्ता, परगट सिंह, निकोलस किरटन, रेयानखान पठान, जुनैद सिद्दीकी, दिलप्रीत बाजवा, श्रेयस मोव्वा, ऋषिव जोशी. रिजर्वः तजिंदर सिंह, आदित्य वरदराजन, अम्मार खालिद, जतिंदर मथारू, परवीन.

इंग्लैंडः जोस बटलर (कप्तान), मोइन अली, जोफ्रा आर्चर, जोनाथन बेयरस्टो, हैरी ब्रुक, सैम कुरेन, बेन डकेट, टॉम हार्टले, विल जैक्स, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, रीस टॉपले, मार्क वुड.

भारतः रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज. रिजर्वः शुभमन गिल, रिंकू सिंह, खलील अहमद, आवेश खान.

आयरलैंडः पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क अडायर, रॉस अडायर, एंड्रयू बालबर्नी, कर्टिस कैंपर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, ग्राहम ह्यूम, जोश लिटिल, बैरी मैकार्थी, नील रॉक, हैरी टेक्टर, लोरकन टकर, बेन व्हाइट, क्रेग यंग.

नामीबियाः गेरहार्ड इरास्मस (कप्तान), ज़ेन ग्रीन, माइकल वैन लिंगेन, डायलन लीचर, रूबेन ट्रम्पेलमैन, जैक ब्रासेल, बेन शिकोंगो, टैंगेनी लुंगामेनी, निको डेविन, जेजे स्मिट, जान फ्रिलिंक, जेपी कोट्ज, डेविड विसे, बर्नार्ड शोल्ट्ज़, मालन क्रूगर, पीडी ब्लिगनॉट.

नेपाल : रोहित पौडेल (कप्तान), आसिफ शेख, अनिल कुमार साह, कुशल भुर्टेल, कुशल मल्ला, दीपेंद्र सिंह ऐरी, ललित राजबंशी, करण केसी, गुलशन झा, सोमपाल कामी, प्रतिस जीसी, संदीप जोरा, अविनाश बोहरा, सागर ढकाल, कमल सिंह ऐरी.

नीदरलैंडः स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान), आर्यन दत्त, बास डी लीडे, काइल क्लेन, लोगान वैन बीक, मैक्स ओ''डॉड, माइकल लेविट, पॉल वैन मीकेरेन, रयान क्लेन, साकिब जुल्फिकार, साइब्रांड एंजेलब्रेच, तेजा निदामनुरु, टिम प्रिंगल, विक्रम सिंह, विव किंगमा, वेस्ले बैरेसी. रिजर्वः रयान क्लेन.

न्यूजीलैंडः केन विलियमसन (कप्तान), फिन एलन, ट्रेंट बोल्ट, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, डेरिल मिशेल, जिमी नीशाम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर, ईश सोढ़ी, टिम साउथी. रिजर्वः बेन सियर्स.

ओमानः आकिब इलियास (कप्तान), जीशान मकसूद, कश्यप प्रजापति, प्रतीक अठावले, अयान खान, शोएब खान, मोहम्मद नदीम, नसीम खुशी, मेहरान खान, बिलाल खान, रफीउल्लाह, कलीमुल्लाह, फैयाज बट, शकील अहमद, खालिद कैल. रिजर्वः जतिंदर सिंह, समय श्रीवास्तव, सुफियान महमूद, जय ओडेड्रा.

पापुआ न्यू गिनीः असदुल्ला वाला (कप्तान), एली नाओ, चाड सोपर, सीजे अमिनी, हिला वेरे, हिरी हिरी, जैक गार्डनर, जॉन कारिको, कबुआ वागी मोरिया, किपलिंग डोरिगा, लेगा सियाका, नॉर्मन वनुआ, सेमा कामिया, सेसे बाउ, टोनी उरा.

पाकिस्तानः बाबर आजम (कप्तान), अबरार अहमद, आजम खान, फखर जमान, हारिस रऊफ, इफ्तिखार अहमद, इमाद वसीम, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद आमिर, मोहम्मद रिजवान, नसीम शाह, सैम अयूब, शादाब खान, शाहीन शाह अफरीदी, उस्मान खान.

स्कॉटलैंडः रिची बेरिंगटन (कप्तान), मैथ्यू क्रॉस, ब्रैड करी, क्रिस ग्रीव्स, ओली हेयर्स, जैक जार्विस, माइकल जोन्स, माइकल लीस्क, ब्रैंडन मैकमुलेन, जॉर्ज मुन्से, सफ्यान शरीफ, क्रिस सोल, चार्ली टियर, मार्क वाट, ब्रैड व्हील.

दक्षिण अफ्रीकाः एडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएट्ज़ी, क्विंटन डी कॉक, ब्योर्न फोर्टुइन, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, एनरिक नोर्किया, कागिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स.

श्रीलंकाः वानिंदु हसरंगा (कप्तान), चरिथ असलांका, कुसल मेंडिस, पथुम निसांका, कामिंडु मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, एंजेलो मैथ्यूज, दासुन शनाका, धनंजय डी सिल्वा, महेश थीक्षाना, दुनीथ वेल्लालेज, दुशमंथा चमीरा, नुवान तुषारा, मथेशा पथिराना, दिलशान मदुशंका. रिजर्वः असिथा फर्नांडो, विजयकांत व्यासकांथ, भानुका राजपक्षे, जनिथ लियानागे.

युगांडाः ब्रायन मसाबा (कप्तान), साइमन सेसाज़ी, रोजर मुकासा, कॉसमास क्येवता, दिनेश नाकरानी, फ्रेड अचेलम, केनेथ वैसवा, अल्पेश रामजानी, फ्रैंक न्सुबुगा, हेनरी सेन्योंडो, बिलाल हसन, रॉबिन्सन ओबुया, रियाज़त अली शाह, जुमा मियाजी, रोनक पटेल. रिजर्वः इनोसेंट म्वेबेज़, रोनाल्ड लुटाया.

अमेरिकाः मोनंक पटेल (कप्तान), आरोन जोन्स, एंड्रीज़ गौस, कोरी एंडरसन, अली खान, हरमीत सिंह, जेसी सिंह, मिलिंद कुमार, निसर्ग पटेल, नितीश कुमार, नोशतुश केंजीगे, सौरभ नेत्रलवकर, शैडली वैन शल्कविक, स्टीवन टेलर, शायन जहांगीर. रिजर्व : गजानंद सिंह, जुआनॉय ड्रिस्डेल, यासिर मोहम्मद.

वेस्टइंडीजः रोवमैन पॉवेल (कप्तान), अल्जारी जोसेफ, जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेज, शिमरोन हेटमायर, जेसन होल्डर, शाई होप, अकील होसेन, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, गुडाकेश मोटी, निकोलस पूरन, आंद्रे रसेल, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड.

पूरन, पॉवेल के अर्धशतकों से विंडीज ने आस्ट्रेलिया को हराया

एजेंसी । पोर्ट आफ स्पेन

निकोलस पूरन और रोवमैन पॉवेल के अर्धशतकों की मदद से वेस्टइंडीज ने नौ खिलाड़ियों के साथ खेल रही आस्ट्रेलिया को टी20 विश्व कप से पहले अभ्यास मैच में 35 रन से हराया. आस्ट्रेलिया ने नामीबिया के साथ पहले अभ्यास मैच के बाद एक बार फिर नौ खिलाड़ियों को ही उतारा. चयनकर्ता जॉर्ज बेली और कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने फील्डिंग के दौरान ही पूरी टीम उतारी. पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने पूरन के 25 गेंद में 75 रन (पांच चौके, आठ छक्के) और कप्तान पॉवेल के 25 गेंद में 52 रन (चार चौके, चार छक्के) की मदद से 20 ओवर में चार विकेट पर 257 रन बनाये. शेरफान रदरफोर्ड ने 18 गेंद में नाबाद 47 रन बनाये. जवाब में आस्ट्रेलिया के लिए जोश इंगलिस ने 30 गेंद में 55 रन और नाथन एलिस ने 22 गेंद में 39 रन की पारी खेली. आस्ट्रेलियाई टीम सात विकेट पर 222 रन ही बना सकी. आस्ट्रेलिया को कप्तान पैट कमिंस, ग्लेन मैक्सवेल, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, कैमरन ग्रीन और ट्रेविस हेड की कमी खली, जो अभी तक आईपीएल खत्म होने के बाद यहां पहुंचे नहीं हैं. अन्य मैच में नामीबिया ने पापुआ न्यू गिनी को डकवर्थ लुईस प्रणाली से तीन रन से हराया. पहले बल्लेबाजी करते हुए पापुआ न्यू गिनी की टीम सात विकेट प 109 रन ही बना सकी. नामीबिया ने 16.5 ओवर में छह विकेट पर 93 रन बना लिये थे जब बारिश शुरू हुई. उस समय टीम डकवर्थ लुईस प्रणाली से आगे थी. डल्लास में कनाडा और नीदरलैंड के बीच मैच एक भी गेंद फेंके बिना रद्द हो गया.

ओमान के खिलाफ मैच में बॉलिंग नहीं करेंगे मार्श

बारबडोस। आस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने शुक्रवार को कहा कि कप्तान मिचेल मार्श ओमान के खिलाफ छह जून को टी20 विश्व कप के पहले मैच में गेंदबाजी नहीं करेंगे और सिर्फ बल्लेबाज के तौर पर उतरेंगे. आईपीएल के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट का शिकार हुए मार्श ने नामीबिया और वेस्टइंडीज के खिलाफ दोनों अभ्यास मैच खेलकर क्रमशः 18 और चार रन बनाये. मैकडोनाल्ड ने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से कहा, उसने अभ्यास मैच खुद को परखने के लिए खेले. दूसरे अभ्यास मैच में उसने ज्यादा देर फील्डिंग की जिससे उसका आत्मविश्वास बढा होगा. वह पहला मैच खेलेगा लेकिन गेंदबाजी नहीं करेगा. वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे अभ्यास मैच में आस्ट्रेलिया के पैट कमिंस, ग्लेन मैक्सवेल, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, कैमरन ग्रीन और ट्रेविस हेड नहीं खेले थे जो आईपीएल के बाद अभी यहां पहुंचे नहीं हैं. मैकडोनाल्ड ने कहा, हमें पता था कि एक जून से पहले पूरी टीम एकत्र नहीं हो सकेगी.

टी20 वर्ल्ड कप से पहले ब्रायन लारा की भारत को चेतावनी!

एजेंसी । एंटीगुआ

टी20 वर्ल्ड कप का आगाज 2 जून से हो रहा है. अमेरिका और वेस्टइंडीज की सरजमीं पर टूर्नामेंट का आयोजन होना है. पिछले दिनों रोहित शर्मा की अगुवाई में टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया का एलान कर दिया गया. लेकिन सवाल है कि क्या टीम इंडिया 10 साल के सूखे को खत्म कर पाएगी? दरअसल, भारतीय टीम ने आखिरी बार आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2013 जीता था, लेकिन इसके बाद आईसीसी ट्रॉफी जीतने में नाकाम रही है. भारतीय टीम 10 सालों के सूखे को कैसे खत्म कर सकती है? इस सवाल का जवाब दिया है वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज ब्रायन लारा ने.

लारा ने कहा कि इस बात में कोई दो राय नहीं कि रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम में दिग्गज खिलाड़ी भरे हैं, लेकिन क्या टी20 वर्ल्ड कप में इसका फायदा मिलेगा? ब्रायन लारा ने कहा कि भले ही भारतीय टीम में बड़े-बड़े नाम हो, लेकिन वर्ल्ड कप जीतने के लिए सही और सटीक रणनीति का होना बेहद जरूरी है. अगर ऐसा हुआ तो भारतीय टीम 10 सालों से आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीतने के सूखे को खत्म कर सकती है. ब्रायन लारा आगे कहते हैं कि वनडे वर्ल्ड कप हो या टी20 वर्ल्ड कप... भारतीय खिलाड़ी शानदार लय में नजर आते हैं, लेकिन आखिरी वक्त में वे चूक कर जाते है. इस बात का कोई मतलब नहीं है कि आपकी टीम में कितने सुपरस्टार हैं, मतलब इस बात का है कि आप वर्ल्ड कप जीतने कैसे जा रहे हैं? आपकी रणनीति क्या है... मुझे भरोसा है कि भारतीय टीम के कोच खिलाड़ियों को साथ लाने में कामयाब होंगे और टीम इंडिया टी20 वर्ल्ड कप जीतने में कामयाब होगी.

ओलंपिक से पहले तैयारियों को पुख्ता करेंगे निशानेबाज

म्यूनिख। भारतीय निशानेबाज पेरिस ओलंपिक से पहले शनिवार से यहां शुरू होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप (पिस्टल/राइफल) में अपनी तैयारियों को पुख्ता अंजाम देने की कोशिश करेंगे. भारत के कई निशानेबाजों ने हाल में नई दिल्ली और भोपाल में लगभग एक महीने तक चले ट्रायल्स में भाग लिया था और वे ओलंपिक की तैयारी करने के लिए इस विश्व कप में नहीं खेलना चाहते थे. लेकिन भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने विश्व कप में भाग लेना अनिवार्य कर दिया है और ऐसे में पिस्टल और राइफल निशानेबाज इस प्रतियोगिता में ओलंपिक के लिए अपनी तैयारी को परखना चाहेंगे. ऐसे समय में जबकि कई अन्य देशों ने पेरिस ओलंपिक के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है तब भारत अभी तक अपनी टीम की घोषणा नहीं कर पाया है. यह वास्तव में अजीबो गरीब है क्योंकि निशानेबाजों को लय हासिल करने में समय लगता है. इनमें उपकरणों से सामंजस्य बिठाना भी शामिल है और किसी भी निशानेबाज के लिए ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप से पहले इस तरह की तैयारी करना महत्वपूर्ण होता है.

टी20 विश्व कप | क्रिकेट का कारवां अमेरिकी बाजार में दस्तक देगा, तो कई नये सितारे चमकेंगे

फटाफट क्रिकेट के महासमर में 20 टीमें करेंगी जोर आजमाइश

एजेंसी । न्यूयॉर्क

टी20 विश्व कप के जरिए क्रिकेट का कारवां अमेरिकी बाजार में दस्तक देगा, तो कई नये सितारे चमकेंगे तो कई बेनूर भी होंगे, कुछ प्रबल दावेदार होंगे तो कुछ छिपे रुस्तम निकलेंगे. शनिवार से शुरू हो रहे ताबड़तोड़ क्रिकेट के इस महासमर में पहली बार 20 टीमें जोर आजमाइश करेंगी, तो इसकी भव्यता देखने लायक ही होगी. भारतीय टीम जहां पिछले काफी समय से आईसीसी खिताब नहीं जीत पाने का मलाल मिटाना चाहेगी, तो आस्ट्रेलिया एक और खिताब जीतकर अपना दबदबा कायम रखने की फिराक में होगा. पाकिस्तान और वेस्टइंडीज का लक्ष्य सही समय पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का होगा. गत चैम्पियन इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका की चुनौती भी कमतर नहीं है. दक्षिण अफ्रीका का लक्ष्य चोकर्स का तमगा हटाने का होगा. इस टूर्नामेंट के जरिए अमेरिका में क्रिकेट का पदार्पण होने जा रहा है, जहां 29 दिन के भीतर 55 में से 16 मैच खेले जाएंगे. बाकी 39 मैच वेस्टइंडीज में होंगे जिनमें सुपर आठ चरण के मैच, सेमीफाइनल और फाइनल शामिल है. खिताब के प्रबल दावेदारों के अलावा अफगानिस्तान की चुनौती को भी कमतर नहीं आंका जा सकता. जहां तक टीम इंडिया का सवाल है, तो सबसे मजबूत टीमों में से एक होने के बावजूद यह 2013 चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद से कोई आईसीसी खिताब नहीं जीत सकी है. इस बार बतौर कप्तान रोहित शर्मा की साख भी दांव पर है. रोहित से पहले विराट कोहली भी सबसे सफल टेस्ट कप्तान जरूर रहे लेकिन आईसीसी खिताब नहीं जीत सके. पिछले 12 महीने में भारतीय टीम दो आईसीसी टूर्नामेंटों में उपविजेता रही और आस्ट्रेलिया के हाथों अपनी धरती पर पिछले साल एक दिवसीय विश्व कप का फाइनल हार गई. पिछले दो टी20 विश्व कप में पुराने ढर्रे पर चलने का उसे खामियाजा भुगतना पड़ा.

चैंपियन टीम को मिलेंगे करोड़ों रुपये

एजेंसी । न्यूयॉर्क

टी20 वर्ल्ड कप को लेकर चर्चाएं ज़ोरों पर हैं. टूर्नामेंट की शुरुआत एक जून से हो रही है. इस बार का टी20 विश्व कप अमेरिका और वेस्टइंडीज़ की मेज़बानी में खेला जाएगा. टीम इंडिया ने अमेरिका के न्यूयॉर्क पहुंच कर अभ्यास शुरू कर दिया है. हाल ही में आईपीएल 2024 का समापन हुआ है, जिसमें खिताब जीतने वाली केकेआर और रनरअप रहने वाली हैदराबाद को करोड़ों रुपये की प्राइज़ मनी मिली. तो आइए टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीतने वाली और रनरअप रहने वाली टीम को कितनी प्राइज़ मनी मिलेगी.

टी20 वर्ल्ड कप 2024 प्राइज़ मनी

हालांकि अभी आईसीसी की तरफ से 2024 विश्व कप के लिए आधिकारिक तौर पर प्राइज़ मनी का एलान नहीं किया गया है. लेकिन अगर पिछले यानी 2022 के टी20 वर्ल्ड कप जैसी ही प्राइज़ मनी दी गई, तो आइए जानते हैं फिर किस टीम को कितनी धनराशि मिलेगी. 2022 टी20 वर्ल्ड कप के लिए आईसीसी ने कुल प्राइज़ मनी 5.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर की रखी थी, जो भारतीय रुपए में करीब 46.6 करोड़ रुपए है. हालांकि पिछले संस्करण में 16 टीमों ने हिस्सा लिया था, लेकिन इस बार कुल 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं. 2022 में खिताब जीतने वाली इंग्लैंड को करीब 13 करोड़ रुपए मिले थे, जबकि रनरअप रहने वाली पाकिस्तान को 6.44 करोड़ रुपए दिए गए थे. विनर और रनरअप के अलावा टॉप-4 में पहुंचने वाली टीमों को भी करोड़ों रुपए दिए गए थे, जिसमें इंडिया और न्यूज़ीलैंड शामिल थी. दोनों ही टीमों को 3.25 करोड़ रुपए मिले थे. इसके अलावा सुपर 12 और सुपर 8 तक पहुंचने वाली टीमों को भी प्राइज़ मनी मिली थी.

▼ ब्रीफ खबरें

सड़क हादसे में दो युवकों की हुई मौत

मुजफ्फरपुर । सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई. घटना जिले के सदर थाना क्षेत्र के भेल कॉलोनी के समीप एनएच 28 पर हुई, जहां अज्ञात वाहन के चपेट मे आने से बाइक सवार दो युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. वहीं इस घटना के बाद घटना स्थल पर पर लोगों की भीड़ जुट गई. जिसके बाद पुलिस को पूरे मामले की सूचना मिलते ही सदर थाना की पुलिस मौक़े पर पहुंची. मामले की जांच कर डेड बॉडी को अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. स्थानीय लोगों की मानें तो मृत युवक ट्रक मैकेनिक था.

गैस बॉटलिंग प्लांट के कर्मचारी की हत्या

मुजफ्फरपुर । जिले के शेरपुर स्थित आइओसीएल गैस बॉटलिंग प्लांट के कर्मचारी राजीव रंजन की हत्या कर शव को पूर्वी चंपारण के पिपराकोठी इलाके में फेंक दिया गया. राजीव शेरपुर गांव के प्रमोद चौधरी के पुत्र थे. राजीव के प्राइवेट पार्ट को कूच कर हत्या की गई. शव के पास में ही उसकी साइकिल भी मिली. शव की पहचान आई कार्ड से हुई. पिपराकोठी थाना से काल आने के बाद परिजन शव लाने के लिए निकले. प्रमोद चौधरी ने आरोप लगाया की शेरपुर इलाके के कुछ दबंग परिवार से दुश्मनी में हत्या की गई है. हत्या शेरपुर-दिघरा इलाके में करने के बाद शव को गाड़ी पर लाद कर ठिकाना लगाने के लिए पिपरा कोठी में फेंका गया.

बगहा में 38 किलो गांजा के साथ पांच गिरफ्तार

पश्चिम चंपारण । जिले के बगहा पुलिस पांच गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया. पुलिस ने पटना से यूपी के पडरौना जा रही बस से 38 किलो गांजा जब्त किया. जब्त गांजा को चार ट्रॉली बैग में छिपाकर ले जाया जा रहा था. इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक नाबालिग किशोरी सहित तीन महिलाओं और दो पुरुष तस्करों को गिरफ्तार किया. जब्त गांजे की कीमत 38 लाख रुपये बताई जा रही है. बगहा एसडीपीओ कुमार देवेंद्र ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर गांजा तस्करी के बड़े गिरोह का खुलासा के साथ ही पांच तस्करों को गिरफ्तार किया गया है.

बिहार के कई जिलों में भीषण गर्मी से सरकारी स्कूलों में बच्चे बेहोश हो गए थे

गर्मी में शिक्षकों को अवश्य छुट्टी देनी चाहिए: तेजस्वी

संवाददाता ।पटना

बिहार में गर्मी के बावजूद स्कूल खुले रहने से केके पाठक पाठक के आदेश से स्कूलों की टाइमिंग पर पहले से सवाल उठ रहे थे. अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के फैसले पर भी राजनीति शुरू हो गई है. इसमें उन्होंने बच्चों के लिए तो छुट्टी कर दिया लेकिन शिक्षकों को स्कूल में बने रहने का आदेश दिया है.

राजद नेता तेजस्वी यादव ने इस मामले पर नीतीश पर हमला बोला. राज्य में गर्मी से मृत लोगों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए तेजस्वी यादव ने सरकार के उस फैसले को

बिहार विस के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव.

स्कूलों में छुट्टी के बावजूद शिक्षकों को रोज समय से और दोपहर तक स्कूलों में तैनात रहने का आदेश दिया है. नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को मीडिया से कहा कि बिहार में एनडीए सरकार की हठधर्मिता की हद पार कर रही है. भीषण गर्मी में विद्यालय खोलने से छात्र-छात्राओं और शिक्षकों की मौत की खबरें मिल रही हैं. विपक्ष के दबाव में एक दिन पहले स्कूल बंद कर दिए गए लेकिन इस जानलेवा गर्मी में भी शिक्षकों को स्कूल आने के कड़े निर्देश दिए गए हैं. बता दें कि बिहार के कई जिलों में बुधवार को भीषण गर्मी से सरकारी स्कूलों में बच्चों के बेहोश होने की खबरें सामने आईं थीं. मुंगेर, शेखपुरा समेत कई जिलों के सरकारी स्कूलों में 50 से ज्यादा छात्र-छात्राओं के बेहोश होकर गिरने की खबर सामने आई थी. कई जगह शिक्षक और स्कूल के अन्य कर्मचारी भी बेहोश होकर गिर गए थे.

इस सूचना के बाद शिक्षा विभाग ने पहले आनन-फानन में स्कूल की टाइमिंग में बदलाव का आदेश दिया. इसके बाद दूसरा नोटिफिकेशन जारी कर स्कूल को 30 मई से 8 जून कर बंद करने का आदेश दे दिया, लेकिन इस दौरान शिक्षक के स्कूल आने का भी फरमान दिया है. तेजस्वी यादव ने पूछा है कि स्कूल में जब छात्र ही नहीं रहेंगे तो शिक्षक जाकर क्या करेंगे. इस भीषण गर्मी में शिक्षकों को अवश्य ही छुट्टी देनी चाहिए. दरअसल राज्य में पहले ही गर्मी की छुट्टी दे दी गयी थी. उस समय भी बच्चों को स्कूलों से बाहर तो शिक्षकों को दो घंटों की ड्यूटी पर रखा गया था. इसका शिक्षक संघों के साथ एमएलसी संजय सिंह और बीजेपी एमएलसी नवल किशोर यादव ने भी कड़ा विरोध किया था.

तेजस्वी यादव ने कहा कि सरकार और उनके पदाधिकारी अपना हर काम एसी में बैठकर करते हैं. स्कूलों में गर्मी से बचाव का कोई उपाय नहीं है. कहा कि पूरा मंत्रिमंडल एयर कंडीशन वाले कमरों में आराम फरमा रहा है परंतु शिक्षकों की जान लेने पर आमादा है. उन्होंने शिक्षकों को भी छुट्टी देने की मांग उठाई है.

इनकी प्रवृत्ति हमेशा शांति भंग करने की रही है: विजय सिन्हा

संवाददाता ।पटना

बिहार में बढ़ती गर्मी के साथ ही सियासी पारा तेज है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कन्याकुमारी में ध्यान साधना पर विपक्ष हमलावर है. इस पर भाजपा ने विपक्ष पर पलटवार किया है. बिहार के डिप्टी सीएम और भाजपा नेता विजय सिन्हा ने विपक्ष की असुरों से तुलना कर दी. डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में राजद और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इनकी प्रवृत्ति हमेशा शांति भंग करने की रही है. राजद और कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि ये वो लोग हैं जो कहीं ना कहीं सनातन की

संस्कृति से दूर चले गए. ये लोग सावन में मटन खाते हैं, नवरात्र के पहले ये मछली खाते हैं. सिन्हा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सनातन की संतान बताया और कहा कि जब-जब वे धर्म के प्रति आस्था व्यक्त करके ध्यान करते हैं तो इन असुर प्रवृत्ति के लोगों की बेचैनी बढ़ जाती है. विजय सिन्हा ने कहा कि हमारा इतिहास गवाह है कि जब-जब हमारे संत महात्मा यज्ञ करते थे तो असुर प्रवृत्ति के लोग विघ्न डालते थे.

उत्तर बिहार के सुपौल, बांका व समस्तीपुर में सुबह से ही झमाझम बारिश हुई

उत्तर बिहार में आंधी से गिरे पेड़

मिली राहत

- ग्रामीण क्षेत्रों में कई जगहों पर टीन के बने शेड उड़ गए
- वज्रपात से बांका में एक युवक की मौत भी हो गई

संवाददाता।पटना

एक तरफ जहां बिहार में एक दिन पहले हीट वेव से कई लोगों की मौत हो गई, वहीं गुरुवार देर रात को हुई बारिश राहतभरी रही. बीते चौबीस घंटे में उत्तर बिहार के कई जिलों में झमाझम बारिश हुई. मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक सुपौल, बांका, समस्तीपुर, बगहा और रामनगर में सुबह से ही झमाझम बादल बरसे. हालांकि इस बीच आंधी में कई जगह पेड़ गिरे, और कहीं बिजली भी बाधित रही.

वहीं वज्रपात में एक शख्स की मौत भी हो गई. उत्तर बिहार में हुई बारिश से दक्षिण बिहार का तापमान भी कम हुआ. शुक्रवार की सुबह पटना का मौसम सुहाना रहा. इससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई. सुपौल में झमाझम बारिश से सड़कों पर जलजमाव की समस्या उत्पन्न हो गई. जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में कई

बगहा में आंधी से गिरा पीपल का पेड़.

जगहों पर टीन शेड उड़ गए. सुपौल जिला मुख्यालय स्थित नगर परिषद वार्ड सात में एक पेड़ की टहनी गिरने से 11 हजार वोल्ट का तार टूटकर गिर गया. जिस कारण इलाके की बिजली व्यवस्था चरमरा गई है. लगभग आठ घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही. भीषण गर्मी के चलते दोपहर को शहर की सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता है.

इस बीच अचानक मौसम के बदले मिजाज ने लोगों को गर्मी और उमस से थोड़ी राहत दी है. जो लोग घरों में दुबके थे, वे सड़कों पर नजर आए. हालांकि मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक अभी दक्षिणी बिहार के अधिकतर हिस्से में पछुआ और उत्तरी और मध्य बिहार में पुरवैया चल रही है. ऐसे में आधा बिहार खासकर दक्षिणी-पश्चिमी बिहार को घातक लू का सामना करना पड़ रहा है. इसमें मुंगेर और गया जिले में गर्मी का कहर जारी है.

बांका में सुबह बारिश के बीच हुई वज्रपात से कटोरिया थाना क्षेत्र के मोहली टोला के एक युवक की मौत हो गई. इस घटना में तीन अन्य युवक जख्मी हो गए. सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया. बताया गया कि मृतक समेत छह युवक एक पीपल पेड़ के नीचे बैठे हुए थे. जिसमें से कुछ युवक पेड़ के नीचे बैठकर मोबाइल चला रहा था. इसी दौरान बारिश के दौरान पीपल के पेड़ पर बिजली गिरी. जिसके चपेट में आकर चार युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए. इसमें एक शख्स की मौत हो गई. समस्तीपुर में गुरुवार की रात अचानक मौसम ने करवट ली और तेज हवा के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हो गई. तेज हवा रहने के कारण जिले में कई स्थानों पर पेड़ भी टूट कर नीचे गिर गया. इस कड़ी में सरायरंजन थाना परिसर में भी कई पेड़ टूट कर गिर गया. जिसके कारण पेड़ के नीचे पार्किंग किए गए पुलिस वाहन एवं अग्निशमन वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया.

बीती रात हुई भीषण आंधी और पानी से जिले में कई जगह बिजली व्यवस्था भी चरमरा गई. ग्रामीण क्षेत्रों में रात से ही बिजली की आपूर्ति ठप हो गई है. पेयजल नहीं मिलने के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में हाहाकार मचा रहा. तेज आंधी से बगहा में विद्युत व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई. बारह घंटे से बगहा शहर सहित आसपास से ग्रामीण क्षेत्रों में आपूर्ति पूरी तरह से ठप है. जिससे आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. शहरी क्षेत्र में पेयजल के भी समस्या खड़ी हो गई है.

उमसभरी इस गर्मी में भी लोगों को पूरी रात परेशानी का सामना करना पड़ा. विद्युत प्रमंडल बगहा के कार्यपालक अभियंता आलोक अमृतांशु ने बताया कि तेज आंधी व पानी के कारण बगहा विद्युत प्रमंडल के करीब 70 जगह पर बिजली के पोल, तार एवं इंसुलेटर ध्वस्त हो गए. देर रात से ही विद्युत कर्मियों की टीम क्षतिग्रस्त तार एवं पोल को दुरुस्त करने में लगे हुए हैं.

लू लगने से 59 लोगों की हुई मौत

संवाददाता ।पटना

हीटवेव जारी

- औरंगाबाद में सबसे अधिक 15 लोगों की जान गयी
- मौसम विभाग की मानें तो दो जून तक हीट वेव चलेगी

बिहार, झारखंड समेत कई राज्यों में आसमान से आग बरस रहा है. एक तरफ हीट वेव से जहां आम-खास सब हलकान हैं. वहीं दूसरी तरफ यह गर्मी लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रही है. बिहार के अलग-अलग जिलों में बिहार में गुरुवार को गर्मी से 59 लोगों की मौत हो गई.

औरंगाबाद में सबसे अधिक 15 लोगों की जान गयी. वहीं 20 से ज्यादा लोग अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती हैं. इसके अलावा पटना में 11, भोजपुर में 10, रोहतास में आठ, कैमूर में पांच, गया में चार, मुजफ्फरपुर में दो, बेगूसराय, बरबीघा, जमुई और सारण में एक-एक व्यक्ति ने जान गंवायी है. इससे पहले बुधवार को भी लू से आठ लोगों की मौत हुई थी. इस तरह दो दिनों में बिहार में 67 लोगों की मौत हो गयी. इधर मौसम विभाग ने बिहार के कई जिलों में शुक्रवार को भी भीषण गर्मी और लू चलने की आशंका जतायी है. साथ ही लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है. मौसम विभाग की मानें तो दो जून तक हीट वेव चलेगी. इसके बाद धीरे-धीरे इसमें कमी आयेगी. विभाग के अनुसार, आज शुक्रवार को झारखंड, ओडिशा, विदर्भ, छत्तीसगढ़, जम्मू संभाग और हिमाचल प्रदेश में भी शुक्रवार को लू चलेगी. बता दें कि मॉनसून अपने निर्धारित समय से एक दिन पहले 19 मई को दक्षिण अंडमान सागर पहुंचा था. इसके बाद से मानसून को लगातार अनुकूल परिस्थितियां मिलती रही. इसी कारण मॉनसून ने अपने निर्धारित समय से दो दिन पहले ही केरल में गुरुवार को दस्तक दे दी. इसके केरल पहुंचने का समय 1 जून था. केरल में मॉनसून के दो दिन पहले दस्तक देने के बाद अनुमान लगाया जा रहा है कि बिहार में यह निर्धारित समय 15 जून या इससे एक-दो दिन पहले पहुंच सकता है.

पटना में युवती से गैंगरेप, आरोपी फरार

पटना । एक युवती से गैंगरेप और प्रताड़ित करने का मामला उजागर हुआ है. मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है. जहां आरोप एक कंसल्टेंसी ऑफिस के मालिक और उसके दो अन्य सहयोगियों पर लगा है. पीड़िता के बयान के मुताबिक आरोपियों ने दुष्कर्म के बाद उसके मोबाइल छीन कर उसके खाते से 18 हजार कैश की अवैध निकासी कर ली. युवती की पहचान कुछ महीने पहले कंसलटेंसी सर्विसेज के मालिक शंकर शर्मा से हुई थी. जिसकी कंपनी में बतौर कर्मी युवती काम कर रही थी.

बदमाशों ने की चालक की गोली मारकर हत्या

बांका । बेलहर थाना क्षेत्र स्थित बदुआ डैम में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई. शव को बदुआ डैम में फेक दिया गया. शव की पहचान देवघर निवासी तीस वर्षीय राजीव कुमार ठाकुर के रूप में हुई है. घटनास्थल से पुलिस ने खोखा बरामद किया है. पुलिस ने बताया कि मृतक को सिर में गोली मारकर हत्या की गई है. मृतक के शरीर पर कई जगह गहरा जख्म भी है. मृतक देवघर से मरीज को लेकर कार से जमुई के महादेव सिमरिया छोड़ने के लिए गया हुआ था. घटनास्थल से कार गायब मिला. जिसको लेकर लूट की घटना को अंजाम देने के बाद अज्ञात अपराधियों द्वारा कार छीन कर गोली मारने की आशंका जाहिर की जा रही है. जानकारी के अनुसार झारखंड राज्य के देवघर स्थित गौरीपुर निवासी सुखदेव ठाकुर का पुत्र राजीव देवघर से एक डॉक्टर के यहां से एक मरीज को लेकर जमुई थाना क्षेत्र के सिमरिया गांव गया हुआ था. जहां मरीज को उसके घर पर छोड़ने के बाद राजीव अपने कार से घर लौट रहा था. इसके बाद अचानक राजीव का कुछ पता नहीं चल पाया. काफी देर तक घर वापस नहीं लौटने के बाद परिजन खोजबीन में जुट गए. इसी क्रम में बेलहर थाना क्षेत्र के बदुआ डैम के पास स्थानीय पुलिस द्वारा एक अज्ञात शव बरामद किया गया.

चीन में कारखाना गतिविधियों में कमी

बीजिंग । चीन में कारखाना गतिविधि मई में अपेक्षा से अधिक धीमी रहीं जिससे पहले से ही जूझ रही अर्थव्यवस्था पर और दबाव बढ़ने का संकेत मिलता है. 'चाइना फेडरेशन ऑफ लॉजिस्टिक्स एंड परचेजिंग' की ओर से जारी विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) अप्रैल के 50.4 से घटकर 49.5 पर आ गया. इसे 100 के पैमाने पर मापा जाता है, जो 50 से अधिक होने पर विस्तार और कम होने पर संकुचन को दर्शाता है. मंदी का मुख्य कारण उत्पादन में गिरावट है.

आरोहन का शुद्ध लाभ 103.16 करोड़ रुपये

कोलकाता । सूक्ष्म ऋणदाता आरोहन फाइनेंशियल सर्विसेज का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही का शुद्ध लाभ 377 प्रतिशत बढ़कर 103.16 करोड़ रुपये रहा. कंपनी का वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी (जनवरी-मार्च) में शुद्ध लाभ 21.62 करोड़ रुपये था. आरोहन फाइनेंशियल सर्विसेज ने एक बयान में कहा, माइक्रोफाइनेंस संस्थान का सकल ऋण खंड शून्य शुद्ध एनपीए के साथ 7,112 करोड़ रुपये को पार कर गया. समूचे वित्त वर्ष 2023-24 में आरोहन का शुद्ध लाभ 313.82 करोड़ रुपये रहा, जबकि 2022-23 में यह 71 करोड़ था.

जेईएम एआरएआई की मिल गई मंजूरी

नयी दिल्ली । जुपिटर वैगन्स लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी जुपिटर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड (जेईएम) को बैटरी चालित हल्के वाणिज्यिक वाहनों के लिए ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) से मंजूरी मिल गई है. जुपिटर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड 'जेईएम टेज' ब्रांड नाम के तहत बैटरी चालित हल्के वाणिज्यिक वाहनों का उत्पादन करेगी. कंपनी ने एक बयान में कहा कि जेम टेज़ भारत का पहला एक टन का वाणिज्यिक इलेक्ट्रिक वाहन होगा जो 20 मिनट में 0 से 100 प्रतिशत तक चार्ज हो जाएगा. कंपनी का दावा है कि जेईएम टीईजेड एक बार चार्ज होने पर 127 किलोमीटर तक चल सकता है.

मार्च 2024 के अंत तक आरबीआई के पास कुल 822.1 टन सोना था

आरबीआई वापस लायी 100 टन सोना

भाषा ।नयी दिल्ली

स्वर्ण भंडार

- पिछले वित्त वर्ष में स्वर्ण भंडार 27 .5 टन बढ़ा था
- सोने को लाने के लिए महीनों की प्लानिंग की गई थी

1991 में सोने को गिरवी रख पैसे जुटाए थे

1991 में जब भारत की इकोनॉमी डूब रही थी और उसके पास सामान इंपोर्ट करने के लिए डॉलर नहीं थे तो उसने सोने को गिरवी रख पैसे जुटाए थे और इस फाइनेंशियल क्राइसिस से बाहर आया था. बहुत अधिक भंडार होने का मतलब है कि देश की अर्थव्यवस्था मजबूत है. यह भी पता चलता है कि वह देश अपने धन का अच्छी तरह से प्रबंधन करता है. ऐसे में अन्य देश और ग्लोबल फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन उस देश पर ज्यादा भरोसा करते हैं. गोल्ड रिजर्व किसी भी देश की करेंसी वैल्यू का सपोर्ट करने के लिए एक सॉलिड एसेट प्रदान करता है.

सोना किसी देश की अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा होता है. जब किसी देश के पास विदेशी मुद्रा कम हो जाती है तब संकट के समय में सोना ही मददगार होता है. सोना के बदौलत सामान इंपोर्ट किया जाता है. सोना गिरवी रखकर पैसे जुटाए जाते हैं और इस तरह से फाइनेंशियल क्राइसिस से बाहर निकलने का रास्ता बनाया जाता है. भारत आज अर्थव्यवस्था के मामले में बेहतर स्थिति में है. इसलिए तीन दशक पहले रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी आरबीआई ने ब्रिटेन से अपना 100 टन सोना वापस मंगा लिया है. यह 1991 की शुरुआत के बाद पहली बार है, जब इतना अधिक सोना भारत के भंडार में वापस आया है. नवीनतम आंकड़े के अनुसार, मार्च 2024 के अंत तक आरबीआई के पास कुल 822.1 टन सोना था, जिसमें से 413.8 टन विदेशों में जमा था. आरबीआई पिछले कुछ सालों में सोना खरीदने वाले केंद्रीय बैंकों में से एक है. पिछले वित्त वर्ष में रिजर्व बैंक के सोने के भंडार में 27.5 टन सोना बढ़ा है. सूत्रों की मानें तो यह काम इतना सरल नहीं था.

100 टन सोने को भारत लाने के लिए महीनों की प्लानिंग की गई. फिर पूरे प्लान को एग्जीक्यूट किया गया. प्लानिंग और एग्जीक्यूशन में वित्त मंत्रालय, आरबीआई और सरकार की अन्य विंग के साथ लोकल अथॉरटीज शामिल रहीं. आरबीआई को सोना भारत में लाने के लिए सीमा शुल्क में छूट मिली. लेकिन आयात पर लगने वाले इंटीग्रेटेड जीएसटी में कोई छूट नहीं दी गई. ऐसा इसलिए क्योंकि इस टैक्स को राज्यों के साथ शेयर किया जाता है. गोल्ड लाने के लिए एक स्पेशल एयरक्राफ्ट का इस्तेमाल किया गया. इस कदम से आरबीआई को कुछ स्टोरेज कॉस्ट बचाने में भी मदद मिलेगी, जिसका पेमेंट वो बैंक ऑफ इंग्लैंड को करता था. हालांकि, यह राशि इतनी बड़ी नहीं है.

हमारे देश के भीतर, मुंबई के मिंट रोड पर रिजर्व बैंक ऑफिस की पुरानी बिल्डिंग में सोना रखा जाता है. इसके अलावा पूरी सिक्योरिटी के साथ सोने का स्टोरेज नागपुर में भी वॉल्ट में किया जाता है. बता दें कि आरबीआई केवल भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी सोना रखता है. सभी देशों के केंद्रीय बैंक सोने को अलग-अलग जगहों पर रखना चाहते हैं, ताकि जोखिम कम हो सके. सबसे पहले तो सोने की सेफ्टी को ध्यान में रखा जाता है. अगर भारत में आपदा या राजनीतिक अस्थिरता से आर्थिक स्थिति खराब होती है तो इससे उबरने में विदेशों में रखा सोना काम आता है.

प्राकृतिक आपदाओं से भी सोने के भंडार को नुकसान पहुंच सकता है. अलग-अलग जगह सोना रखने से यह जोखिम कम होता है. जानकारी के अनुसार ब्रिटेन का बैंक ऑफ इंग्लैंड परंपरागत रूप से कई केंद्रीय बैंकों के लिए सोने का भंडारगृह रहा है. भारत की आजादी से पहले से ही कुछ मात्रा में सोना लंदन में जमा है, क्योंकि आजादी से पहले, ब्रिटेन बैंक ऑफ इंग्लैंड में भारत का सोना रखता था. इसलिए आजादी के बाद भी, भारत ने कुछ सोना लंदन में ही रखा हुआ है.

सूत्र के अनुसार आरबीआई बीते कुछ साल से सोना खरीद रहा है. सोना खरीदने के साथ आरबीआई समय-समय पर यह रिव्यू करता है कि उसका स्टोरेज कहां कितना होना चाहिए. चूंकि विदेशों में स्टॉक बढ़ रहा था, इसलिए कुछ सोना भारत लाने का फैसला लिया गया. यह हमारी इकोनॉमी की ताकत और कॉन्फिडेंस को भी दिखाता है.

टाटा समूह राजस्व वृद्धि पर ध्यान केंद्रित करेगी

नयी दिल्ली । टाटा समूह के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने कहा कि घरेलू यात्री वाहन (पीवी) खंड में अगले कुछ वर्षों में वार्षिक बिक्री 50 लाख के आंकड़े को पार कर जाने की उम्मीद है और टाटा मोटर्स इस वृद्धि अवसर का लाभ उठाने के लिए तैयार है. वित्त वर्ष 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट में कंपनी के शेयरधारकों को दिए संदेश में उन्होंने कहा कि कंपनी भविष्य में अपने सभी व्यवसायों में राजस्व वृद्धि और मजबूत मुक्त नकदी प्रवाह पर ध्यान केंद्रित करेगी. चंद्रशेखरन ने कहा कि

- टाटा मोटर्स अपनी बाजार स्थिति को और मजबूत करने और इस वृद्धि अवसर का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है

भारत अगले कुछ वर्षों में यात्री वाहनों की बिक्री के 50 लाख के आंकड़े को पार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जबकि पिछले वर्ष यह आंकड़ा 41 लाख था. चंद्रशेखरन ने कहा कि टाटा मोटर्स अपनी बाजार स्थिति को और मजबूत करने तथा इस वृद्धि अवसर का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है. उन्होंने कहा कि वाहनों की बिक्री के अलावा, वाहन पार्क से जुड़े कारोबार जैसे कि स्पेयर पार्ट्स, डिजिटल और स्मार्ट मोबिलिटी समाधान पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा जिससे वाहन बिक्री कारोबार की अस्थिरता को कम करने में मदद मिलेगी.

वस्तुओं की गुणवत्ता सुधारने में भारत को मदद मिलेगी : जीटीआरआई

एजेंसियां ।नयी दिल्ली

होगा सुधार

- अधिक उत्पादों के लिए 140 से अधिक क्यूसीओ जारी
- गुणवत्ता वाले आयातों को अनुचित रूप से दंडित न किया जाए

अंतरराष्ट्रीय मानकों को अपनाने, जोखिम आधारित नियमन का इस्तेमाल करने और आधुनिक बुनियादी ढांचे के विकास जैसे कदमों से भारत से निर्मित तथा निर्यातित वस्तुओं की गुणवत्ता में और सुधार करने में मदद मिलेगी. जीटीआरआई ने शुक्रवार को यह बात कही. आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने साथ ही लघु एवं मध्यम उद्यमों को समर्थन देने, गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों को गैर-शुल्क बाधाओं में बदलने से रोकने, नियामक प्रभाव आकलन, विश्व स्तर पर स्वीकार्य मानकों का विकास करने तथा भारत की गुणवत्ता प्रणालियों को मजबूत करने के लिए व्यापारिक साझेदारों के साथ पारस्परिक मान्यता समझौते करने की भी सलाह दी.

ये सुझाव ऐसे समय में दिए गए हैं जब चीन जैसे देशों से घटिया वस्तुओं के आयात पर भारत अंकुश लगाने, घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और देश से उच्च गुणवत्ता वाली वस्तुओं के निर्यात को बढ़ावा देने के मकसद से गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) तथा अनिवार्य पंजीकरण आदेश (सीआरओ) जारी करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है. जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि इन पहलों का पूरा लाभ उठाने के लिए भारत के गुणवत्ता बुनियादी ढांचे को व्यापक रूप से मजबूत करना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे यह सुनिश्चित होगा कि छोटी कंपनियों पर अत्यधिक बोझ न पड़े, गुणवत्ता वाले आयातों को अनुचित रूप से दंडित न किया जाए और परीक्षण प्रयोगशालाओं जैसे पर्याप्त क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे की व्यवस्था हो.

जीटीआरआई की रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर 2017 में बीआईएस अधिनियम लागू होने के बाद से 550 से अधिक उत्पादों के लिए 140 से अधिक क्यूसीओ जारी किए गए हैं, जबकि 2014 तक 106 उत्पादों के लिए केवल 14 क्यूसीओ जारी किए गए थे. क्यूसीओ और सीआरओ वैश्विक स्तर पर उपयोग किए जाने वाले विनियामक उपाय हैं. इनका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि उत्पाद विपणन व बिक्री से पहले विशिष्ट गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रदर्शन मानकों को पूरा करें.

वेट एंड वॉच एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने भारत के आर्थिक परिदृश्य को उन्नत कर सकारात्मक कर दिया

नई सरकार के काम पर रहेगी नजर : एसएंडपी

भाषा ।नयी दिल्ली

रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने शुक्रवार को कहा कि वह भारत की साख बढ़ाने का फैसला लेने से पहले नई सरकार की वृद्धि-समर्थक नीतियों के अलावा अगले एक-दो साल तक राजकोषीय आंकड़ों पर भी नजर रखेगी. एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने इसी सप्ताह भारत के आर्थिक परिदृश्य को उन्नत कर 'स्थिर' से 'सकारात्मक' कर दिया. लेकिन उसने भारत की 'सॉवरेन रेटिंग' को 'बीबीबी-' पर बरकरार रखा है जो कि सबसे निचली निवेश-योग्य रेटिंग है.

इसके साथ ही रेटिंग एजेंसी को

राजकोषीय आंकड़ा

- भारत की वृद्धि क्षमता आठ प्रतिशत तक रह सकती है
- भारत में लगातार उच्च जीडीपी वृद्धि दर रही है

उम्मीद है कि देश में बनने वाली कोई भी नई सरकार वृद्धि समर्थक नीतियों, बुनियादी ढांचे में निवेश और राजकोषीय सशक्तीकरण को लेकर प्रतिबद्धता को जारी रखेगी. एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के विश्लेषक यीफर्न फुआ ने एक वेबिनार में कहा कि अगले दो वर्षों में हम बारीकी से देखेंगे कि सरकार राजकोषीय मजबूती की तय राह पर बनी रहती है या नहीं.... हम अगले एक-दो वर्षों तक यह देखेंगे कि राजकोषीय आंकड़े किस तरह के आते हैं और ऐसा होता है तो इससे रेटिंग में सुधार होगा. राजकोषीय मजबूती की योजना के तहत सरकारी व्यय और राजस्व के बीच का अंतर यानी राजकोषीय घाटे को मार्च, 2026 तक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.5 प्रतिशत पर लाने का लक्ष्य रखा गया है. राजकोषीय घाटे के मार्च, 2025 के अंत में 5.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है.

फुआ ने कहा कि एक बार जब उच्च बुनियादी ढांचे के निवेश का प्रभाव महसूस किया जाता है और अड़चनें दूर हो जाती हैं, तो भारत की दीर्घकालिक वृद्धि क्षमता आठ प्रतिशत तक रह सकती है. उन्होंने कहा कि 1991 में आर्थिक उदारीकरण के बाद से अलग-अलग दलों और गठबंधनों के शासन के बावजूद भारत में लगातार उच्च जीडीपी वृद्धि दर रही है. फुआ ने कहा कि यह प्रमुख आर्थिक नीतियों पर राष्ट्रीय आम सहमति को दर्शाता है. हम मानते हैं कि चुनाव के बाद यह वृद्धि-समर्थक नीति जारी रहेगी और आने वाले वर्षों में राजकोषीय मजबूती की राजनीतिक प्रतिबद्धता भी बनी रहेगी.

चाहे आने वाली सरकार कोई भी हो, विकास समर्थक नीतियां, निरंतर बुनियादी ढांचे में निवेश और राजकोषीय घाटे को कम करने की मुहिम आने वाले वर्षों में जारी रहेगी.

हमारा एलएलएम दुनिया भर में सर्वश्रेष्ठ : संजय रेड्डी

एजेंसियां ।नयी दिल्ली

- कंपनी अगस्त 2024 में जीवी मेडएक्स पेश करने की भी योजना बना रही है

घरेलू स्वास्थ्य सेवा स्टार्टअप जीवीएआई ने शुक्रवार को कहा कि उसके एआई आधारित भाषा शिक्षण मॉडल ने गूगल तथा ओपनएआई के मशीन लर्निंग एल्गोरिदम को पीछे छोड़ दिया है और वैश्विक सूचकांक पर नंबर एक स्थान प्राप्त किया है. यह रैंकिंग ओपन मेडिकल एलएलएम लीडरबोर्ड द्वारा दी गई है. यह स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र-केंद्रित बड़े भाषा मॉडल के प्रदर्शन को 'ट्रैक' और मूल्यांकन करता है. ओपन मेडिकल एलएलएम लीडरबोर्ड को एआई मंच हगिंग फेस, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय और ओपन लाइफ साइंस एआई द्वारा होस्ट किया गया है. सह-संस्थापक एवं चेयरमैन जीवी संजय रेड्डी ने कहा कि यह किसी भारतीय कंपनी के लिए एक बड़ी उपलब्धि है.

जीवी में हमारा मिशन दुनिया भर में सभी के लिए बेहतरीन स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना है. हमारा एलएलएम दुनिया भर में सर्वश्रेष्ठ है, जिससे हमें बहुत गर्व और आत्मविश्वास मिलता है क्योंकि हम जीवी को एक अरब से अधिक लोगों तक पहुंचाने की तैयारी कर रहे हैं. कंपनी अगस्त 2024 में जीवी मेडएक्स पेश करने की भी योजना बना रही है.

▼ ब्रीफ खबरें

हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर हुआ हमला

वाशिंगटन। लाल सागर और अदन की खाड़ी में वाणिज्यिक जहाजों पर हाल में हूती विद्रोहियों के हमलों में वृद्धि के जवाब में अमेरिका और ब्रिटेन ने गुरुवार को यमन में ईरान समर्थित विद्रोही समूह के 13 ठिकानों पर हमला किया. अमेरिका के अधिकारियों के मुताबिक, अमेरिका एवं ब्रिटेन के लड़ाकू विमानों और अमेरिकी जहाजों ने भूमिगत ठिकानों, मिसाइल दागने वाले स्थलों, हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले स्थल, हूती जहाज व अन्य ठिकानों को निशाना बनाया.

मिनियापोलिस में गोलीबारी, तीन की मौत

मिनियापोलिस। अमेरिका के मिनियापोलिस में एक पुलिस अधिकारी पर घात लगाकर गोलीबारी की गई, जिसमें उसकी मौत हो गई. इस मुठभेड़ में संदिग्ध बंदूकधारी सहित दो अन्य लोग मारे गए. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. पुलिस अधिकारी गोलीबारी की सूचना मिलने पर एक घायल व्यक्ति को चिकित्सा सहायता प्रदान कर रहा था, उसी दौरान उस पर घात लगाकर हमला किया गया. मिनेसोटा ब्यूरो ऑफ क्रिमिनल अप्रहेन्शन के अधीक्षक ड्रू इवांस ने पुष्टि की.

कंटेनर-कार की टक्कर में तीन बच्चों की मौत

अमेठी (उप्र)। अमेठी जिले के कमरौली थाना क्षेत्र में शुक्रवार को तड़के एक कंटेनर की टक्कर से कार सवार तीन बच्चों की मौत हो गयी और अन्य कई घायल हो गये. पुलिस ने यह जानकारी दी. थाना कमरौली के प्रभारी निरीक्षक अवनीश कुमार सिंह ने बताया कि शुक्रवार को तड़के बीएचईएल गेट के सामने रेलवे क्रॉसिंग बन्द होने से कई गाड़ियां खड़ी थीं. कन्टेनर पीछे खड़ी कार में जोर से टक्कर मारी कि कार समेत आगे खड़ी करीब आधा दर्जन अन्य गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं.

कृष्ण जन्मभूमि मामले में निर्णय सुरक्षित

प्रयागराज। मथुरा स्थित कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने वाद की पोषणीयता पर अपना निर्णय शुक्रवार को सुरक्षित रख लिया. इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन की अदालत कर रही थी. यह वाद शाही ईदगाह मस्जिद के ढांचे को हटाकर कब्जा दिलाने और मंदिर का पुनर्निर्माण कराने की मांग के साथ दायर किया गया है. यह विवाद मुगल सम्राट औरंगजेब के समय मथुरा में स्थापित शाही ईदगाह मस्जिद से जुड़ा है,

उत्तराखंड के जंगलों में फिर भड़की आग

देहरादून। उत्तराखंड के विभिन्न हिस्सों में जंगलों में आग फिर से भड़क उठी है. राजाजी बाघ संरक्षित क्षेत्र के गौहारी रेंज और ऋषिकेश में नीलकंठ महादेव मंदिर के पैदल यात्रा मार्ग पर आग लगने की दो बड़ी घटनाएं हुई हैं. राजाजी बाघ संरक्षित क्षेत्र के निदेशक साकेत बडोला ने शुक्रवार को बताया कि क्षेत्र के गौहारी रेंज में गुरुवार शाम को लगी आग से करीब 1.5 हेक्टेयर वन क्षेत्र प्रभावित हुआ. बाघ संरक्षित क्षेत्र के गौहारी रेंज में लगी आग पर काबू पा लिया गया है.

दो दिन का ध्यान : विवेकानंद रॉक मेमोरियल में भगवान सूर्य को जल अर्पित किया

माला जपते दिखे पीएम मोदी, मंडपम के लगाए चक्कर

- आज शाम तक ध्यान करेंगे
- भाजपा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर संक्षिप्त वीडियो पोस्ट किया

एजेंसी। कन्याकुमारी

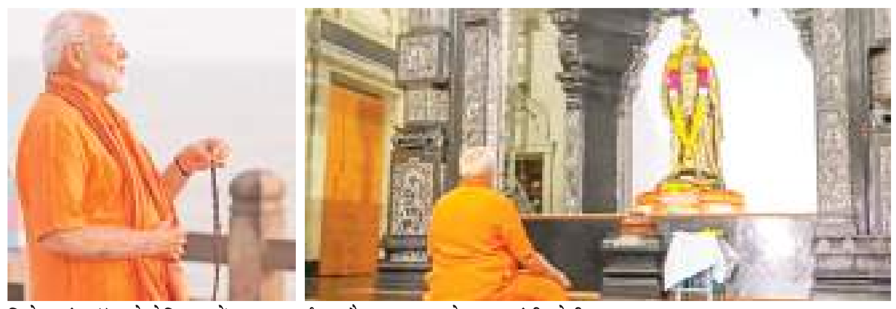
विवेकानंद रॉक मेमोरियल में पूजा -अर्चना और ध्यान करते प्रधानमंत्री मोदी.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को यहां विवेकानंद रॉक मेमोरियल में सूर्योदय के दौरान सूर्य अर्घ्य दिया. मोदी दो दिनों के ध्यान अभ्यास के लिए रॉक मेमोरियल पहुंचे हैं. प्रधानमंत्री ने हाथ जोड़कर प्रणाम करने के बाद सूर्य अर्घ्य दिया. सूर्य अर्घ्य आध्यात्मिक अभ्यास से जुड़ी एक परंपरा है, जिसमें भगवान सूर्य को जल अर्पित कर उन्हें नमन किया जाता है.

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक संक्षिप्त वीडियो पोस्ट किया, जिसमें प्रधानमंत्री एक लोटे से सूर्य को जल अर्पित करते और माला जपते नजर आ रहे हैं. पार्टी ने पोस्ट में कहा, 'सूर्योदय, सूर्य अर्घ्य, आध्यात्मिकता. भाजपा ने प्रधानमंत्री मोदी की कुछ तस्वीरें भी पोस्ट कीं, जिसमें वह भगवा कुर्ता, शॉल और धोती पहने हुए ध्यान मंडपम में ध्यान में लीन दिखाई दे रहे हैं. तस्वीरों में उनके सामने रखी अगरबत्ती को धीरे-धीरे जलते हुई देखा जा सकता है. मोदी ने अपने हाथों में जप माला लेकर मंडपम का चक्कर भी लगाया. प्रधानमंत्री ने विवेकानंद रॉक मेमोरियल में 30 मई की शाम को ध्यान लगाना शुरू किया और वह एक जून की शाम तक इस मुद्रा में रहेंगे.

पुजारियों ने पीएम से कराई विशेष आरती

लोकसभा चुनाव प्रचार का शोर थमते ही पीएम मोदी गुरुवार की शाम कन्याकुमारी पहुंचे थे. यहां उन्होंने सबसे पहले भगवती देवी अम्मन मंदिर में दर्शन-पूजन किया. पूजा के दौरान मोदी ने सफेद मुंडु (दक्षिण भारत में लुंगी की तरह पहना जाने वाला परिधान) पहना था. पुजारियों ने उन्हें विशेष आरती कराई और प्रसाद, शॉल और देवी भगवती अम्मन की फ्रेम में मढ़ी हुई तस्वीर प्रदान की.

भारतीय-अमेरिकी छात्र ने स्क्रिप्स स्पेलिंग बी का खिताब जीता

भाषा। वाशिंगटन

ब्रुहत सोमा.

फ्लोरिडा के सातवीं कक्षा के 12 वर्षीय भारतीय-अमेरिकी छात्र ब्रुहत सोमा ने प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में छोटे जातीय समुदाय के बच्चों का दबदबा कायम रखते हुए टाईब्रेकर में 29 शब्दों की सही वर्तनी बताने के बाद 'स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी' खिताब अपने नाम कर लिया. ब्रुहत स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी में विजयी हुए और उन्होंने 50,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक नकद और अन्य पुरस्कार अर्जित किए. इस साल की प्रतियोगिता टाईब्रेकर तक पहुंची, जिसमें ब्रुहत ने 90 सेकंड में 29 शब्दों की सही वर्तनी बताकर फैजान जकी को हराया. फैजान लाइटनिंग राउंड में 20 शब्दों की सही वर्तनी करने में कामयाब रहे. उनका चैम्पियनशिप शब्द एब्सिल था, जिसे पर्वतारोहण के दौरान ऊपर एक आगे निकले हुए हिस्से पर रस्सी के सहारे उतरना के रूप में परिभाषित किया गया है. टाईब्रेकर में ब्रुहत पहले स्थान पर रहे और 30 शब्द पूरे करने के बाद ऐसा लगा कि उन्हें हराना असंभव होगा. शुरुआत में फैजान की गति अधिक असमान थी. फिर वे गति में आए.

दिल्ली के सीएम ने राज्यवासियों के नाम वीडियो संदेश जारी किया

दो को सरेंडर करूंगा, मैं झुकूंगा नहीं : केजरीवाल

एजेंसी। नयी दिल्ली

अरविंद केजरीवाल.

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि वह दो जून को आत्मसमर्पण करेंगे और अगर जेल में उन्हें प्रताड़ित किया गया तब भी वह झुकेंगे नहीं. आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक को सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा चुनावों में प्रचार के लिए एक जून तक अंतरिम जमानत प्रदान की थी. जेल से रिहा होने के बाद केजरीवाल ने उत्तर प्रदेश, पंजाब, दिल्ली और महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार किया था. मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा, मुझे दो जून को आत्मसमर्पण करना है और मुझे नहीं पता कि इस बार मैं कितने दिन जेल में रहूंगा. मैं इस देश को तानाशाही से बचाने के लिए जेल जा रहा हूं और मुझे इस पर गर्व है.

रविवार अपराह्न तीन बजे तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण करेंगे : केजरीवाल ने कहा, उन्होंने मुझे (मनोबल) तोड़ने की कोशिश की. जब मैं जेल में था तब मेरी दवाई रोक दी गयी. गिरफ्तार किये जाने के बाद मेरा वजन छह किलोग्राम कम हो गया. जब मुझे गिरफ्तार किया गया तो मेरा वजन 70 किलोग्राम था. जेल से बाहर आने के बाद भी मेरा वजन नहीं बढ़ा. उन्होंने कहा कि चिकित्सकों ने उन्हें कई टेस्ट कराने की सलाह दी है और उन्हें लगता है कि यह किसी बीमारी का संकेत हो सकता है.मुख्यमंत्री ने कहा कि वह रविवार अपराह्न करीब तीन बजे अपने आवास से निकलकर तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण करेंगे.

मुझे और परेशान करने की कोशिश की जाएगी

केजरीवाल ने कहा, वे मुझे और परेशान करने की कोशिश करेंगे लेकिन मैं झुकूंगा नहीं. जेल वापस जाने के बाद मुझे आपकी (लोगों की) चिंता होगी. मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि आपकी सेवाएं बंद नहीं होंगी. मैं जल्द ही अपनी माताओं और बहनों को एक हजार रुपये देना शुरू करूंगा. केजरीवाल महिलाओं के लिए 1,000 रुपये महीना सम्मान राशि देने की योजना का जिक्र कर रहे थे. केजरीवाल ने लोगों से उनकी मां के लिए प्रार्थना करने को भी कहा.

नमामि गंगे परियोजना में व्यापक भ्रष्टाचार हुआ : कांग्रेस

भाषा। नयी दिल्ली

- वाराणसी के लोग इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे
- निवर्तमान प्रधानमंत्री का निवर्तमान सांसद भी बनना तय : रमेश

कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नमामि गंगे परियोजना में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है, जिसे वाराणसी की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी. पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि निवर्तमान प्रधानमंत्री का निवर्तमान सांसद भी बनना तय है. वाराणसी संसदीय क्षेत्र में एक जून को मतदान होगा. यहां से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार हैं. उनके खिलाफ कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) की तरफ से अजय राय को उम्मीदवार बनाया गया है. रमेश ने सोशल मीडिया मंच ''एक्स'' पर पोस्ट किया, एक जून को प्राचीन और पवित्र शहर वाराणसी में वोट डाला जाएगा. नरेंद्र मोदी 10 साल से यहां के सांसद हैं. गंगा को साफ़ करने के वादे के 10 साल हो चुके हैं. सत्ता में आने के तुरंत बाद उन्होंने, 2009 में शुरू होने के बाद से चल रहे मिशन गंगा का नाम बदलकर नमामि गंगे किया. मिशन गंगा के दो प्रमुख उद्देश्य थे: निर्मल गंगा और अविरल गंगा. प्रधानमंत्री मोदी ने गंगा के प्राकृतिक प्रवाह को बहाल करने के उद्देश्य को पूरी तरह से त्याग दिया है. उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती मनमोहन सिंह सरकार ने गंगा पर राज्य और केंद्र सरकार की पहल के समन्वय के लिए 2009 में राष्ट्रीय गंगा नदी बेसिन प्राधिकरण की स्थापना की थी.

रमेश ने दावा किया, राष्ट्रीय गंगा परिषद की 10 वर्षों में केवल 2 बार बैठक हुई है!

मौसम विभाग ने मॉनसून पहुंचने की घोषणा की

केरल में दो दिन पहले ही पहुंच गया मॉनसून

एजेंसी। केरल

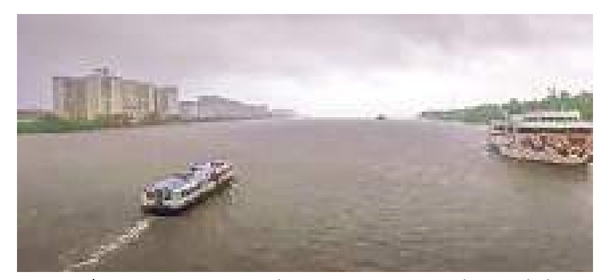

मॉनसून एक जून को केरल में दस्तक देता है. पांच जून तक पूर्वोत्तर भारत के अधिकतर हिस्सों में पहुंच जाता है. लेकिन दक्षिण-पश्चिम मॉनसून दो दिन पहले ही केरल पहुंच गया. मौसम विज्ञान विभाग ने औपचारिक तौर पर इसकी घोषणा कर दी है. आईएमडी के वैज्ञानिक डॉ. नरेश कुमार ने कहा कि सभी स्थितियों के आकलन के बाद आज हमने केरल में मानसून के पहुंचने की घोषणा कर दी . 30 मई को मानसून दक्षिण भारत के केरल, कन्याकुमारी, कोयंबतूर और पूर्वोत्तर भारत में पहुंच गया . मानसून अगले एक हफ्ते में तेलंगाना कर्नाटक और गोवा के इलाकों में दस्तक देगा. मौसम विभाग ने केरल में मॉनसून एक जून को ही आने का लगाया था : भारतीय मौसम विभाग-आईएमडी ने केरल में मॉनसून 1 जून को ही आने का लगाया था, लेकिन 28 मई को बारिश हो गयी.

दिल्ली में मॉनसून 27 जून तक आ सकता है : मौसम विभाग का अनुमान है कि मुंबई में मॉनसून की बारिश 10-11 जून के आसपास हो सकती है. राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मॉनसून 27 जून तक आने की बात कही गयी है. हालांकि, अभी तक आधिकारिक रूप से इस बारे मे कुछ नहीं कहा गया है. जान लें कि दिल्ली में भीषण गर्मी के बीच बुधवार को हल्की बारिश हुई थी. उस तमय देश का सबसे ज्यादा तापमान 52.3 डिग्री से. दर्ज किया गया था. मौसम केंद्र ने बुधवार को दोपहर 2.30 बजे 52.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया. हालांकि, आईएमडी का मानना था कि संभवतः सेंसर में गड़बड़ी के कारण इतना ज्यादा तापमान रिकॉर्ड किया गया.

दिल्ली सरकार ने पानी के लिए कोर्ट का किया रुख

भाषा। नयी दिल्ली

दिल्ली सरकार ने जल संकट से जूझ रही राष्ट्रीय राजधानी को अधिक पानी की आपूर्ति करने के लिए हरियाणा को निर्देश देने की मांग करते हुए उच्चतम न्यायालय का रुख किया है. सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. सूत्रों के मुताबिक, आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार ने शीर्ष अदालत से कहा कि भीषण गर्मी के कारण शहर में पानी की मांग काफी बढ़ गई है और पड़ोसी राज्य हरियाणा को एक महीने के लिए अतिरिक्त पानी छोड़ने का निर्देश दिया जाना चाहिए. दिल्ली सरकार ने कहा कि राजधानी की पानी की जरूरतों को पूरा करने की दिशा में काम करना सभी की जिम्मेदारी है. दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से आग्रह किया कि वह हरियाणा और उत्तर प्रदेश की अपनी-अपनी सरकारों से राष्ट्रीय राजधानी को एक महीने तक पानी उपलब्ध कराने के लिए कहे. राष्ट्रीय राजधानी भारी जल संकट से जूझ रही है और जल मंत्री आतिशी ने हरियाणा पर दिल्ली के हिस्से का पानी नहीं देने का आरोप लगाया है.

दिल्ली में कैब चालक की चाकू मारकर हत्या

नयी दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में 28 वर्षीय एक कैब चालक की चाकू घोंपकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है. पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि गुरुवार रात 11 बजकर 50 मिनट पर एक घायल व्यक्ति के बारे में सूचना मिली थी, जिसके बाद पुलिस के एक दल को घटनास्थल पर भेजा गया. उसने बताया कि शास्त्री पार्क निवासी जौहर अब्बास को एक अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने बताया कि उसके शरीर पर चाकू के घाव थे.

मोहन भागवत ने अहिल्याबाई होल्कर को किया नमन

भाषा। नयी दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर संघचालक (प्रमुख) मोहन भागवत ने शुक्रवार को रानी अहिल्याबाई होल्कर को उनकी 300वीं जयंती पर याद करते हुए कहा कि वह एक आदर्श शासक थीं, जिन्होंने सुशासन प्रदान किया और समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए काम किया. वीडियो के माध्यम से जारी एक बयान में, भागवत ने कहा कि एक रानी होने के बावजूद वह सादा जीवन जीती थीं और कमजोरों एवं पिछड़ों की परवाह करती थीं. उन्होंने कहा कि पुण्यश्लोक की उपाधि उन शासकों को दी जाती है जो अपनी प्रजा को सभी प्रकार के अभावों और दुखों से मुक्त कराते हैं. सरसंघचालक ने कहा, वह विधवा थीं. अकेली महिला होने के बावजूद, उन्होंने न केवल अपने बड़े साम्राज्य का प्रबंधन किया, बल्कि उसे और भी बड़ा बनाया एवं सुशासन प्रदान किया. भागवत ने होल्कर द्वारा अपनी प्रजा को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए उद्योगों पर बल देने का जिक्र करते हुए कहा, उन्होंने इतने अच्छे तरह से उनका (उद्योगों का) निर्माण किया कि महेश्वर कपड़ा उद्योग आज भी चल रहा है.

यौन उत्पीड़न मामला : एसआईटी प्रज्वल की पोटेंसी जांच कराने पर विचार कर रही है

प्रज्वल रेवन्ना गिरफ्तार, छह जून तक हिरासत में भेजे गए

एजेंसी। बेंगलुरु

पुलिस की गिरफ्त में प्रज्वल रेवन्ना.

महिलाओं के यौन शोषण के आरोपों का सामना कर रहे जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) के निलंबित नेता प्रज्वल रेवन्ना को, जर्मनी से यहां पहुंचने पर विशेष जांच दल (एसआईटी) ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया. प्रज्वल रेवन्ना को कोर्ट ने छह दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है. जर्मनी से 35 दिन बाद वापस लौटने पर जेडीएस के निष्कासित सांसद रेवन्ना को बेंगलुरु एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया गया था. कर्नाटक पुलिस की एसआईटी ने कोर्ट से रेवन्ना की 14 दिनों की कस्टडी की मांग की थी. दोनों पक्षों की तरफ से अपनी-अपनी दलीलें दी गईं. लंबी-चौड़ी दलीलों को सुनने के बाद कोर्ट ने रेवन्ना को 6 जून तक एसआईटी हिरासत में भेज दिया है. एसआईटी के सूत्रों ने बताया कि सांसद प्रज्वल रेवन्ना (33) के म्यूनिख से बेंगलुरु लौटते ही उन्हें पूछताछ के लिए सीआईडी (अपराध जांच विभाग) के कार्यालय ले जाया गया. एसआईटी प्रज्वल की पोटेंसी जांच कराने पर भी विचार कर रही है.

जन प्रतिनिधियों के लिए एक विशेष अदालत प्रज्वल और उनकी मां भवानी रेवन्ना की जमानत याचिका पर सुनवाई करेगी.

एचडी रेवन्ना पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पुत्र हैं

मामले में भवानी के पति और होलेनरसीपुरा के विधायक एच डी रेवन्ना को गिरफ्तार किया गया था और बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया था. उन पर अपने घर की उस रसोइया का यौन उत्पीड़न करने का भी आरोप है, जिसका यौन शोषण करने का आरोप उनके बेटे पर भी है. एच डी रेवन्ना पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के पुत्र हैं. जनता दल (सेक्युलर) के संरक्षक एचडी देवेगौड़ा के पोते और हासन लोकसभा क्षेत्र से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार प्रज्वल (33) पर महिलाओं का यौन शोषण करने का आरोप है.

प्राकृतिक आपदा चक्रवात रेमल के कारण हुई बारिश से नौ जिलों में बाढ़

असम में बाढ़ से दो लाख से अधिक लोग प्रभावित

भाषा। गुवाहाटी

असम के बाढ़ग्रस्त इलाके में परेशान लोग.

असम में शुक्रवार को भी बाढ़ की स्थिति गंभीर है और चक्रवात रेमल के प्रभाव के चलते लगातार हुई बारिश के कारण नौ जिलों में दो लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि 28 मई से राज्य में बाढ़, बारिश और तूफान की वजह से कुल मिलाकर छह लोगों की मौत हो गई. नागांव, करीमगंज, हैलाकांडी, पश्चिम कार्बी आंगलोंग, कछार, होजाई, गोलाघाट, कार्बी आंगलोंग और दीमा हसाओ जिले इस प्राकृतिक आपदा से गंभीर रूप से प्रभावित हुए.

मेघालय के लमस्लम क्षेत्र में भारी बारिश के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-6 का 20 मीटर हिस्सा बह जाने से बराक घाटी के कछार, करीमगंज और हैलाकांडी जिलों का राज्य के अन्य हिस्सों और पूर्वोत्तर क्षेत्र से सड़क संपर्क टूट गया है और वाहन फंसे हुए हैं. कछार में सबसे अधिक 1,12,246 लोग बाढ़ से प्रभावित हैं, इसके बाद करीमगंज में 37,000, होजई में 22,058 और हैलाकांडी में 14,308 लोग प्रभावित हैं. बाढ़ की वजह से 3238.8 हेक्टेयर फसल क्षेत्र भी जलमग्न हो गया है. जबकि 2,34,535 जानवर प्रभावित हुए हैं. ब्रह्मपुत्र और बराक नदियां और इनकी सहायक नदियां बाढ़ प्रभावित जिलों में कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं.

कुल मिलाकर 35,640 प्रभावित लोगों ने 110 राहत शिविरों में शरण ली है, जिनमें से सबसे अधिक 19,646 होजई में, इसके बाद कछार में 12,110, हैलाकांडी में 2,060 और करीमगंज में 1,613 लोग राहत शिविरों में हैं. अधिकारियों ने कहा कि बराक घाटी और दीमा हसाओ के तीन जिलों में जनजीवन ठप हो गया.

भारत मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार चक्रवात रेमल के प्रभाव के कारण दक्षिण-पश्चिम मानसून अपने निर्धारित समय से पहले असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र के अन्य हिस्सों में प्रवेश कर गया है. आईएमडी ने अगले दो दिनों में गोलपाड़ा, बोंगाईगांव, सोनितपुर, बिश्वनाथ, डिब्रूगढ़, करीमगंज, कछार, हैलाकांडी, दीमा हसाओ, धुबरी और दक्षिण सलमारा जिलों में भारी बारिश और तूफान की चेतावनी जारी की है.

भारी बारिश से मणिपुर के राजभवन परिसर में जलभराव

इंफाल। चक्रवात 'रेमल' के प्रभाव से पिछले कुछ दिनों में हुई मूसलाधार बारिश के कारण मणिपुर के राजभवन परिसर में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई. अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि इंफाल घाटी में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ से तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि हजारों लोग प्रभावित हुए हैं. एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इंफाल नदी के तटबंध विभिन्न स्थानों पर टूटने के बाद राजभवन परिसर में पानी एकत्र हो गया. उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों की तुलना में राजभवन की स्थिति में काफी सुधार हुआ है.

किसी गंभीर अपराध के लिए दोषी ठहराये गये अमेरिका के पहले पूर्व राष्ट्रपति बने ट्रंप

'पॉर्न स्टार' को धन देने के मामले में ट्रंप दोषी

ट्रंप ने कहा- मैं निर्दोष हूं, अपने देश के लिए लड़ रहा

कोर्ट परिसर के बाहर डोनाल्ड ट्रंप.

भाषा। वाशिंगटन

'पॉर्न स्टार' स्टॉर्मी डेनियल्स को गुप्त तरीके से धन देने के मामले में डोनाल्ड ट्रंप कोल कारोबारी रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के 34 आरोपों में गुरुवार को दोषी पाया गया. इसी के साथ वह किसी गंभीर अपराध के लिए दोषी ठहराए गए अमेरिका के पहले पूर्व राष्ट्रपति बन गए.

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के चुनाव प्रचार अभियान दल ने कहा कि कानून से ऊपर कोई भी नहीं है, जबकि ट्रंप ने कहा कि यह फैसला एक दोषपूर्ण राजनीतिक व्यवस्था का परिणाम है.

ट्रंप को सजा सुनाए जाने की तिथि 11 जुलाई निर्धारित की गई है. इसके चार दिन बाद ही विस्कॉन्सिन के मिल्वौकी में 'रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन' में उन्हें पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनावों में औपचारिक रूप से पार्टी उम्मीदवार नामित किया जाना है. ट्रंप ने उनके खिलाफ फैसला सुनाए जाते ही कहा, यह शर्मनाक है. यह एक विवादित न्यायाधीश द्वारा की गई दोषपूर्ण, भ्रष्ट सुनवाई थी. असली फैसला पांच नवंबर को लोग सुनाएंगे. वे जानते हैं कि यहां क्या हुआ और हर कोई जानता है कि यहां क्या हुआ. मैं निर्दोष हूं. मैं अपने देश के लिए लड़ रहा हूं. मैं अपने संविधान के लिए लड़ रहा हूं. हमारे पूरे देश में इस समय धांधली हो रही है.

बाइडन के चुनाव प्रचार अभियान ने ज्यूरी के फैसले का स्वागत किया

ट्रंप ने आरोप लगाया कि बाइडन प्रशासन ने अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को नुकसान पहुंचाने के लिए ऐसा किया है. मुझे लगता है कि यह शर्मनाक है और इसके खिलाफ हम लड़ते रहेंगे. हम अंत तक लड़ेंगे और हम जीतेंगे क्योंकि हमारा देश नरक में चला गया है. बाइडन के चुनाव प्रचार अभियान ने ज्यूरी के फैसले का स्वागत किया. 'बाइडेन-हैरिस 2024 कम्युनिकेशंस' के निदेशक माइकल टायलर ने कहा, हमने आज न्यूयॉर्क में देखा कि कानून से ऊपर कोई भी नहीं है. ट्रंप द्वारा पॉर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को धन दिए जाने का यह मामला 2016 का है. उस समय ट्रंप के पॉर्न स्टार के साथ संबंध होने की बातें सामने आई थीं और आरोप है कि उन्होंने इसे छिपाने के लिए स्टॉर्मी को एक लाख 30 हजार डॉलर का भुगतान किया था. पूर्व राष्ट्रपति की कंपनी ने यह धन उनके वकील माइकल कोहेन को दिया था, जिन्होंने ट्रंप की ओर से पॉर्न स्टार को इसका भुगतान किया.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)